शुक्रवार, 29 मई 2026

मौसम

तापमान 26 – 33
आर्द्रता 67%
सूर्योदय: 04:52 सूर्यास्त: 18:15

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, ज्येष्ठ (अधिक) शुक्लपक्ष त्रयोदशी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

रॉयल्स का 'वंडर किड' सूर्यवंशी गुजरात के गेंदबाजों के लिये सबसे बड़ी चुनौती पृष्ठ 8

सुविचार : दिलों पर राज करने लोग चेहरे से नहीं व्यवहार से खूबसूरत होते हैं।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कोलकाता आ सकते हैं पीएम मोदी

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद केंद्र सरकार ने राज्य में एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। आगामी 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य राष्ट्रीय आयोजन कोलकाता में होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी शामिल होंगे। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने खुद इसके संकेत दिए हैं।

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से कोई इनकार नहीं कर सकता: मद्रास उच्च न्यायालय

चेन्नई : मद्रास उच्च न्यायालय ने कहा है कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से कोई इनकार नहीं कर सकता और इसमें पहले भी भ्रष्ट न्यायाधीश रहे हैं एवं आज भी हैं। न्यायमूर्ति जी आर स्वामीनाथन और न्यायमूर्ति वी लक्ष्मीनारायण की अवकाशकालीन पीठ ने यह टिप्पणी अधिवक्ता आर एस तमिलवेंडन की एक जनहित याचिका को खारिज करते हुए की। याचिका में अधिकारियों को अभिनेता एस सूर्या और अभिनेत्री तृषा अभिनीत तमिल फिल्म ''करुप्पू'' के प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश का अनुरोध किया गया। पीठ ने कहा कि केरल के कोल्लम में आयोजित एक कानूनी

सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश एस पी भरूचा ने उल्लेख किया था कि देश के 20 प्रतिशत न्यायाधीश भ्रष्ट हैं। अदालत ने कहा कि भूषण पिता-पुत्र की ओर से दिया गया चौंकाने वाला बयान अब भी लोगों की स्मृति में ताजा है। पीठ ने कहा, ''हम इतनी दूर तक नहीं जाएंगे और न ही इस तरह के व्यापक बयान का समर्थन करेंगे। लेकिन हम यह जरूर जानते हैं और ऐसे मामलों से रूबरू हुए हैं, जहां न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पाया गया। मद्रास उच्च न्यायालय की पूर्ण पीठ ऐसे भ्रष्ट आचरण वालों को नियमित रूप से बाहर का रास्ता दिखाती रही है।'' पीठ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने 'हाई कोर्ट ऑफ ज्यूडिकेचर एट बॉम्बे' बनाम वी. शिरीष कुमार रंगराव पाटिल में माना था कि भ्रष्टाचार की कैंसर कोशिकाएं लगातार न्यायपालिका की महत्वपूर्ण नसों में घुसपैठ करती रहती हैं। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा था कि इस बुराई को 'न्यायिक सर्जरी' के जरिए खत्म करने की जिम्मेदारी स्वयं न्यायपालिका पर ही है, जो संविधान के अनुच्छेद 235 के तहत आत्मनियंत्रण, सुधारात्मक कदमों या अनुशासनात्मक कार्रवाई के माध्यम से निभाई जानी चाहिए। पीठ ने कहा, ''न्यायपालिका में भ्रष्टाचार तब तक नहीं हो सकता जब तक कि बार एसोसिएशन के कुछ सदस्य भ्रष्ट गतिविधियों में लिप्त न हों। भ्रष्टाचार पर नजर बनाए रखना और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करना उच्च न्यायालय की सतर्क निगरानी की निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा है।''

'बंगाल से अब खुद लौट रहे हैं घुसपैठिये'

खुद वापस जाने वालों पर नहीं होगा केस :अमित शाह

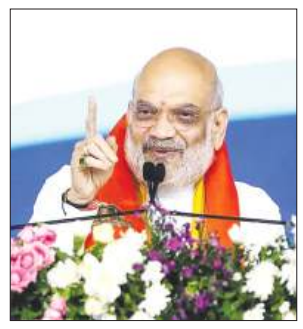

बंगाल सरकार को सीमा पर बाड़ लगाने हेतु जमीन देने पर बधाई

अहमदाबाद : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि घुसपैठिये जहां से भी भारत में आए हैं, वहां खुद ही लौट जाएं। जो घुसपैठिये खुद वापस जाएंगे उन पर कोई केस नहीं होगा। सरकार उनकी मदद करेगी, लेकिन अगर घुसपैठिये नहीं लौटे तो एक- एक घुसपैठिये को बाहर निकाला जाएगा। शाह ने सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को 45 दिन में जमीन देने का वादा सिर्फ सात दिन में पूरा करने पर बंगाल सरकार को बधाई दी। शाह ने गांधीनगर जिले में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, हमारी सरकार का संकल्प है कि देश से घुसपैठिए को चुन चुन कर बाहर निकाला जाए। बंगाल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, बंगाल में पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार के शासन में हर रोज घुसपैठ होती थी, लेकिन अब घुसपैठिये अपने आप वापस जाने लगे हैं। बंगाल सरकार ने डिटेंशन सेंटर बनाए हैं। हम चाहते हैं कि घुसपैठिये खुद वहां वापस चले जाएं। अगर वे खुद लौट जाते हैं, तो बंगाल सरकार उन पर कोई केस नहीं करेगी और लौटने में उनकी सहायता भी करेगी।

विपक्ष के अभियान के बावजूद बंगाल की जनता ने एसआईआर का समर्थन किया

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि विपक्ष के अभियान के बावजूद, पश्चिम बंगाल की जनता ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और इस सिद्धांत का भी समर्थन किया कि केवल भारतीय नागरिकों को ही वोट देने का अधिकार होना चाहिए। अहमदाबाद के सोला इलाके में उमिया माताजी संस्थान द्वारा निर्मित एक छात्रावास परिसर का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने भी निर्वाचन आयोग द्वारा की गई एसआईआर प्रक्रिया की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा है। उन्होंने कहा, ''जब निर्वाचन आयोग ने एसआईआर की पहल की, तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनके सहयोगी दलों ने इसके खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाया। वे उच्चतम न्यायालय तक गए। लेकिन चुनावों में पश्चिम बंगाल की जनता ने यह स्पष्ट कर दिया कि वे एसआईआर के साथ हैं।''

बड़ाबाजार के मछुआ फल मंडी में वर्षों बाद सफाई, हुआ जंजाल मुक्त

दोबारा शुरू हो सकती है बस सेवा

कोलकाता, समाज्ञा : लंबे समय से बंद पड़े मछुआ फल मंडी इलाके की सड़क पर अब एक बार फिर रौनक लौटने की उम्मीद दिखाई दे रही है। वर्षों से यह सड़क गंदगी और अव्यवस्था की शिकार थी, जिससे स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अब प्रशासन की पहल पर पूरे इलाके की सफाई कर दी गई है और सड़क को आवागमन के लिए तैयार किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, पहले इस रास्ते से नियमित रूप से बसों का संचालन होता था। अब सरकार इस रूट पर दोबारा बस सेवा शुरू करने की योजना बना रही है। इस विषय पर जोड़ासांको के विधायक विजय ओझा ने कहा कि लोगों की

समस्याओं को गंभीरता से लिया जा रहा है और पुलिस प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने बताया कि हावड़ा स्टेशन के बाहर का अवैध कब्जा, सियालदह, कैनिंग स्ट्रीट और कलाकार स्ट्रीट जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए पुलिस स्वतः संज्ञान लेकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस शासन में किसी भी तरह की गुंडागर्दी या जबरदस्ती नहीं चलेगी। पुलिस कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है। हालांकि, बस सेवा कब से शुरू होगी, इस पर विजय ओझा ने कहा कि फिलहाल इसकी निश्चित तारीख की जानकारी उनके पास नहीं है।

बंगाल सरकार पेट्रापोल सीमा के पास निरुद्ध केंद्र बनाने पर कर रही विचार

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल सरकार उत्तर 24 परगना जिले में पेट्रापोल सीमा के पास निरुद्ध केंद्र स्थापित करने पर विचार कर रही है। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश के साथ पेट्रापोल सीमा के पास पिरोजपुर स्थित एक सरकारी आवासीय सुविधा संभावित निरुद्ध केंद्र के रूप में विचाराधीन है। उन्होंने बताया कि अधिकारी इसी उद्देश्य के लिए जयंतीपुर क्षेत्र में उपयुक्त भूमि का सर्वेक्षण भी कर रहे हैं। निरीक्षण प्रक्रिया के तहत गुरुवार को वरिष्ठ पुलिस और नागरिक प्रशासन अधिकारियों ने पिरोजपुर स्थित सरकारी आवास परिसर का दौरा किया। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जरूरत पड़ने पर अस्थायी निरुद्ध केंद्र की व्यवस्था के लिए उपयुक्त बुनियादी ढांचे को चिह्नित करने के लिए प्रारंभिक मूल्यांकन किया जा रहा है। प्रशासनिक और सुरक्षा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कई स्थानों की जांच की जा रही है। हालांकि ,अधिकारियों ने इस कदम का सटीक कारण नहीं बताया, लेकिन सूत्रों ने संकेत दिया कि यह पहल सीमा से सटे क्षेत्रों में बढ़ती आवाजाही और भीड़भाड़ के देखते हुए की गई है।

अमेरिकी और ईरानी वार्ताकारों के बीच संघर्ष विराम बढ़ाने पर मोटे तौर पर सहमति

दुबई : अमेरिकी और ईरानी वार्ताकारों के बीच 60 दिनों के लिए संघर्षविराम बढ़ाने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत शुरू करने के लिए मोटे तौर पर सहमति बन गई है। यह जानकारी मामले से परिचित एक अमेरिकी अधिकारी ने दी। अधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि अभी इस सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अंतिम मंजूरी बाकी है। अधिकारियों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच मोटे तौर पर यह सहमति ऐसे वक्त बनी है, जब अमेरिका और ईरान के बीच नाज़ुक संघर्ष विराम डगमगाता हुआ दिखाई दे रहा है। इसका विवरण सबसे पहले समाचार आउटलेट 'एक्सियोस' ने प्रकाशित किया।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इस्कॉन मुख्यालय का किया दौरा, 'गौ पूजा' की

इस्कॉन प्रबंधन और वरिष्ठ संतों के साथ बंद कमरे में की महत्वपूर्ण बैठक

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी गुरुवार को नदिया जिला स्थित इस्कॉन मुख्यालय पहुंचे और 'गौ पूजा' की। उन्होंने इस्कॉन के साधु-संतों और मंदिर प्रबंधन के सदस्यों से भी बात की। अधिकारियों के अनुसार, पारंपरिक सफेद धोती-कुर्ता पहने शुभेंदु सुबह करीब 11.30 बजे नंगे पांव मंदिर परिसर की गौशाला में दाखिल हुए, और विशेष 'गौ पूजा' अनुष्ठान किया तथा बाद में गायों को फल व मिठाइयां खिलाईं। वह 'यज्ञ' में शामिल हुए और फिर इस्कॉन के साधु-संतों तथा प्रबंधन के सदस्यों से बात करने के लिए चंद्रोदय मंदिर पहुंचे। मुख्यमंत्री के मायापुर पहुंचते ही कीर्तन की मधुर ध्वनि के बीच साधु-संतों और श्रद्धालुओं ने उनका स्वागत किया। सैकड़ों लोग सुबह से

ही मंदिर परिसर के आसपास उनकी एक झलक पाने के लिए एकत्र थे। इस दौरान मंदिर नगरी में उत्सव जैसा माहौल था। अधिकारियों ने बताया कि मायापुर और इसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में पुलिस कर्मी तैनात किए गए, प्रमुख प्रवेश द्वारों पर अवरोधक लगाए गए और मंदिर परिसर के कुछ हिस्सों में आवागमन पर प्रतिबंध लगा दिया गया। इस्कॉन के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने संगठन और इसके कार्यों के प्रति 'गहरी रुचि और उत्साह' दिखाया। प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री ने 'गोपी-जन गौ सेवा' और यज्ञ अनुष्ठानों में भाग लिया। साधु-संतों के साथ एक संवाद सत्र भी आयोजित किया जाएगा।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में 'दोहरा मापदंड' नहीं होना चाहिए: डोभाल

मॉस्को : राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा है कि इससे निपटने में किसी भी तरह का 'दोहरा मापदंड' स्वीकार्य नहीं है। बृहस्पतिवार को मॉस्को में आयोजित पहले अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मंच और सुरक्षा मामलों के उच्च प्रतिनिधियों की 14वीं बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। इस बैठक की मेजबानी रूसी संघ की सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु ने की। भारतीय दूतावास के अनुसार, डोभाल ने अपने संबोधन में कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सभी देशों को स्पष्ट और समान दृष्टिकोण अपनाना चाहिए तथा ऐसे तत्वों का समर्थन करने या उनके विरुद्ध कार्रवाई करने को लेकर जिम्मेदार विकल्प चुनने होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद स्थापित वैश्विक संस्थागत ढांचे में सुधार की तत्काल आवश्यकता है ताकि वे आज के बदलते अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा खतरों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें। पश्चिम एशिया की स्थिति का उल्लेख करते हुए एनएसए ने अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों-विशेषकर होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर-से व्यापार की सुरक्षित एवं निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। दूतावास ने बताया कि डोभाल इस दौरान कई द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे, हालांकि उनका विस्तृत कार्यक्रम साझा नहीं किया गया है।इस बीच, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने साइप्रस में अपने यूक्रेनी समकक्ष एंड्री सिबिहा से मुलाकात कर रूस-यूक्रेन संघर्ष, युद्ध की स्थिति और शांति प्रयासों पर चर्चा की। भारत ने अब तक रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संबंध बनाए रखते हुए संवाद और कूटनीति के माध्यम से समाधान का लगातार समर्थन किया है।

रिपोर्ट में दावा: आर्थिक सुस्ती के बीच भारत सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था, 6.5 फीसदी रह सकती है देश की वृद्धि दर

नयी दिल्ली : विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) द्वारा जारी एक नई रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर के प्रमुख अर्थशास्त्री अगले एक साल में वैश्विक आर्थिक विकास में मंदी की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि,भारत एक ऐसे क्षेत्र के रूप में उभर रहा है, जहां विकास की सबसे मजबूत संभावनाएं देखी जा रही हैं। विश्व आर्थिक मंच की रिपोर्ट के अनुसार, सर्वेक्षण में शामिल लगभग दस में से नौ प्रमुख अर्थशास्त्रियों का मानना है कि आने वाले वर्ष में वैश्विक आर्थिक वृद्धि धीमी होगी। वहीं, केवल 13 प्रतिशत अर्थशास्त्रियों ने वैश्विक मंदी की आशंका जताई है।डब्ल्यूईएफ ने कहा, ''2026 में भारत ने व्यापार नीतियों को अधिक खुला बनाने, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी और घरेलू उत्पादन क्षमता को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं।''

सिद्धारमैया ने छोड़ी कर्नाटक के सीएम की कुर्सी, डीके शिवकुमार होंगे अगले मुख्यमंत्री

बेंगलुरु : कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद के लिए उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के साथ सत्ता संघर्ष और महीनों से चल रही नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर पूर्ण विराम लगाते हुए कांग्रेस नेता सिद्धरमैया ने बृहस्पतिवार को इस पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें राज्यसभा का टिकट देने की पेशकश की है, लेकिन उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया है क्योंकि वह कर्नाटक में सक्रिय राजनीति को प्राथमिकता देते हैं ताकि ''अपनी आखिरी सांस तक सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ लड़ सकें।'' खचाखच भरी प्रेसवार्ता में अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए, सिद्धरमैया (77) ने कहा कि वह साफ अंतरात्मा के साथ पद छोड़ रहे हैं। उन्होंने दो कार्यकाल तक लोगों की सेवा करने का अवसर प्रदान

करने के लिए अपनी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को धन्यवाद दिया। उन्होंने राज्यपाल थावरचंद गहलोत की अनुपस्थिति में उनके विशेष सचिव प्रभु शंकर को इस्तीफा सौंपा। सिद्धरमैया ने पत्रकारों से कहा, ''मैंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। मुझे विश्वास है कि राज्यपाल संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार मेरा इस्तीफा स्वीकार कर लेंगे।'' उन्होंने कहा, ''मैंने बार-बार कहा था कि जब भी पार्टी आलाकमान मुझे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने को कहेगा, मैं इस्तीफा दे दूंगा। आलाकमान ने मुझे दो दिन पहले पद छोड़ने का निर्देश दिया था, जिसके अनुसार मैंने आज अपना इस्तीफा सौंप दिया।''

भीषण गर्मी: दिल्ली में बारिश, यूपी-राजस्थान में लू का कहर

नयी दिल्ली : कई दिनों से भीषण गर्मी और लू का सामना कर रही दिल्ली को बृहस्पतिवार शाम राहत मिली, जब राजधानी के कई इलाकों में तेज हवाओं, गरज और बारिश के साथ मौसम ने करवट ली। दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार बना हुआ था, लेकिन बारिश के बाद अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग ने 31 मई तक बारिश और मेघगर्जन का दौर जारी रहने की संभावना जताई है।दूसरी ओर उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। यूपी के बांदा में 47.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे अधिक रहा। झांसी में 46.5 डिग्री, उरई में 44.8 डिग्री और आगरा में 43.3 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। हालांकि मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में राज्य के कई हिस्सों में बारिश और तेज आंधी की संभावना जताई है। राजस्थान का श्रीगंगानगर 47.1 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे गर्म स्थान रहा। चूरू, कोटा, पिलानी और जयपुर समेत कई शहरों में तापमान 45 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से आने वाले दिनों में कुछ इलाकों में बारिश और तेज हवाओं की संभावना जताई है।उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भी भारी बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। वहीं पंजाब और हरियाणा में भी गर्मी का असर बना हुआ है। हरियाणा के सिरसा और पंजाब के फरीदकोट में अधिकतम तापमान 45.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

भारत-चीन के बीच एलएसी पर 'रचनात्मक' वार्ता, रिश्तों की बहाली के लिए सीमा पर शांति को लेकर सहमति

नयी दिल्ली : भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की स्थिति पर ''रचनात्मक'' और ''भविष्य उन्मुख'' वार्ता की। दोनों पक्षों ने माना कि सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने से द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में प्रगति संभव हुई है। दोनों देशों ने बुधवार को बीजिंग में आयोजित परामर्श एवं समन्वय कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की बैठक के दौरान सीमा की स्थिति से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने बातचीत के एक दिन बाद कहा, ''चर्चाएं रचनात्मक और भविष्य उन्मुख रहीं।'' भारत और चीन ने पिछले एक वर्ष में अपने संबंधों को फिर से मजबूत करने के लिए कई उपाय किए हैं, क्योंकि 2020 में गलवान घाटी में हिंसक संघर्ष और उसके बाद चार वर्षों से अधिक समय तक चले सैन्य गतिरोध के कारण दोनों देशों के संबंधों में काफी तनाव आ गया था। मंत्रालय ने कहा, ''दोनों पक्षों ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया, जिससे द्विपक्षीय संबंधों को धीरे-धीरे सामान्य बनाने की दिशा में प्रगति संभव हुई है।'' दोनों पक्ष विशेष प्रतिनिधियों की अगली बैठक की ''ठोस तैयारी'' के लिए मिलकर काम करने पर भी सहमत हुए, जो चीन में आयोजित होनी है।

जनजाति सुरक्षा मंच के प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

नयी दिल्ली : जनजाति सुरक्षा मंच के एक प्रतिनिधिमंडल ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और आदिवासी समुदायों के विकास तथा सशक्तीकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मोदी ने मुलाकात के बाद कहा कि आदिवासी समाज के प्रति मंच का समर्पण बहुत सराहनीय है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें यहां जनजाति सुरक्षा मंच के प्रतिनिधियों से मिलने का अवसर मिला। उन्होंने हिंदी में किए गए पोस्ट में कहा, नयी दिल्ली में आज जनजाति सुरक्षा मंच के प्रतिनिधियों से मुलाकात का अवसर मिला। आदिवासी समाज के लिए इनका समर्पण भाव बहुत सराहनीय है। इस दौरान जनजातीय समुदायों के विकास और उनके सशक्तीकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

सरकार नीट पुनर्परीक्षा के प्रश्न पत्रों के परिवहन के लिए वायुसेना की मदद लेने पर कर रही विचार

नयी दिल्ली : सरकार 21 जून को होने वाली नीट-यूजी की पुनर्परीक्षा को पूरी तरह सुरक्षित और त्रुटिरहित ढंग से आयोजित करने के लिए प्रश्नपत्रों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के वास्ते भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की सहायता लेने की संभावना पर विचार कर रही है। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में इस विकल्प पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी मौजूद थे। सूत्रों के अनुसार मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने इस बात पर चर्चा की कि क्या राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) प्रश्नपत्रों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए आईएएफ के विमानों का इस्तेमाल किया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि हालांकि, अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और इस विकल्प पर अंतिम फैसला लेने के लिए इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समक्ष रखा जायेगा। सूत्रों ने बताया कि माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री 21 जून को होने वाली पुनर्परीक्षा की तैयारियों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर रहे हैं और उन्हें परीक्षा प्रक्रिया से संबंधित हर जानकारी दी जा रही है। बृहस्पतिवार को हुई बैठक में परीक्षा की पूरी प्रक्रिया पर ध्यान दिया गया, जिसमें शिक्षकों द्वारा प्रश्नपत्र तैयार करने और प्रश्नपत्र छापने से लेकर परिवहन और सुरक्षा व्यवस्था तक सभी मुद्दे शामिल थे।

प्राथमिकता से प्रणालीगत सुधार करे सीबीएसई

अभी नीट प्रवेश परीक्षा में प्रश्न पत्रों के लीक होने और परीक्षा रद्द होने की सुर्खियों की स्याही सूखी भी न थी कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की मूल्यांकन प्रणाली सवालों के घेरे में आ गई। निश्चय ही ये घटनाक्रम छात्रों और प्रतियोगियों के परीक्षा व्यवस्था पर भरोसे को कम ही कर रहे हैं। आपदा में अवसर की तलाश में रहने वाले राजनीतिक दलों को छोड़ भी दें, तो भी आम लोग भी सीबीएसई की मूल्यांकन पद्धति पर सवाल उठा रहे हैं। दरअसल, सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग यानी ओएसएम प्रणाली में खामियों और विसंगतियों को लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं। कक्षा बारह के कुछ छात्रों ने पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत अपलोड की गई स्कैन प्रतियों और उनकी उत्तर पुस्तिकाओं में विसंगति सामने आने का खुलासा किया है। निश्चित रूप से यह प्रकरण महज एक तकनीकी समस्या से कहीं अधिक का मामला है। यह भारत की उस शीर्ष परीक्षा प्रणाली की बढ़ती विफलता की चेतावनी है, जो लाखों छात्रों के भविष्य का निर्धारण करती है। इस घटनाक्रम में एक छात्र वेदांत श्रीवास्तव का मामला विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि सीबीएसई ने स्वयं स्वीकार किया है कि गलत उत्तर पुस्तिका भेजी गई थी। हालांकि, मामला तूल पकड़ता देख उसे बाद में सही उत्तर पुस्तिका भेज दी गई। इसी तरह एक अन्य परीक्षार्थी, संजना को भी सीबीएसई की तरफ से कमोबेश ऐसी ही प्रतिक्रिया मिली है। भला हो सोशल मीडिया का जो इन मुद्दों को देश की जनता के सामने तुरंत ले आता है और देश में इससे एक जनमत बनाने का अवसर मिलता है। हालांकि, यह स्वागत योग्य है कि सीबीएसई ने इन प्रणालीगत त्रुटियों को स्वीकार तो किया। लेकिन जरूरत इस बात की है कि इस लापरवाही के लिये जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अन्यथा लापरवाही व गलती का यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा। सीबीएसई को अपनी साख बचाये रखने के लिये इस दिशा में समय रहते सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

यहां सवाल उठता है कि सीबीएसई जैसी परीक्षा नियामक संस्था ने अपने स्तर पर खामियों को दूर करने के लिये कारगर तंत्र क्यों विकसित नहीं किया। वह तब ही जागती है जब मीडिया में घटना सुर्खियां बनती है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि सीबीएसई ने तब कार्रवाई की और सुधारात्मक कदम उठाये, जब प्रभावित छात्रों ने इसके खिलाफ सोशल मीडिया पर अभियान चलाया। निश्चित रूप से एक निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली में इतना लचीलापन होना चाहिए कि छात्रों के आक्रोश के सार्वजनिक होने, राजनीतिक टीका-टिप्पणी सामने आने या ऑनलाइन अभियान चलने से पहले समस्या का निराकरण हो जाए। हालिया घटनाक्रम का एक दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह भी है कि सीबीएसई की लापरवाही का शिकार बने वेदांत को अपनी बात उठाने पर बुरी तरह लांछित किया। कुछ सोशल मीडिया वीरों ने उसकी मुखरता से आवाज उठाने की कोशिश को देश विरोधी तक ही नहीं कहा, बल्कि कुछ ने तो उसे पाकिस्तानी तक कह दिया। यह तंत्र के बचाव में उतरने की अंधभक्ति ही है कि न्याय के लिये आवाज उठाने के लिये पीड़ित भारतीय नागरिक की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की असफल कोशिश हो। क्या न्याय के लिये आवाज उठाने वाले छात्रों को इसलिए अपमानित व प्रताड़ित होना चाहिए क्योंकि उसकी शिकायत सामने आने के बाद देश के नामचीन संगठनों को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है? वास्तव में इन छात्रों के मामले में आई खामियों की व्यापक स्तर पर पड़ताल होनी चाहिए। यह भी विचार करना चाहिए कि कर्मचारियों को पर्याप्त प्रशिक्षण के बिना आनन-फानन में डिजिटलीकरण कराने से ही कहीं ऐसी खामियां तो सामने नहीं आ रही हैं? निश्चित रूप से इसका खमियाजा छात्रों को ही भुगतना पड़ता है और उनका भविष्य दांव पर लग जाता है। यह हकीकत है कि सीबीएसई का भूल सुधार करने का प्रयास कभी व्यवस्थागत सुधार का विकल्प नहीं हो सकता। बोर्ड को तत्काल ओएसएम प्रणाली और स्कैनिंग प्रक्रियाओं का स्वतंत्र ऑडिट कराना चाहिए। परीक्षा बोर्ड और परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियां योग्यता और निष्पक्षता की संरक्षक मानी जाती हैं। सवालों से घिरी भारतीय शिक्षा प्रणाली तभी अपनी विश्वसनीयता बचा सकती है, जब वह बुनियादी प्रक्रियात्मक विश्वसनीयता की गारंटी देने का वायदा करे।

आज का पंचांग

कोलकाता : 29 मई, शुक्रवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, ज्येष्ठ (अधिक) शुक्लपक्ष त्रयोदशी, 09:51 तक, नक्षत्र : स्वाति, 10:32 तक, योग : परिघा, 28:28 तक, सूर्योदय: 04:52, सूर्यास्त: 18:15, चन्द्रोदय : 17:17, चन्द्रास्त: 03:42, शक सम्वतः 1948 पराभव, सूर्य राशि : वृषभ, चन्द्र राशि : तुला, राहू काल : 10:32 से 12:11

राशिफल

मेष : आज प्यार आपके रिश्ते में नई मिठास घोल सकता है। जीवनसाथी के साथ बिताए गए पल दिल को सुकून देंगे और रिश्ते में अपनापन और गहराई बढ़ेगी। दिन ज्यादा शांत और सुखद रहेगा।

वृष : आज किस्मत आपके दरवाजे पर खुशियों की दस्तक दे सकती है। व्यापार में कोई बड़ा सौदा आपके हाथ लग सकता है और मेहनत का शानदार परिणाम देखने को मिलेगा।

मिथुन : आज आपकी प्रतिभा लोगों को प्रभावित करने वाली है। कार्यक्षेत्र में आपकी रचनात्मक सोच और नए आइडिया सबका ध्यान खींचेंगे। कला, लेखन या क्रिएटिव कामों में आपका मन खूब लगेगा।

कर्क : आज मन थोड़ा उलझा और बेचैन रह सकता है। पैसों से जुड़ा कोई फैसला जल्दबाजी में लेना नुकसान दे सकता है, इसलिए सोच-समझकर कदम बढ़ाएं।

सिंह : आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा दोनों चरम पर रहेंगे। नौकरीपेशा लोगों को उनके काम के लिए तारीफ और सम्मान मिल सकता है। निवेश के लिए दिन अच्छा है।

कन्या : आज आपको हर फैसला बहुत सोच-समझकर लेना होगा। साझेदारी में काम कर रहे लोगों को अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत है। लंबे समय से रुका हुआ कोई काम पूरा होकर राहत देगा।

तुला : आज आपकी समझदारी और निर्णय लेने की क्षमता आपको दूसरों से आगे रखेगी। आमदनी बढ़ाने के नए रास्ते नजर आएंगे, लेकिन धन से जुड़ा कोई मामला मन को परेशान कर सकता है।

वृश्चिक : आज समाज में आपका मान-सम्मान और रुतबा बढ़ने वाला है। घर में किसी धार्मिक आयोजन या पूजा-पाठ की योजना बन सकती है। शरीर थका हुआ महसूस कर सकता है।

धनु : आज आपके भीतर जोश और उत्साह भरपूर रहेगा। हर काम में मन लगेगा और नई शुरुआत करने का उत्साह भी बना रहेगा, खासकर प्रेम संबंधों में। सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी जरूरी है।

मकर : आज आपको धैर्य और समझदारी के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। पुरानी बीमारी अगर दोबारा परेशान कर रही है, तो उसे नजरअंदाज न करें। मुश्किलें भी आसानी से संभल जाएंगी।

कुम्भ : आज सामाजिक क्षेत्र में आपकी पहचान और प्रभाव बढ़ सकता है। लोग आपके काम और विचारों की सराहना करेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और मन में आत्मविश्वास बना रहेगा।

मीन : आज सेहत आपका पूरा साथ देगी और आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। जीवनसाथी के साथ भावनात्मक जुड़ाव और मजबूत होगा, जिससे रिश्ते में अपनापन बढ़ेगा।

न त्याग की मूर्ति, न कमाई का बोझ - बस दो इंसान, एक सफर

प्रो. आरके जैन अरिजीत

- **घर संभालना कर्तव्य नहीं, साझेदारी है - अदालत का ऐतिहासिक फैसला**
- **घरेलू मतभेद अब तलाक का आधार नहीं - बदल रहा है विवाह का कानून**

भारतीय विवाह व्यवस्था लंबे समय तक एक मौन धारणा पर टिकी रही-पुरुष कमाएगा, स्त्री बिना सवाल घर संभालेगी। इसी सोच ने अनेक रिश्तों को साझेदारी नहीं, बल्कि असमान जिम्मेदारियों का बोझ बना दिया। घर को पत्नी का कर्तव्य और अधिकार को पति का विशेषाधिकार मानने वाली मानसिकता पर अब कानून ने सीधा प्रहार किया है। बॉम्बे हाईकोर्ट का हालिया फैसला केवल न्यायिक आदेश नहीं, बल्कि सामाजिक चेतावनी है। अदालत ने साफ कहा कि पत्नी कोई नौकरानी नहीं और विवाह किसी एक की सेवा का अनुबंध नहीं हो सकता। रिश्ता तभी टिकेगा, जब दोनों पक्ष बराबर सम्मान, जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ साथ चलें।

मुंबई का यह वैवाहिक विवाद उस सोच को सामने ले आया, जहां पत्नी को रिश्ते से ज्यादा घरेलू कसौटियों पर परखा गया। एक चार्टर्ड अकाउंटेंट ने 2004 में तलाक मांगते हुए आरोप लगाया कि पत्नी न ठीक से खाना बनाती है, न घर संभालती है, सास-ससुर के प्रति अपेक्षित व्यवहार नहीं रखती और अक्सर मायके चली जाती है। बांद्रा फैमिली कोर्ट ने 2010 में तलाक मंजूर कर लिया, लेकिन 8 मई 2026 को न्यायमूर्ति भारती डांगरे और मंजुषा देशपांडे की खंडपीठ ने वह फैसला पलट दिया। अदालत ने साफ कहा कि सामान्य घरेलू मतभेदों और व्यवहारिक असहमतियों को मानसिक क्रूरता नहीं माना जा सकता। पत्नी को 20 हजार रुपये मासिक भरण-पोषण देकर यह स्पष्ट किया कि विवाह बराबर जिम्मेदारी का रिश्ता है।

भारतीय घरों में वर्षों तक रसोई, सफाई, बुजुर्गों की सेवा और परिवार के लिए निरंतर समर्पण को स्त्री का अनिवार्य धर्म मान लिया गया। अच्छी पत्नी की परिभाषा भी इन्हीं जिम्मेदारियों में बांध दी गई। जरा-सी कमी होते ही उसे असंवेदनशील या परिवार से दूर समझ लिया जाता है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अब इसी जड़ सोच पर सवाल उठाया है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि विवाह में कोई मालिक नहीं, कोई सेवक नहीं। यह फैसला केवल महिलाओं के अधिकार की बात नहीं करता, बल्कि पुरुषों को भी रिश्तों में सम्मान, सहयोग और साझेदारी का वास्तविक अर्थ समझाने की कोशिश करता है। क्योंकि मजबूत विवाह वही है, जहां जिम्मेदारियां एकतरफा नहीं, साझा हों।

कानूनी दृष्टि से यह फैसला इसलिए निर्णायक बन गया क्योंकि अदालत ने क्रूरता की परिभाषा को संकीर्ण धारणाओं से बाहर निकालकर वास्तविक जीवन की जमीन पर देखा। छोटे घरेलू मतभेद, स्वभाव का अंतर या रोजमर्रा की असहमतियां तलाक का आधार नहीं बन सकतीं। अदालत ने स्पष्ट माना कि साथ रहने वाले दो व्यक्तियों के बीच टकराव स्वाभाविक है। यदि पति पत्नी में केवल आदर्श गृहिणी तलाशे और पत्नी पति को सिर्फ आर्थिक सुरक्षा का माध्यम समझे, तो रिश्ते अपनी मूल भावना खो देते हैं। कानून किसी एक पक्ष को श्रेष्ठ साबित करने के लिए नहीं, बल्कि दोनों की गरिमा और अधिकारों की रक्षा के लिए बना है। यही वजह रही कि पत्नी की सीमित आय के बावजूद अदालत ने पति की जिम्मेदारी को खत्म नहीं माना।

यह निर्णय बदलते भारत की उस सच्चाई को भी स्वीकार करता है, जहां महिलाएं अब केवल घर की चौखट तक सीमित नहीं रहीं। शिक्षा, करियर और आत्मनिर्भरता उनकी नई पहचान बन रहे हैं। वहीं पुरुष भी आर्थिक दबाव, प्रतिस्पर्धा और पारिवारिक अपेक्षाओं के बोझ से गुजरते हैं। ऐसे में विवाह तभी संतुलित रह सकता है, जब दोनों एक-दूसरे की परिस्थितियों और संघर्षों को समझें। यदि पत्नी कामकाजी है तो घरेलू जिम्मेदारियां साझा हों, और यदि पति बाहरी दबावों से जूझ रहा है तो उसे भावनात्मक सहारा मिले। रिश्तों की असली मजबूती अधिकारों से नहीं, बल्कि साझा दायित्व और पारस्परिक सहयोग से जन्म लेती है।

रिश्तों को देखने के पुराने नजरिए पर यह निर्णय केवल कानूनी आदेश नहीं, बल्कि गंभीर सवाल है। अब घर नहीं संभालोगी तो तलाक जैसी धमकियां पहले की तरह असरदार नहीं रहेंगी। साथ ही यह भी उतना ही सच है कि पुरुषों के संघर्ष और भावनाएं भी महत्व रखती हैं। अदालत ने साफ कर दिया कि न स्त्री त्याग की अनंत मशीन है और न पुरुष केवल जिम्मेदारियों का बोझ उठाने वाला साधन। दोनों की अपनी सीमाएं, अपेक्षाएं और सम्मान हैं। यही समझ आने वाली पीढ़ी को ऐसे विवाह की ओर ले जा सकती है, जहां रिश्ते अधिकार से नहीं, बल्कि सहयोग, संवेदना और बराबरी से चलें।

साझेदारी की बात को जिम्मेदारियों से मुक्ति समझना इस फैसले की गलत व्याख्या होगी। अदालत ने स्पष्ट रूप से घरेलू कर्तव्यों और वैवाहिक उत्तरदायित्वों के महत्व को नकारा नहीं है। जहां रिश्तों में अपमान, हिंसा, मानसिक प्रताड़ना या जानबूझकर उपेक्षा होगी, वहां कानून पहले की तरह गंभीर रहेगा। विवाह केवल अधिकारों और स्वतंत्रता का संबंध नहीं, बल्कि धैर्य, समझ और त्याग का भी आधार है। इस निर्णय का असली संदेश यही है कि घर और रिश्ते किसी एक व्यक्ति के सहारे नहीं चलते; उन्हें बराबरी की भागीदारी और आपसी सहयोग ही टिकाऊ बनाते हैं।

विवाह की बदलती परिभाषा के बीच बॉम्बे हाईकोर्ट का यह फैसला समाज को अधिक मानवीय और संतुलित दिशा देता है। यह निर्णय महिलाओं के सम्मान को मजबूती देता है, साथ ही उन पुरुषों के संघर्षों को भी स्वीकार करता है जो आर्थिक दबावों के बीच परिवार संभालते हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि रिश्ते किसी एक पक्ष का बोझ नहीं बन सकते। केवल बराबरी नहीं, संवेदनशीलता भी विवाह की अनिवार्य नींव है। जब पति-पत्नी एक-दूसरे को अपेक्षाओं से पहले इंसान के रूप में स्वीकार करेंगे, तभी संबंध स्थायी और मजबूत बन पाएंगे। यही इस फैसले की सबसे बड़ी शक्ति है- यह किसी एक की नहीं, बल्कि सच्ची साझेदारी की जीत है।

-शिक्षाविद्

दुनिया का सबसे बड़ा कारनामा माना जाता है एवरेस्ट पर चढ़ाई

योगेश कुमार गोयल

अंतर्राष्ट्रीय एवरेस्ट दिवस (29 मई) पर विशेष

एवरेस्ट दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है, जिसकी ऊंचाई 8848 मीटर है। दुनिया के इस सबसे ऊंचे पर्वत शिखर को आज से 73 वर्ष पूर्व 29 मई 1953 को सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने फतह किया था। उनकी जीत के उपलक्ष्य में ही उनकी याद में प्रतिवर्ष 29 मई को अंतर्राष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस मनाया जाता है, जिसे 'अंतर्राष्ट्रीय सागरमाथा दिवस' के रूप में भी जाना जाता है। पहली बार माउंट एवरेस्ट दिवस सर एडमंड हिलेरी की मृत्यु के बाद 2008 में मनाया गया था, तभी से यह दिवस भारत, नेपाल और न्यूजीलैंड में 29 मई को मनाया जाता रहा है। एवरेस्ट की चोटी नेपाल और चीन (तिब्बत) की सीमा पर स्थित है और यह दिवस मनाने का एक प्रमुख उद्देश्य नेपाल पर्यटन को बढ़ावा देना भी है। वैसे सही मायनों में यह दिवस पर्वतारोहियों को सम्मानित करने के लिए नेपाल द्वारा मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। यह दिवस पर्वतारोहियों को एवरेस्ट की चोटी फतह करने के लिए प्रेरित करता है। अंतर्राष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस केवल एडमंड हिलेरी और तेनजिंग शेरपा की विजय का जश्न मनाने का ही दिन नहीं है बल्कि यह पहाड़ पर चढ़ने के खतरों को बताने और उन लोगों को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है, जिन्होंने इस सफर के दौरान अपने प्राण गंवा दिए। तमाम खतरों के बावजूद माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई का यह सिलसिला आज भी जारी है।

विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना आज भी मानव साहस, धैर्य और अदम्य इच्छाशक्ति की सबसे बड़ी परीक्षा माना जाता है। समुद्र तल से 8,848.86 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शिखर केवल बर्फ और पत्थरों का पहाड़ नहीं बल्कि रोमांच, जोखिम और मौत से सीधी मुठभेड़ का प्रतीक बन चुका है। दुनियाभर के हजारों पर्वतारोही हर वर्ष इसे फतह करने का सपना लेकर हिमालय की ओर बढ़ते हैं लेकिन उनमें से केवल चुनिंदा लोग ही सफलता प्राप्त कर पाते हैं। कई पर्वतारोही इस दुर्गम यात्रा के दौरान बर्फीली हवाओं, ऑक्सीजन की कमी, हिमस्खलन और खतरनाक दर्रों का सामना करते हुए अपनी जान गंवा बैठते हैं। इतिहास गवाह है कि एवरेस्ट की चढ़ाई हमेशा से जोखिमों से भरी रही है। आंकड़ों के अनुसार, एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले प्रत्येक 100 पर्वतारोहियों में लगभग 4 लोगों की मौत हो जाती है। वर्ष 2014 और 2015 एवरेस्ट के इतिहास के सबसे दर्दनाक वर्षों में गिने जाते हैं, जब हिमस्खलन और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण तीन दर्जन से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। एवरेस्ट की बर्फीली ढलानों पर आज भी अनेक पर्वतारोहियों के शव मौजूद हैं, जिन्हें नीचे लाना लगभग असंभव माना जाता है। मई महीने का एवरेस्ट के संदर्भ में विशेष महत्व है क्योंकि इसी दौरान मौसम अपेक्षाकृत अनुकूल होता है और अधिकांश सफल अभियान इसी महीने में पूरे किए जाते हैं। यही कारण है कि एवरेस्ट से जुड़े कई विश्व रिकॉर्ड भी मई में ही बने हैं।

माउंट एवरेस्ट को फतह करना पर्वतारोहियों के लिए जहां रहस्य और रोमांच से भरपूर होता है, वहीं दीगर सच यह भी है कि यह एक ऐसा सफर है, जहां मौत हर कदम पर बांहें फैलाए खड़ी रहती है और इस सफर के लिए फौलाद जैसे कलेजे की जरूरत होती है। बस मामूली सी चूक हुई और जिंदगी खत्म। हिमालय पर इस सबसे ऊंचे शिखर का पता 1852 में लगा था। तब भारत में जॉर्ज एवरेस्ट गर्वनर जनरल थे और इस शिखर का नामकरण उन्हीं के नाम पर किया गया। 1921 में पहली बार माउंट एवरेस्ट का रास्ता खोजा गया और तभी से एवरेस्ट फतह करने के प्रयास निरन्तर किए जाते रहे हैं। 1922 में जॉर्ज मैलोरी, एडवर्ड नॉर्टन तथा हॉवर्ड सोमेरवेल ने पहली बार एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया और वे 8 हजार मीटर की ऊंचाई तक पहुंचने में सफल भी हुए। 1924 में जॉर्ज मैलोरी तथा एंड्रू इरविन ने एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया किन्तु दोनों ही बर्फीले पहाड़ों में कहीं रहस्यमयी तरीके से गायब हो गए। 29 मई 1953 को पहली बार जब न्यूजीलैंड के सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने एवरेस्ट को फतेह किया तो पूरी दुनिया में खलबली मच गई क्योंकि उससे पहले भी इसकी कोशिशें तो बहुत हुई किन्तु सफल कोई नहीं हुआ।

पृथ्वी की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट तक पहुंचने के लिए पर्वतारोहियों को अनेक तरह की बाधाओं को पार करना पड़ता है। करीब 8848 मीटर ऊंचे इस शिखर की खड़ी चढ़ाई के दौरान रास्ते में कई ऐसे दर्रे आते हैं, जिनमें से कुछ की गहराई तो करीब 300-400 फुट है और ऐसे दर्रों को प्रायः सीढ़ियां जोड़कर पार किया जाता है, जो बेहद डरावना और मुश्किलों से भरा काम है क्योंकि इन दरारों के बीच जो भी चीज गिरी, वो कभी वापस नहीं लौट सकती। वैसे भी एक बार अगर इन दर्रों को पार करके निकल भी गए तो लौटते समय पुनः इन्हीं दरारों को पार करना पड़ता है। यह चढ़ाई इतनी खतरनाक होती है कि हवा के एक तेज झोंके के साथ ही पर्वतारोही संतुलन खोकर गहरी खाई में दफन हो सकता है।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक: भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

विदेश

अगले पांच साल में तापमान में होगी रिकॉर्ड वृद्धि : संयुक्त राष्ट्र

वाशिंगटन : संयुक्त राष्ट्र की नयी जलवायु रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगले पांच वर्षों के दौरान पृथ्वी का तापमान कई बार उस अंतरराष्ट्रीय सीमा से ऊपर जा सकता है, जिसे अब तक सुरक्षित माना जाता रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान पृथ्वी के सबसे गर्म वर्ष का रिकॉर्ड भी कई बार टूट सकता है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने यह भी अनुमान जताया है कि 2030 तक आर्कटिक क्षेत्र का तापमान करीब 1.66 डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है। इसके साथ ही अमेजन क्षेत्र में गंभीर सूखे और वनाग्नि का खतरा भी बढ़ सकता है। वैज्ञानिकों ने कहा कि कोयला, तेल और गैस के इस्तेमाल से बढ़ रही वैश्विक गर्मी के कारण बाढ़, सूखा और भीषण गर्मी जैसी चरम मौसमी घटनाएं अधिक होंगी। संयुक्त राष्ट्र की जलवायु एजेंसी और ब्रिटेन के मौसम विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2026 से 2030 के बीच औसत वैश्विक तापमान के औद्योगिक क्रांति से पहले के स्तर की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहने की 75 प्रतिशत आशंका है। यही वह सीमा है जिसे 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में सुरक्षित माना गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि तापमान में मामूली वृद्धि भी मौत, खतरे और जीव-जंतुओं की प्रजातियों के नुकसान का कारण बन सकती है। प्रवाल भित्तियों और ग्लेशियर जैसे कई प्राकृतिक तंत्र इस अतिरिक्त दबाव को सहन नहीं कर पाएंगे। डब्ल्यूएमओ की रिपोर्ट के अनुसार, अगले पांच वर्षों में कम से कम एक वर्ष के 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा पार करने की 91 प्रतिशत आशंका है। वहीं, 2024 में बने पृथ्वी के सबसे गर्म वर्ष के रिकॉर्ड के टूटने की आशंका 86 प्रतिशत बताई गई है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2030 तक हर वर्ष का तापमान 19वीं सदी के अंत की तुलना में 1.3 से 1.9 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। ब्रिटेन के मौसम विभाग की जलवायु वैज्ञानिक और रिपोर्ट की सह-लेखिका मेलिसा सीब्रुक ने कहा, 1.5 डिग्री सेल्सियस कोई ऐसी अंतिम सीमा नहीं है जिसके बाद सब कुछ अचानक बदल जाएगा।

ब्रिटेन में छात्र की हत्या के मामले में सिख व्यक्ति को दोषी ठहराया गया

लंदन : दक्षिण-पूर्वी इंग्लैंड में 18 वर्षीय छात्र की हत्या के मामले में बृहस्पतिवार को 23 वर्षीय एक ब्रिटिश सिख युवक को दोषी ठहराया गया। आरोपी ने दावा किया था कि उसने धार्मिक कारणों से अपने पास रखी कृपाण का इस्तेमाल आत्मरक्षा में किया था। विक्रम दिगवा को गत दिसंबर में साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय के छात्र हेनरी नोवाक की पोर्ट्सवुड में हुई हत्या का दोषी पाया गया। दिगवा की 53 वर्षीय मां किरण कौर को 'साउथेम्प्टन क्राउन कोर्ट' ने अपराधी की सहायता करने के मामले में दोषी ठहराया। न्यायाधीश विलियम मौसली ने मुकदमे को 'विशेष रूप से कठिन मामला' बताया और संकेत दिया कि दिगवा को सोमवार को और उसकी मां को 17 जुलाई को सजा सुनाई जाएगी। अभियोजक निकोलस लोबेनबर्ग ने जूरी से कहा, यह सिख धर्म का मामला नहीं है। यह नस्लवाद का मामला नहीं है।

जयशंकर ने साइप्रस के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय संबंधों और पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की

निकोसिया : विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बृहस्पतिवार को साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों तथा पश्चिम एशिया संघर्ष पर व्यापक चर्चा की। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'आज साइप्रस गणराज्य के राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलाइड्स से मुलाकात करके मुझे बहुत खुशी हुई। मैंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से उनके प्रति हार्दिक अभिवादन व्यक्त किया।' मंत्री ने कहा, 'हालिया राजकीय यात्रा के महत्वपूर्ण परिणाम निकले, जिससे हमारी साझेदारी अगले चरण में पहुंच गई है। मैंने राष्ट्रपति को मजबूत अनुवर्ती कार्रवाई का आश्वासन दिया। पश्चिम एशिया की बदलती स्थिति के साथ-साथ भूमध्यसागर में भारत के हितों पर भी चर्चा हुई।' क्रिस्टोडौलाइड्स लगभग एक सप्ताह पहले तीन-दिवसीय यात्रा पर भारत आए थे। इस यात्रा के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की, जिसके बाद दोनों पक्षों ने नवाचार, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्रों में गहन सहयोग के लिए छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए, साथ ही प्रवासन और गतिशीलता पर एक व्यापक साझेदारी को जल्द ही अंतिम रूप देने पर सहमति बनी। पश्चिम एशिया संघर्ष और यूरोप तथा व्यापक क्षेत्र से संबंधित अन्य भू-राजनीतिक मुद्दों के बीच, जयशंकर बुधवार को साइप्रस पहुंचे। वह यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों की एक अनौपचारिक बैठक (जिसे लोकप्रिय रूप से जिम्मिच कहा जाता है) में भाग लेने के लिए यहां आए हैं। प्रमुख भू-आर्थिक चुनौतियों, सुरक्षा और रणनीतिक मामलों पर चर्चा करने के लिए ये बैठकें समय-समय पर आयोजित की जाती हैं। जिम्मिच बैठक बृहस्पतिवार को आयोजित की गई।

वर्ग पहेली नं. 3453

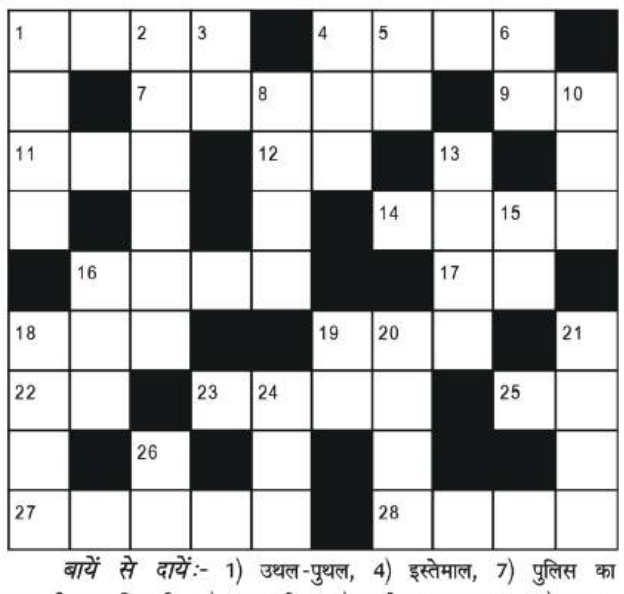

बायें से दायें:- 1) उथल-पुथल, 4) इस्तेमाल, 7) पुलिस का एक छोटा अधिकारी, 9) आमदनी, 11) समीप का स्थान, 12) दूल्हा, 14) परिणाम, 16) उपकार, 17) आश्रम, 18) गदीला, 19) बावला, 22) ऊनी चादर, 23) बहुधा, 25) ध्यान, 27) इतवार, 28) अप्रिय.

ऊपर से नीचे:- 1) किसी अप्रत्याशित घटना से घबराया हुआ, 2) रौनक, 3) अल्प मात्रा, 4) दानशील, 5) डैना, 6) प्राणियों के धड़ और सिर के बीच का अंग, 8) मग्न; तल्लीन, 10) उड़ती खबर, 13) सुगंध, 15) सबक, 16) कार्यान्विति, 18) खज़ाना, 19) निकट, 20) शेर का दहाड़ना, 21) प्रचुरता, 24) एक संतकवि, 26) अलावा. *(उत्तरः अगले अंक में)*

पिछली पहेली का उत्तर

स	रा	ह	ना	■	अ	डं	गा	■	प
पे	■	रा	म	दा	स	■	ली	ड	र
ला	ज़ि	म	■	म	म	त	■	■	स्प
■	■	का	नू	न	■	म	धु	क	र
के	स	र	■	■	ब	ड़ा	■	म	■
■	र	■	क	त्थ	क	■	कु	ल	व
मं	द	कि	नी	■	रा	व	टी	■	ल
ग	र	■	नि	■	■	म	र	द	न
ल	■	आ	का	र	ही	न	■	ढ़ी	■

Mob. No. 08329510310

सुडोकू-पहेली-3411

	3							4
		4					3	
			9				2	
				5				2
				3	8		5	
7						6		
	4	8		2				1
		1						6
		9	8		5			

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3410 का उत्तर

5	4	7	3	1	9	8	2	6
1	2	8	5	4	6	3	9	7
6	9	3	8	2	7	5	1	4
7	6	9	1	8	3	4	5	2
8	5	2	7	9	4	6	3	1
4	3	1	6	5	2	9	7	8
3	7	4	9	6	1	2	8	5
2	1	5	4	3	8	7	6	9
9	8	6	2	7	5	1	4	3

काम होगा असली मापदंड! प्रशासनिक पारदर्शिता लाने को शुभेंदु सरकार का बड़ा कदम

विभागीय सचिवों को कड़ा संदेश, काम की गति और दक्षता के आधार पर होगा मूल्यांकन

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की नई सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव लाने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। अब सरकारी अधिकारियों के लिए केवल राजनीतिक या व्यक्तिगत निष्ठा नहीं, बल्कि काम की गुणवत्ता और गति ही सबसे बड़ा मानदंड होगी। नवान्न से विभागीय सचिवों और शीर्ष अधिकारियों को इसी संबंध में कड़ा संदेश दिया गया है।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल ने विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को स्पष्ट रूप से बता दिया है कि आने वाले समय में उनकी जिम्मेदारी, पदस्थापन और प्रशासनिक भूमिका काफी हद तक उनके कामकाज के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। सरकार अब हर विभाग की कार्यक्षमता की नियमित समीक्षा करने जा रही है।

सूत्रों का कहना है कि नई सरकार के गठन के बाद कई नई योजनाएं और परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इन योजनाओं को कितनी तेजी से लागू किया जा रहा है, काम कितनी सटीकता से पूरा हो रहा है और आम लोगों तक सरकारी सेवाएं पहुंचने में कितना समय लग रहा है – अब इन सभी पहलुओं पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।

राज्य प्रशासन के भीतर यह स्पष्ट संकेत दिया गया है कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही, देरी या ढिलाई अब किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रत्येक विभाग के सचिवों और वरिष्ठ अधिकारियों के कार्य प्रदर्शन का अलग-अलग मूल्यांकन किया जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक, केवल मुख्य सचिव ही नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी अगले दो से तीन सप्ताह के भीतर विभिन्न विभागों के कामकाज की सीधे समीक्षा कर सकते हैं। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री खुद परियोजनाओं की प्रगति, प्रशासनिक जवाबदेही और सेवा वितरण की स्थिति का आकलन करेंगे।

सरकारी सूत्रों का कहना है कि नई व्यवस्था का उद्देश्य प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्य संस्कृति को मजबूत करना है। सरकार चाहती है कि अधिकारी राजनीतिक प्रभाव से ऊपर उठकर केवल जनता के हित और प्रशासनिक दक्षता को प्राथमिकता दें।

राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में इस कदम को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। माना जा रहा है कि इससे राज्य प्रशासन में जवाबदेही बढ़ेगी और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी।

भड़काऊ बयान मामले में अभिषेक बनर्जी के खिलाफ भवानीपुर थाने में शिकायत दर्ज

कोलकाता, समाज्ञा

तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी के खिलाफ उनके सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर शिकायत दर्ज की गयी है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि इस पोस्ट से सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता है। एक पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। यह शिकायत भवानीपुर थाने में अर्नब कांति दास नामक व्यक्ति द्वारा दर्ज कराई गई, जिन्होंने डायमंड हार्बर से सांसद बनर्जी की पोस्ट को 'बेहद गैर-जिम्मेदाराना' बताया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि दो मई को किए गए सोशल मीडिया पोस्ट की एक प्रति भी पुलिस को सौंपी गई है, जिसके बाद प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमें शिकायत प्राप्त हुई है और उसमें लगाए गए आरोपों की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। जांच के निष्कर्षों के आधार पर आवश्यक कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

कोलकाता पुलिस को दिल्ली पुलिस के स्तर पर आधुनिक बनाने की पहल

❑ पांच सदस्यीय विशेष समिति का गठन, आईपीएस नीलांजन विश्वास करेंगे अगुवाई

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता पुलिस को दिल्ली पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों के स्तर तक आधुनिक बनाने की दिशा में लालबाजार (पुलिस मुख्यालय) ने बड़ा कदम उठाया है। पुलिस आयुक्त अजय नंद ने पांच सदस्यीय विशेष समिति का गठन किया है, जिसकी अगुवाई संयुक्त आयुक्त (संगठन) आईपीएस नीलांजन विश्वास करेंगे। यह समिति शहर में कानून-व्यवस्था और संभावित हिंसक स्थितियों से निपटने के लिए पुलिस की मौजूदा तैयारी का विस्तृत आकलन करेगी। निर्देश के अनुसार समिति को हेलमेट, ढाल, लाठी, बॉडी आर्मर, रबर बुलेट, आंसू गैस और अन्य गैर-घातक हथियारों की उपलब्धता और गुणवत्ता की जांच करनी होगी। जल तोप जैसे उपकरणों की स्थिति भी परखी जाएगी। साथ ही, दिल्ली पुलिस, सीआरपीएफ और अन्य केंद्रीय बलों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे आधुनिक उपकरणों से तुलना कर कमियों की रिपोर्ट तैयार करनी होगी। पुलिस मुख्यालय ने हालांकि इस पहल के पीछे की वजह सार्वजनिक नहीं की है, लेकिन सूत्रों का मानना है कि हाल में पार्क सर्कस इलाके में बुलडोजर कार्रवाई के विरोध के दौरान भड़की हिंसा ने प्रशासन को सतर्क कर दिया है। उस दौरान पुलिस पर पथराव हुआ था और हालात संभालने के लिए केंद्रीय बलों की मदद लेनी पड़ी थी। इसी अनुभव के बाद अब लालबाजार भविष्य में किसी भी बड़े विरोध प्रदर्शन या शहरी अशांति से निपटने के लिए अपनी तैयारियों को और मजबूत करना चाहता है। समिति की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस बल के आधुनिकीकरण की अगली रणनीति तय की जाएगी।

रविवार को आठ घंटे के लिए बंद रहेगा विद्यासागर सेतु

कोलकाता, समाज्ञा : रखरखाव कार्य के लिए रविवार को द्वितीय हुगली सेतु (विद्यासागर सेतु) आठ घंटे के लिए बंद रहेगा। उस दिन, सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक इस पुल पर सभी प्रकार के यातायात को पूरी तरह से बंद करने का निर्णय लिया गया है। गुरुवार को प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पुल का आपातकालीन स्वास्थ्य जांच और केबल और अन्य यांत्रिक बुनियादी ढांचे के मरम्मत के लिए अस्थायी प्रतिबंध लगाया गया है। आठ घंटे के इस पुल के बंद होने के कारण कोलकाता और हावड़ा के बीच यात्रा करने वाले आम लोगों को वैकल्पिक मार्ग लेने या निवेदिता सेतु और हावड़ा पुल का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

The Calcutta Electric Traders Association
55, Ezra Street, 2nd Floor, Kolkata - 700001
feels proud to felicitate

To be held on 29th May, 2026 (Friday) at 2 P. M.
At CETA Hall, 55, Ezra Street, 2nd Floor, Kolkata - 700001

Jitendra Surana (Jitu) — President
Kamal Kr. Surana — Vice-President
Alok Kr. Singh — Hony. Secretary
Raj Kr. Bardla — Treasurer
Avinash Verma — Jt. Secretary
Dilip Kr. Marodia — Convenor, Public Relation
Vinod Kr. Singh — Convenor, Skill Development

COURTESY
ARVIND TIWARY BABA
EX SECRETARY
THE CALCUTTA ELECTRIC TRADERS ASSOCIATION
EX PRESIDENT (4 TERMS)
CALCUTTA ELECTRIC DEALERS ASSOCIATION

राष्ट्रीय संत सुरक्षा अभियान

अहिंसा मौन रैली

साधर्मी महानुभावों,
२० मई २०२६ को मध्यप्रदेश के रीवा जिले में दिगम्बर जैन आर्यिका संघ की पूज्य आर्यिका उपशममति माताजी एवं आर्यिका श्रुतमति माताजी के साथ अत्यंत दुखद सड़क दुर्घटना हुई। पिछले कई सालों में पद विहार के दौरान अहिंसा के पथिक संतों पर ऐसी घटनाएँ कई बार हो चुकी हैं। ऐसी घटनाओं के विरोध एवं संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु कोलकाता एवं उपनगरीय क्षेत्रों के जैन समुदाय द्वारा एक विशाल अहिंसा मौन रैली का आयोजन किया गया है।

आप सभी साधर्मी परिवारों से अनुरोध है कि अधिकाधिक संख्या में इस मौन रैली में सम्मिलित होकर सामाजिक एकता एवं जिम्मेदारी सहित अपना कर्त्तव्य निभायें।।

शनिवार
30 मई 2026
प्रातः 7:30 बजे

अहिंसा मौन रैली प्रारंभ स्थल
श्री दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर,
1, बैशाक लेन, बड़ाबाजार, कोलकाता - 7

निवेदक
सकल जैन समाज कोलकाता
संयोजक
पुष्पांजली परिवार

प्रचार सौजन्य से
श्री धन्नालाल भागचन्द काला (जेके मसाले) ● श्री विनोद-किरण काला ● श्री दानमल अजित कुमार पाण्ड्या (बाहुबली ग्रुप) ● श्रीमती क्षमावती देवी राजेन्द्र रोहित गंगवाल
श्री झूमरमल पुष्पा देवी पाटनी (ओनाया) ● श्री मोहनलाल विकास कुमार अयांश सेठी ● श्री हुकमचन्द धनकुमार पाटनी ● श्री निर्मल - पुष्पा बिन्दायका (एवरग्रीन)
श्री महावीर कुमार सुशीला देवी बड़जात्या (सीटको ग्रुप) ● श्री महेन्द्र कुमार हर्ष पाण्ड्या ● श्री रमेश कुमार अनिल कुमार सरावगी ● श्री दिनेश कुमार सर्वेश अखिलेश पाटनी ● मेसर्स भारत ट्रेडर्स
श्री पवन कुमार सुमित कुमार सन्नी कुमार मोदी ● श्री महावीर प्रसाद संजय कुमार सौरभ काला ● श्री पारसमल राकेश कुमार जितेश कुमार झांझरी ● श्री कमलनयन - रश्मि दिव्यांश जैन
श्री विजय कुमार संतोषी देवी पाटनी ● श्री फूलचन्द बीरेन्द्र कुमार गंगवाल ● श्रीमती देवी अशोक अजित अनिल सुरेश सेठी ● श्री राजेश-सरिता कासलीवाल ● सेनिको इण्डिया डिस्ट्रिव्यूटर्स प्रा० लि०
श्री धर्मचन्द पंकज कुमार प्रवीण मोदी ● श्री सुनील - सुधा पहाड़िया ● श्री ज्ञानेन्द्र - सुनीता अतिशय पाटनी ● श्री नारगरमल मनोज कुमार कमल कुमार बड़जात्या ● श्री सागर संजय आयुष जैन सीए
श्रीमती अनिता - कमल, नेहा-विशाल काला (बंगवासी) ● श्री राजेश-मधु छाबड़ा (नलबाड़ी) ● श्री राजेन्द्र-सोनिया पाण्ड्या ● श्री धर्मचन्द संजय कुमार सेठी

सुरक्षित संत ... सुरक्षित समाज ... यही हमारा प्रयास

तृणमूल कांग्रेस के हार के बाद नेताओं के इस्तीफों का दौर जारी

शांतनु सेन ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से दिया इस्तीफा

❑ **आरजी कर समेत भ्रष्टाचार मामलों पर पार्टी पर साधा निशाना**

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व राज्यसभा सदस्य व तृणमूल कांग्रेस नेता शांतनु सेन ने गुरुवार को पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने आरजी कर दुष्कर्म और हत्या मामले तथा संस्थान से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर पार्टी की कड़ी आलोचना की और चुनाव में मिली हार को 'अनैतिक तौर तरीकों' की सार्वजनिक अस्वीकृति बताया। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के पार्षद शांतनु सेन ने तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी को अपना इस्तीफा सौंपते हुए कहा कि वह विधानसभा चुनावों में जनादेश का सम्मान करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे रहे हैं। डॉक्टर से नेता बने सेन ने ममता को लिखे पत्र में कहा कि जनता के फैसले को स्वीकार करते हुए, मैंने राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद से इस्तीफा देने का निर्णय लिया है। हालांकि, सेन ने पार्टी नहीं छोड़ी है। पत्र में सेन ने कहा कि तृणमूल की स्थापना के बाद से एक 'वफादार सिपाही' होने के बावजूद, पार्टी से जुड़े विवादों का सार्वजनिक रूप से बचाव करना अब उन्हें नैतिक रूप से ठीक नहीं लगता। उन्होंने लिखा कि कई मुश्किल परिस्थितियों में, जब मेरी अंतरात्मा भी सहमत नहीं थी, तब भी मैंने टेलीविजन पर बहस और मीडिया मंचों पर सार्वजनिक रूप से पार्टी का पक्ष रखा और इसके लिए मुझे आम लोगों की आलोचना का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि लेकिन अब, जब आरजी कर घटना, नौकरी घोटाले और विभिन्न अनैतिक कार्यों व भ्रष्टाचार के कारण लोगों ने हमें नकार दिया है, तो मेरी अंतरात्मा मुझे प्रवक्ता के रूप में इन बातों का समर्थन करने की अनुमति नहीं देती।

❑ **अरूप चक्रवर्ती ने छोड़ा प्रवक्ता का पद**

तृणमूल कांग्रेस के पार्षद अरूप चक्रवर्ती ने गुरुवार को पार्टी प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पार्टी नेतृत्व को भेजे एक ईमेल में व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पद छोड़ने की जानकारी दी। इस दिन, दोपहर करीब एक बजे अरूप चक्रवर्ती ने तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी को संबोधित ईमेल भेजकर पार्टी प्रवक्ता पद से इस्तीफे की घोषणा की। अपने इस्तीफे में अरूप चक्रवर्ती ने लिखा कि पार्टी की ओर से उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई थी, उसके लिए वह नेतृत्व के प्रति आभारी हैं। उन्होंने कहा कि प्रवक्ता के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने हमेशा पार्टी की विचारधारा, मूल्यों और सिद्धांतों को जनता और मीडिया के सामने रखने का प्रयास किया।

टेंगरा में तृणमूल कार्यालय से बड़ी संख्या में आधार कार्ड बरामद, स्थानीय लोगों ने उठाए सवाल

कोलकाता, समाज्ञा : महानगर के टेंगरा इलाके में एक तृणमूल कांग्रेस कार्यालय से बड़ी संख्या में आधार कार्ड बरामद होने का मामला सामने आया है, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, ईस्ट कुलिया रोड स्थित यह पार्टी कार्यालय विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने (चार मई) के बाद से बंद पड़ा था। गुरुवार को कुछ स्थानीय लोगों ने कार्यालय का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां एक अलमारी में आधार कार्ड रखे हुए पाए गए। बताया जा रहा है कि यह पार्टी कार्यालय बेलेघाटा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है और पहले इसे तृणमूल नेता जीवन कुमार साहा द्वारा उपयोग किया जाता था। कार्यालय के भीतर आधार कार्ड मिलने की सूचना पाकर मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि उनके पास पहले से ही मूल आधार कार्ड मौजूद है, जबकि कुछ ने आरोप लगाया कि आवेदन प्रक्रिया पूरी करने के बावजूद उन्हें कार्ड प्राप्त नहीं हुए हैं। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, इस पूरे प्रकरण पर तृणमूल कांग्रेस की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

ममता के आवास पर रविवार को तृणमूल विधायक दल की बैठक

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा चुनाव में सत्ता गंवाने के बाद तृणमूल कांग्रेस अब अपने विधायकों को एकजुट बनाए रखने की चुनौती से जूझ रही है। इसी पृष्ठभूमि में विधानसभा में तृणमूल विधायक दल के नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने रविवार को पार्टी विधायकों की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। यह बैठक पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास पर आयोजित होगी, जिसमें सभी विधायकों की उपस्थिति अनिवार्य बताई गई है। शोभनदेव ने कहा कि उन्होंने ममता बनर्जी से भी बैठक में मौजूद रहकर विधायकों का मार्गदर्शन करने का अनुरोध किया है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि रविवार की बैठक में विपक्ष के अधिकारों, विधायकों के लिए कक्ष आवंटन और आगामी राजनीतिक रणनीति पर चर्चा होगी। साथ ही, दल-बदल की संभावनाओं को रोकने और संगठनात्मक एकजुटता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

पानागढ़ स्टेशन पर अत्याधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली शुरू, ट्रेन संचालन होगा तेज और सुरक्षित

आसनसोल : पूर्व रेलवे ने पानागढ़ स्टेशन पर अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिग्नलिंग प्रणाली शुरू की है। यह उन्नयन पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देऊस्कर के नेतृत्व तथा आसनसोल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक संग्रह मौर्य के मार्गदर्शन में पूरा किया गया। नई प्रणाली को 27 मई को सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग ने सफलतापूर्वक चालू किया। नई डिजिटल व्यवस्था से मानवीय त्रुटियां कम होंगी, ट्रेनों का संचालन तेज़ और सुरक्षित बनेगा तथा सड़क यातायात में भी सुधार होगा। गेट संख्या 102/एसपीएल/टी और 103/एसपीएल/टी को इलेक्ट्रिकल लिफ्टिंग बैरियर में बदला गया है, जबकि 104/सी/टी फाटक हटाया गया है। मैटिक्स फर्टिलाइजर्स और न्यूविस्टास कॉर्पोरेशन लिमिटेड जैसे उद्योगों को भी इसका लाभ मिलेगा। नई प्रणाली से ट्रेन शंटिंग में लगभग तीन घंटे की बचत होगी। पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझि ने कहा कि यह परियोजना भारतीय रेल को अधिक सुरक्षित, तेज़ और कुशल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

आईएसआई कोलकाता में अंतरराष्ट्रीय सांख्यिकी शिक्षा केंद्र का 77वां दीक्षांत समारोह आयोजित

कोलकाता : भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई) के सहयोगी संस्थान इंटरनेशनल स्टैटिस्टिकल एजुकेशन सेंटर (आईएसईसी) का 77वां दीक्षांत समारोह गुरुवार को आईएसआई, कोलकाता में आयोजित किया गया। समारोह में फिजी, श्रीलंका, म्यांमार, गाम्बिया और जिम्बाब्वे सहित कई देशों के प्रशिक्षुओं को सांख्यिकीय सिद्धांत एवं अनुप्रयोग में डिप्लोमा प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन आईएसईसी के निदेशक मंडल के अध्यक्ष प्रो. एस. पी. मुखर्जी ने किया। आईएसआई के निदेशक प्रो. अमर्त्य कुमार दत्ता ने स्वागत भाषण दिया और प्रशिक्षुओं को डिप्लोमा प्रदान किए। आईएसईसी के कार्यवाहक सदस्य सचिव प्रो. अयानेंद्रनाथ बसु ने संस्थान की वार्षिक गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

समारोह के मुख्य अतिथि पद्मश्री सम्मानित प्रो. बिमल कुमार राय थे, जो राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग के पूर्व अध्यक्ष और आईएसआई के पूर्व निदेशक रह चुके हैं। उन्होंने अपने संबोधन में शासन और नीतिनिर्माण में आंकड़ों के नैतिक और जिम्मेदार उपयोग के महत्व पर जोर दिया।

प्रो. राय ने कहा कि सांख्यिकी का उपयोग लोगों के हित में निर्णय लेने के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा, अच्छे आंकड़ों और सही विश्लेषण के बिना कोई भी सरकार अंधेरे में चलती है।

उन्होंने सांख्यिकीय निष्कर्षों की सही व्याख्या पर बल देते हुए कहा कि सहसंबंध हमेशा कारण नहीं होता। साथ ही उन्होंने डेटा उपयोग के दौरान गोपनीयता और जनविश्वास बनाए रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

उल्लेखनीय है कि आईएसईसी की स्थापना वर्ष 1950 में प्रसिद्ध सांख्यिकीविद् प्रो. पी.सी. महालनोबिस की पहल पर की गई थी। भारत सरकार के सहयोग से यह संस्थान एशिया, अफ्रीका और अन्य क्षेत्रों के प्रतिभागियों को सांख्यिकी में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करता है। अब तक 86 देशों के 1,746 से अधिक प्रशिक्षु यहां से डिप्लोमा प्राप्त कर चुके हैं।

जय हिंद विमानबंदर मेट्रो स्टेशन पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण

कोलकाता : एयरपोर्ट के निकट स्थित जय हिंद विमानबंदर मेट्रो स्टेशन परिसर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 12 फुट ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। इस प्रतिमा का अनावरण मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक श्री शुभ्रांशु एस. मिश्रा ने 27 मई को किया। कांच फाइबर और विशेष चिपकने वाली सामग्री से तैयार इस प्रतिमा को बारासात के स्थानीय कलाकारों ने आकर्षक ढंग से रंगों से सजाया है। प्रतिमा को स्टेशन के ऊपरी हिस्से में विकसित सुंदर उद्यान में स्थापित किया गया है, जिससे पूरे परिसर की सौंदर्यता और बढ़ गई है। मेट्रो रेलवे की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह प्रतिमा महान स्वतंत्रता सेनानी और राष्ट्रीय नायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि स्वरूप स्थापित की गई है। यह पहल आधुनिक शहरी ढांचे के साथ कला, संस्कृति और देशभक्ति के समन्वय का प्रतीक है। स्टेशन परिसर में विकसित शांत और हरित उद्यान के बीच स्थापित यह प्रतिमा यात्रियों और आगंतुकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई है। साथ ही इस पहल के माध्यम से बारासात के स्थानीय कलाकारों की प्रतिभा और शिल्पकला को भी प्रोत्साहन मिला है। मेट्रो अधिकारियों के अनुसार, आने वाले समय में यह स्थान शहर के प्रमुख सांस्कृतिक और देशभक्ति प्रतीकों में शामिल हो सकता है।

कोलकाता एयरपोर्ट के विस्तार के लिए मस्जिद हटाने की तैयारी

❑ **बढ़ेगी क्षमता, सुरक्षा भी होगी मजबूत**

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को एक नया जीवनदान मिलने जा रहा है। विमानन विशेषज्ञों के अनुसार, रनवे के छोर पर स्थित मस्जिद को स्थानांतरित करने से एयरपोर्ट की क्षमता को अगले 10 वर्षों के लिए बढ़ाया जा सकेगा। वर्तमान में, नागरिक उड्डयन मंत्रालय और राज्य सरकार सुरक्षा कारणों का हवाला देकर इस विस्तापन की वकालत कर रहे हैं। अधिकारियों का मानना है कि जो एयरपोर्ट साल 2035 तक पूरी तरह से संतृप्त (सैचुरेटेड) होने वाला है, उसे इस कदम से 2045 तक चालू रखा जा सकेगा। एक अनुमान के मुताबिक, साल 2035 तक दैनिक विमानों की संख्या 174 से बढ़कर 351 और सालाना यात्री संख्या 2.5 करोड़ से बढ़कर 5.6 करोड़ हो जाएगी। यात्रियों के लिए नया टर्मिनल तो बन जाएगा, लेकिन असली चुनौती रनवे की है। फिलहाल, मुख्य रनवे से प्रति घंटे 42 उड़ानें संचालित होती हैं, जबकि रखरखाव के दौरान सेकेंडरी रनवे पर यह क्षमता घटकर 27 रह जाती है। मस्जिद के हटने से सेकेंडरी रनवे की लंबाई का पूरा इस्तेमाल होगा, जिससे औसत क्षमता 33 से बढ़कर 43 उड़ान प्रति घंटा हो जाएगी। इससे प्रतिदिन 120 अतिरिक्त उड़ानें और सालाना 65 लाख नए यात्रियों को संभालने की जगह बनेगी। यह विस्थापन केवल विस्तार के लिए नहीं, बल्कि सुरक्षा के लिहाज से भी अनिवार्य है। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार, रनवे के अंत में 240 मीटर का 'रनवे एंड सेफ्टी एरिया' (आरईएसए) खाली होना चाहिए, लेकिन यह मस्जिद महज 160 मीटर की दूरी पर है। इस वजह से बड़े विमान यहां लैंड नहीं कर पाते। चूंकि, यह मस्जिद हवाई अड्डे के निर्माण से भी पहले की है, इसलिए प्रशासन अब मस्जिद अधिकारियों को विश्वास में लेकर सम्मानजनक रूप से एक वैकल्पिक स्थान पर नई मस्जिद निर्माण के साथ इस शिफ्टिंग को अमलीजामा पहनाने की तैयारी में है।

अवैध घुसपैठियों के लिए बनाए गए होल्डिंग सेंटर में भोजन और चिकित्सा की विशेष व्यवस्था

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य सरकार ने अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए बनाए गए अस्थायी होल्डिंग सेंटरों में भोजन, और इलाज की व्यापक व्यवस्था की है। राज्य प्रशासन का कहना है कि सीमा सुरक्षा बल को सौंपे जाने से पहले इन घुसपैठियों को मानवीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। नवान्न के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, नई राज्य सरकार की नीति के तहत अवैध घुसपैठियों को पहले होल्डिंग सेंटर में रखा जा रहा है। इसके बाद, उन्हें सीमा सुरक्षा बल की नजदीकी सीमा चौकियों को सौंपा जाएगा, जहां से उन्हें वापस उनके देश भेजा जाएगा। सरकार ने होल्डिंग सेंटरों में कई सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। प्रत्येक कमरे में कई छत पंखे लगाए गए हैं। भोजन में चावल, रोटी, मछली, मांस और अंडा दिया जा रहा है। बच्चों को दिन में चार बार दूध और शिशु आहार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा, नए कपड़े, साबुन और शैंपू भी दिए जा रहे हैं। जिला पुलिस और नागरिक प्रशासन संयुक्त रूप से इसकी देखरेख कर रहे हैं। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को खाना बनाने की जिम्मेदारी दी गई है और दिन में चार बार भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। केंद्र के आसपास तीन पुलिस अधिकारी, एक दर्जन पुलिस कर्मी और कई नागरिक स्वयंसेवक तैनात हैं। नागरिक सुरक्षा कर्मी भी वहां मौजूद हैं। पूरे इलाके में रात्रि के समय रोशनी के लिए हैलोजन लाइटें लगाई गई हैं तथा निगरानी के लिए बंद परिपथ कैमरे लगाए गए हैं।

गिरफ्तारी को चुनौती देने हाई कोर्ट पहुंचे सुजीत बोस, आज हो सकती है सुनवाई

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के पूर्व अग्निशमन व आपातकालीन सेवा विभाग के मंत्री और तृणमूल कांग्रेस नेता सुजीत बोस ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। बता दें कि नगरपालिका भर्ती घोटाले में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में हैं। अब उन्होंने अपने वकील के माध्यम से ईडी की कार्रवाई के खिलाफ याचिका दायर की है, जिस पर शुक्रवार को न्यायमूर्ति शंपा दत्त पाल की अदालत में सुनवाई हो सकती है। उल्लेखनीय है कि सुजीत बोस लंबे समय से नगरपालिका भर्ती भ्रष्टाचार मामले में ईडी की जांच के दायरे में थे। उन पर पैसों के बदले नौकरी दिलाने का आरोप है। जांच एजेंसी ने उन्हें विधानसभा चुनाव के दौरान कई बार पूछताछ के लिए नोटिस भेजा था। उस समय उन्होंने चुनाव प्रचार में व्यस्त होने का हवाला देकर हाई कोर्ट से राहत मांगी थी और अदालत के निर्देश के अनुसार चुनावी प्रक्रिया के दौरान ईडी के समक्ष पेश होने से बचते रहे। हालांकि, चुनाव समाप्त होते ही बोस पूछताछ के लिए एजेंसी के सामने उपस्थित हुए। ईडी ने उनसे कई दौर की पूछताछ की और उनके घर व दफ्तर में तलाशी भी ली। इसके बाद, 11 मई को लंबी पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। ईडी का दावा है कि दक्षिण दमदम नगरपालिका में सौ से अधिक उम्मीदवारों के नाम अवैध तरीके से नौकरी के लिए आगे बढ़ाए गए थे और इस प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर पैसों का लेनदेन हुआ। एजेंसी अब सुजीत बोस के बैंक खातों और वित्तीय लेनदेन की जांच कर रही है।

कोका-कोला और गूगल ने जेमिनाई एक्सपीरिएंस के साथ बदला 'कोक ब्रेक' का अंदाज

कोलकाता, समाज्ञा : कोका-कोला इंडिया ने ग्राहकों के आराम के पलों को और भी मजेदार बनाने के लिए एक अनोखा कोका-कोला हाफटाइम सरप्राइज एक्सपीरियंस शुरू किया है। एआई आधारित यह नया अनुभव गूगल के सहयोग में गूगल जेमिनाई की मदद से बनाया गया है। दो बड़े ब्रांड्स के साथ आने से ग्राहकों को तीन अलग-अलग एआई सफर का अनुभव मिलेगा। जेमिनाई के कैनवास फीचर की मदद से हर बार नया और अलग अनुभव मिलेगा। यूजर्स खुद को कभी फिल्मी कहानी का हिस्सा, कभी डायनासोर के दौर में, तो कभी भविष्य की दुनिया में देख सकेंगे। ग्रीष्मा सिंह, वाइस प्रेसिडेंट, मार्केटिंग, कोका-कोला इंडिया और साउथवेस्ट एशिया ने कहा कि आज के जेन-ज़ी युवाओं के लिए के लिए अपनी बात कहना और अपनी पसंद दिखाना बहुत आसान और विजुअल हो गया है, जो म्यूजिक और इंटरनेट की दुनिया से गहराई से जुड़ा है।

समपार फाटकों पर खतरा खत्म करने में जुटा पूर्व रेलवे

कोलकाता : पूर्व रेलवे समपार फाटकों से होने वाली दुर्घटनाओं और यातायात बाधाओं को खत्म करने के लिए बड़े स्तर पर रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) और रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) का निर्माण कर रहा है। रेलवे के अनुसार अब तक 579 आरयूबी और 207 आरओबी चालू किए जा चुके हैं या निर्माणाधीन हैं। पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देऊस्कर के नेतृत्व में यह अभियान तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। हावड़ा मंडल में सर्वाधिक 244 आरयूबी और 53 आरओबी बनाए गए हैं। सियालदह मंडल में 119 आरयूबी और 37 आरओबी, मालदा मंडल में 112 आरयूबी और 50 आरओबी तथा आसनसोल मंडल में 104 आरयूबी और 67 आरओबी विकसित किए गए हैं। पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझि ने कहा कि प्रत्येक आरओबी और आरयूबी जनता से किया गया सुरक्षा का वादा है। उन्होंने कहा कि रेलवे केवल पुल नहीं बना रहा, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा, तेज़ आवागमन और निर्बाध यातायात सुनिश्चित कर रहा है। रेलवे का लक्ष्य पूरे नेटवर्क को दुर्घटनामुक्त बनाना है।

जय श्री श्याम सेवा संघ ने किया विधायक विजय ओझा का अभिनंदन

हावड़ा, समाज्ञा : 'अब किसी से डरने की जरूरत नहीं, आप भयमुक्त होकर अपना व्यापार करिये और अगर कहीं कोई परेशानी हो तो सीधे हमसे सम्पर्क करें।' यह बातें जोड़ासांको के नव-निर्वाचित विधायक विजय ओझा ने लगभग 40 वर्ष पुरानी धर्मनिष्ठ श्याम प्रेमी संस्था जय श्री श्याम सेवा संघ की ओर से वरिष्ठ भाजपा नेता पार्षद मीना देवी पुरोहित की विशेष उपस्थिति में बड़ाबाजार के जगमोहन मल्लिक लेन स्थित सेवा संघ सभागार में आयोजित एकादशी संकीर्तन व अभिनंदन समारोह में उपस्थित श्याम भक्तों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि जो लोग भयवश यहां से पलायन कर गये थे उनसे मेरा अनुरोध है कि आप वापस आयें और निर्भर निडर होकर फिर से यहां पर अपना व्यापार-कारोबार, जीवनयापन करें। विधायक ओझा ने कहा कि आपको जो देना था वो आपने 29 अप्रैल को हमें दे दिया और अब 1825 दिनों के लिए हम आपके लिए हरदम हरपल तैयार हैं। मीना देवी पुरोहित ने कहा कि यह जीत हमारी नहीं आपकी है और यह सरकार भी आपकी है, आपकी हर सुख-सुविधा सरकार की प्राथमिकता है। स्वागत भाषण देते हुए श्री सेवा संघ के वरिष्ठ सदस्य बनवारी लाल हरभजनका ने दोनों नेताओं के सेवाभावी व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। मीना देवी पुरोहित का सम्मान सेवा संघ की नारी शक्ति संतोष धानुका, ममता भुवालका और विधायक विजय ओझा का सम्मान कमल मानपुरिया, श्याम सुन्दर सराफ, गोपाल जैन, नीतेश झुनझुनवाला व सुमित जैन ने दुपट्टा, माला पहनाकर, मोमेंटो भेंटकर व शॉल ओढ़ाकर किया। पूरे कार्यक्रम का भावपूर्ण संचालन सेवा संघ के प्रचार प्रभारी सुरेश कुमार भुवालका ने किया। आयोजन की सफलता में सेवा संघ परिवार के सभी सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।

तपती गर्मी से थोड़ी राहत के लिए हीरावत परिवार की तरफ से स्व. गीता देवी हीरावत की पुण्य स्मृति में बिनायक एनक्लेव के मुख्य द्वार पर राहगीरों में शरबत वितरण के कार्यक्रम में के सी हीरावत, मंजू देवी हीरावत, राकेश हीरावत, अजय हीरावत, आयुष हीरावत, हार्दिक हीरावत, जतिन धारीवाल, रवि वैद, संतोष हीरावत, महाबीर सिपानी, गौतम सिपानी, गौतम चिंडालिया, पीयूष हीरावत और संजय जायसवाल।

कोलकाता में खाटू धाम से पधारे श्याम रत्न पप्पू शर्मा (खाटू वाले) का श्री श्याम मंदिर आलमबाजार एवं श्री श्याम अग्रवाल (एससीआई) की ओर से भक्तिभाव एवं प्रेमपूर्वक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया

स्कूल के समर कैंप में हादसा, स्विमिंग के दौरान छात्र की डूबकर मौत

आसनसोल : आसनसोल के प्रतिष्ठित सेंट विंसेंट स्कूल में समर कैंप के दौरान हुई एक दर्दनाक घटना ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। स्विमिंग ट्रेनिंग के दौरान छठी कक्षा के छात्र अद्विवक की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद स्कूल परिसर से लेकर अस्पताल तक शोक और अफरा-तफरी का माहौल देखा गया। जानकारी के अनुसार, लोअर चलीडंगा निवासी अद्रिक स्कूल के समर कैंप में हिस्सा लेने पहुंचा था। गुरुवार की सुबह अन्य बच्चों के साथ वह स्विमिंग पूल में अभ्यास कर रहा था। इसी दौरान अचानक वह पानी में डूबने लगा। वहां मौजूद प्रशिक्षकों और कर्मचारियों ने तुरंत उसे बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर फैलते ही परिजन और स्थानीय लोग अस्पताल पहुंच गए। बेटे की मौत की खबर सुनकर परिवार पूरी तरह टूट गया। स्कूल प्रशासन ने भी घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। आसनसोल साउथ थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। स्कूल प्रशासन से पूरी रिपोर्ट मांगी गई है और यह जांच की जा रही है कि स्विमिंग के दौरान तय सुरक्षा नियमों का पालन हुआ था या नहीं। फिलहाल, स्कूल ने समर कैंप स्थगित कर दिया है। घटना के बाद जिला प्रशासन भी सतर्क हो गया है। सूत्रों के अनुसार, जिले के स्कूलों और क्लबों में मौजूद स्विमिंग पूलों की सुरक्षा व्यवस्था की जांच कराने पर विचार किया जा रहा है, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं को रोका जा सके।

जैक्सन लेन की कार्रवाई से स्थानीय लोग खुश, नियमित अभियान चलाने की मांग

अरुण गुप्ता

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद नवगठित भाजपा सरकार कोलकाता समेत राज्यभर में अवैध कब्जे को मुक्त कराने की पहल कर रही है। इस कार्रवाई के तहत कोलकाता में पहले ही कई इलाकों में अवैध निर्माण व कब्जे को मुक्त कराया जा रहा है। इसी कड़ी में, उत्तर कोलकाता के जैक्सन लेन में भी सरकार ने बड़ी पहल की है। यहां भी अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारु हुई और आम लोगों को राहत मिली। अधिकारियों ने लोगों से सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न करने की अपील भी की। इस कार्रवाई पर समाज्ञा की टीम ने स्थानीय दुकानदारों एवं लोगों बात की और उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उनका कहना है कि लंबे समय से सड़क किनारे अतिक्रमण के कारण जाम और आवागमन में परेशानी हो रही थी। अभियान के बाद सड़क खुली है, जिससे यातायात व्यवस्था बेहतर हुई है। उन्होंने प्रशासन के इस कदम की सराहना करते हुए नियमित रूप से ऐसे अभियान चलाने की मांग की।

उमेश कुमार यादव ने कहा कि सरकार ने अच्छा काम किया है। और यह लगातार जारी रहना चाहिए

नरेश कुमार साव ने कहा कि सरकार ने अच्छा काम किया है। इस कार्रवाई से सड़कों की भी लगातार सफाई होती रहेगी।

नवीन कार्ड एजेंसी के मालिक ने कहा कि सरकार ने अच्छा काम किया है। लेकिन, अभी भी वहां अत्यधिक गाड़ियों की पार्किंग हो रही है, जिससे आम लोगों के साथ-साथ ग्राहकों के आवाजाही में बाधा उत्पन्न हो रही है। सरकार को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए।

रमेश साव ने कहा कि सरकार ने अच्छा काम किया है। लेकिन, इस कार्रवाई से गरीब लोगों को काफी परेशानी हो रही है सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए।

दिनेश पेपर के मालिक ने कहा कि सरकार ने अच्छा काम किया है। लेकिन इसे बनाए रखा होगा।

वहीं, दूसरी तरफ, नाम नहीं छापने के शर्त पर कुछ स्थानीय दुकानदारों ने इस कार्रवाई को दुर्भाग्यपूर्ण कहा और गलत बताया।

रेड रोड की बजाय ब्रिगेड मैदान में हुई ईद-उल-अजहा की नमाज

❑ **सड़कों पर नमाज पर प्रतिबंध के कारण बदलाव**

कोलकाता, समाज्ञा : बकरीद पर कोलकाता में वर्षों से चला आ रहा एक चलन इस बार बदल गया। राज्य में नवगठित भाजपा सरकार द्वारा सड़कों पर नमाज पढ़ने पर हाल में प्रतिबंध लगाए जाने के बाद यह बदलाव किया गया। गुरुवार को पहली बार विशाल ब्रिगेड मैदान में आयोजित मुख्य नमाज में कोलकाता समेत विभिन्न जिलों से मुस्लिम समुदाय के हजारों लोग शामिल हुए। मालूम हो कि सेना की अनुमति से हर साल रेड रोड पर ही बकरीद और ईद की सबसे बड़ी सामूहिक नमाज आयोजित होती रही। यह आयोजन बंगाल ही नहीं, बल्कि पूर्वी भारत की सबसे बड़ी धार्मिक सभाओं में माना जाता है, जहां हर वर्ष मुस्लिम समुदाय के हजारों लोग जुटते रहे हैं। राज्य सरकार के नए निर्देशों के तहत इस बार सड़कों पर नमाज की अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद, सेना की अनुमति और राज्य सरकार के प्रशासनिक समन्वय से रेड रोड के निकट स्थित विशाल ब्रिगेड परेड मैदान को वैकल्पिक स्थान के रूप में नमाज के लिए उपलब्ध कराया गया। नमाज के दौरान सड़क यातायात प्रभावित न हो, इसके लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। अधिकारियों के अनुसार, पूरे राज्य में बकरीद की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और कहीं भी सड़कों पर नमाज नहीं पढ़ी गई। जरूरत के अनुसार कई मस्जिदों में दो बार नमाज आयोजित की गई। नियम- कायदे को इस बार बखूबी माना गया। मुस्लिम समुदाय ने अच्छा संदेश दिया और बड़ी संख्या में ब्रिगेड मैदान में नमाज के लिए जुटे लोगों ने इस व्यवस्था पर खुशी व्यक्त की। कार्यक्रम को लेकर कोलकाता पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा।

निजी बस और कैब मालिकों ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, बैठक के लिए मांगा समय

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य की निजी परिवहन सेवाओं की स्थिति सुधारने और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अब निजी परिवहन संगठनों के मालिक भी मुख्यमंत्री की शरण में पहुंचे हैं। निजी परिवहन ऑपरेटरों के संयुक्त मंच 'जॉइंट फोरम ऑफ ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स' की ओर से मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को एक आधिकारिक पत्र भेजा गया है। इस पत्र के जरिए संगठन के पदाधिकारियों ने नवान्न जाकर मुख्यमंत्री से मुलाकात करने और अपनी विभिन्न समस्याओं पर विस्तृत चर्चा करने के लिए समय मांगा है। जेएफटीओ के बैनर तले राज्य के पांच प्रमुख परिवहन संगठनों ने संयुक्त रूप से मुख्यमंत्री को यह चिट्ठी सौंपी है, जिनमें ऑल बंगाल बस मिनीबस समन्वय समिति, ऑनलाइन कैब ऑपरेटर्स गिल्ड, सिटी सबअर्बन बस सर्विस, नॉर्थ बंगाल पैसेंजर्स ट्रांसपोर्ट ओनर्स को-ऑर्डिनेशन कमेटी और पूल कार ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन शामिल हैं। परिवहन मालिकों ने अपने पत्र में लिखा है कि परिवहन क्षेत्र राज्य के राजस्व (आर्थिक आय) का एक बहुत बड़ा जरिया है। ऐसे में वे इस सेवा को न केवल सुचारू रूप से चलाने, बल्कि इसे और आधुनिक व उन्नत बनाने के लिए पूरी तरह सचेत हैं। विशेष रूप से बच्चों को स्कूल ले जाने वाली पूल कार और रोजाना आम जनता द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली कैब सेवाओं पर उनका पूरा ध्यान है। हालांकि, संगठन का कहना है कि हाल के दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हुई बेतहाशा बढ़ोतरी के कारण निजी सेवाओं को बिना किसी बाधा के जारी रखना बेहद मुश्किल और घाटे का सौदा साबित हो रहा है। इसके साथ ही, राज्य में सरकार बदलने के बाद परिवहन क्षेत्र में कई नीतिगत बदलाव हुए हैं, जिसके कारण ऑपरेटरों के बीच कुछ असमंजस की स्थिति बनी हुई है। वे इन सभी मुद्दों पर मुख्यमंत्री से सीधे बात कर स्थिति स्पष्ट करना चाहते हैं। संगठन के नेताओं का मानना है कि 'बदलते बंगाल' में महिलाओं के लिए मुफ्त सरकारी बस सेवा शुरू करना सरकार का एक बेहद सकारात्मक और सराहनीय कदम है। लेकिन इस सेवा को और अधिक प्रभावी बनाने तथा निजी ऑपरेटरों के साथ इसका बेहतर तालमेल बिठाने के लिए वे मुख्यमंत्री को कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी देना चाहते हैं। फिलहाल, परिवहन संगठनों की इस चिट्ठी और मुलाकात की अर्जी पर राज्य सरकार या मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या समय नहीं दिया गया है। अब देखना होगा कि मुख्यमंत्री इन निजी ऑपरेटरों को कब मिलने का समय देते हैं।

हस्ताक्षर विवाद को लेकर तृणमूल विधायक नयना बंद्योपाध्याय के आवास पर पहुंची सीआईडी

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा की उपस्थिति पंजी में हस्ताक्षर में कथित गड़बड़ी की जांच के सिलसिले में अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के अधिकारियों का एक दल गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस की विधायक नयना बंद्योपाध्याय के आवास पहुंचा। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह विवाद तब सामने आया जब इस बात पर सवाल उठाए गए कि विधानसभा में शोभनदेव चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता बनाने के समर्थन में तृणमूल कांग्रेस के विधायकों के पत्र पर किया गया हस्ताक्षर क्या वास्तव में चौरंगी की विधायक (नयना बंद्योपाध्याय) का ही था। इस मामले के बाद विधानसभा के प्रधान सचिव ने हरे स्ट्रीट थाने में एक शिकायत दर्ज कराई थी और बाद में इस मामले को आपराध जांच विभाग (सीआईडी) को सौंप दिया गया था। मिली जानकारी के अनुसार, इस दिन, दोपहर करीब 3 बजे हस्तलेखन विशेषज्ञों और कोलकाता पुलिस के अधिकारियों के साथ सीआईडी का छह-सदस्यीय दल जांच के लिए विधायक के आवास पर पहुंचा। हालांकि, उस समय बंद्योपाध्याय घर पर नहीं थीं, क्योंकि वह कथित तौर पर ईद-उल-अजहा से जुड़े एक कार्यक्रम में शामिल होने गई थीं। विधायक के घर लौटने के बाद शाम करीब 5.30 बजे सीआईडीका दल दोबारा उनके आवास पहुंचा। उन्होंने बताया कि इसके बाद जांच एजेंसी के अधिकारियों ने पूछताछ की और पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की। सत्यापन प्रक्रिया के हिस्से के रूप में सीआईडी अधिकारियों ने उनके पैन कार्ड की भी जांच की।

तृणमूल चेयरमैन के खेत से मिले 2.24 करोड़ रुपये, रात भर चली गिनती

अब तक आरोपी के पास से 3.04 करोड़ की नकदी बरामद

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के तृणमूल कांग्रेस नेता और बादुड़िया नगरपालिका के चेयरमैन दीपंकर भट्टाचार्य से जुड़े मामले में पुलिस ने पाट के खेत से 2.24 करोड़ रुपये बरामद किए हैं। बुधवार की शाम से शुरू हुई नोटों की गिनती पूरी रात चलती रही। बैंक कर्मियों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी में चार बार गिनती के बाद पुलिस ने गुरुवार के तड़के बरामद रकम की आधिकारिक पुष्टि की। उल्लेखनीय है कि पुलिस ने सोमवार को दीपंकर भट्टाचार्य को एक होटल से गिरफ्तार किया था। उस समय भी उनके पास से करीब 80 लाख रुपये बरामद हुए थे। मंगलवार को अदालत ने उन्हें छह दिन की पुलिस हिरासत में भेजा। बुधवार को पुलिस दीपंकर को साथ लेकर तृणमूल कार्यालय के पास स्थित एक जमीन पर पहुंची। वहां जूट के खेत में एक जगह खुदाई करने पर बैगों में भरी भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई। पुलिस ने मौके से नकदी से भरे चार ट्रॉली बैग और एक बोरा जब्त किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सभी बैगों में 500 रुपये के नोटों की गड्डिया थीं। सोमवार रात दीपंकर भट्टाचार्य की गिरफ्तारी के बाद बादुड़िया नगरपालिका के एक बंद पड़े कंप्यूटर सेंटर से भी करीब चार हजार सरकारी तिरपाल और 80 लाख रुपये बरामद किए गए थे। स्थानीय स्तर पर आरोप लग रहे हैं कि यह राशि आवास योजना से जुड़े घोटाले या अवैध वसूली से जुड़ी हो सकती है। यानी, अब तक उनसे कुल 3.04 करोड़ रुपए नकद बरामद किए जा चुके हैं।

बीजपुर में गिरफ्तार तृणमूल नेता को कमर में रस्सी बंधकर इलाके में घुमाया

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के कांचरापाड़ा के बीजपुर में गुरुवार को पुलिस ने गिरफ्तार टीएमसी नेता अभिजीत राय उर्फ बनी को कमर में रस्सी बांधकर इलाके में घुमाया। उस समय उसके शरीर पर केवल गंजी और हाफ पैंट थी। आरोपित को देखते ही स्थानीय लोगों का एक वर्ग चोर-चोर के नारे लगाने लगा। स्थानीय लोगों ने टीएमसी नेता पर वसूली, अवैध कब्जे और असामाजिक गतिविधियां चलाने का आरोप लगाया। पता चला है कि पुलिस ने शनिवार की रात भ्रष्टाचार के आरोप में मंदारमणि से टीएमसी के इस युवा नेता को गिरफ्तार किया था। जांच के सिलसिले में पुलिस उसे कांचरापाड़ा के विभिन्न इलाकों में लेकर गई।

तृणमूल सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने पार्टी सांसद कल्याण बनर्जी के खिलाफ लोस अध्यक्ष को लिखा पत्र

❑ **मांगी शिकायत की अनुमति**

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर अपनी ही पार्टी के सांसद कल्याण बनर्जी पर संसद के भीतर अपशब्द कहने और महिला सांसदों के प्रति अपमानजनक व्यवहार करने का आरोप लगाया है। लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में काकोली ने औपचारिक शिकायत दर्ज करने की अनुमति मांगी और कल्याण बनर्जी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बारासात से सांसद काकोली ने पत्र में लिखा कि मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि मुझे तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सदस्य कल्याण बनर्जी के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज करने की अनुमति दी जाए, जिन्होंने लोकसभा के भीतर बार-बार मुझे अपशब्द कहे। यह महिला विरोधी व्यवहार कई महिला सदस्यों के साथ हुआ है और ऐसे में दंडात्मक कार्रवाई जरूरी है।

आग्नेयास्त्र के साथ पूर्व तृणमूल विधायक रामेंदु सिंह राय का करीबी गिरफ्तार

हुगली, समाज्ञा : आग्नेयास्त्र के साथ पूर्व तृणमूल विधायक रामेंदु सिंह राय के करीबी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी का नाम सिकंदर साह उर्फ टुनटुन है। वह तारकेश्वर के पूर्व तृणमूल विधायक रामेंदु सिंह राय का करीबी सहयोगी बताया जाता है। बीती रात उसके घर में अवैध हथियार रखने के आरोप में तारकेश्वर थाने की पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर तारकेश्वर के बालिगढ़ी नंबर 1 ग्राम पंचायत के बालिगढ़ी गांव स्थित उसके घर पर छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान पुलिस ने एक बंदूक बरामद की और उसे गिरफ्तार कर लिया। गुरुवार को आरोपी को तारकेश्वर थाने की पुलिस ने चंदननगर महकमा अदालत में पेश किया।

टीसीआई ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के मजबूत वित्तीय परिणाम किए घोषित

कोलकाता, समाज्ञा : भारत की अग्रणी एकीकृत मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स एवं सप्लाई चेन समाधान प्रदाता कंपनी ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (टीसीआई) ने 31 मार्च 2026 को समाप्त चौथी तिमाही एवं वित्तीय वर्ष के अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। टीसीआई ने 1336 करोड़ का समेकित राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 1197 करोड़ की तुलना में 11.6 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। कंपनी का ब्याज, कर, मूल्यह्रास एवं अमोर्टाइजेशन से पूर्व लाभ 174 करोड़ रहा, जो पिछले साल 162 करोड़ की तुलना में 7.4 फीसदी अधिक है। पीएटी में 8.7 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई और यह 125 करोड़ रहा, जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह 115 करोड़ था।

ट्रैवलपोर्ट, कॉग्निजेंट और एंथ्रोपिक ने ट्रैवल टेक्न-ोलॉजी को और बेहतर बनाने के लिए साझेदारी की

कोलकाता, समाज्ञा : कॉग्निजेंट और ट्रैवलपोर्ट साथ मिलकर एआई के जरिए सुनियोजित तरीके से बदलाव लाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं, जिसके तहत ट्रैवलपोर्ट अपने ट्रैवल रिटेलिंग और डिस्ट्रीब्यूशन प्लेटफॉर्म पर सॉफ्टवेयर बनाने, परीक्षण करने और रखरखाव की प्रक्रिया को आधुनिक बनाने के लिए एंथ्रोपिक के क्लॉड का इस्तेमाल करेगा। एआई से जुड़ी नई तकनीक को दुनिया भर की एयरलाइंस, होटल मालिकों, ट्रैवल मैनेजमेंट कंपनियों और ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसियों तक तेज़ी से पहुंचाने के साथ-साथ ट्रैवलपोर्ट के प्लेटफॉर्म में ही एआई फीचर्स को जोड़ने के उद्देश्य से यह साझेदारी की गई है। इस मौके पर कॉग्निजेंट के सीईओ, रवि कुमार एस. ने कहा कि ट्रैवल इंडस्ट्री आज भी दुनिया के सबसे उलझे हुए और जटिल टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम करती है। आने वाले समय में वही कंपनियां आगे रहेंगी, जो आज इस इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने में निवेश कर रही हैं।

बकरीद (ईद-उल-अजहा) के मौके पर हावड़ा के पिलखाना इलाके में मस्जिद के बाहर नमाज अदा करते श्रद्धालुओं की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मी।

निमता थाने के बाहर तृणमूल सांसद सौगत रॉय के खिलाफ प्रदर्शन

❑ **प्रदर्शनकारियों ने कार पर फेंके अंडे, लगाए 'चोर-चोर' के नारे**

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत रॉय को गुरुवार को उत्तर 24 परगना जिले में एक थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने 'चोर' कहते हुए नारेबाजी की और गाड़ी पर अंडे फेंके।

सौगत रॉय (78) निमता और उत्तर दमदम के कई इलाकों में तृणमूल पार्षदों पर हुए हमलों के खिलाफ एक ज्ञापन सौंपने के लिए निमता थाने गए थे। दमदम से सांसद सौगत जब वहां से निकल रहे थे, तो लोगों के एक समूह ने उनकी गाड़ी को घेर लिया और उनके खिलाफ नारेबाजी की। सांसद की गाड़ी पर अंडे भी फेंके गए। थाने के बाहर तैनात पुलिस कर्मियों ने स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए हस्तक्षेप किया। रॉय ने दावा किया कि यह विरोध प्रदर्शन राजनीतिक रूप से प्रेरित था और आरोप लगाया कि इस प्रदर्शन के पीछे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं का हाथ था। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि जब मैं थाने से बाहर आ रहा था, तब भाजपा समर्थक वहां जमा हो गए और हंगामा करने लगे। उन्होंने नारे लगाए और मेरी गाड़ी पर अंडे फेंके। इस तरह की राजनीति दुर्भाग्यपूर्ण है। हालांकि, भाजपा ने इस घटना में शामिल होने से इनकार किया और दावा किया कि स्थानीय लोग तृणमूल शासन के दौरान कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को लेकर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे थे।

श्रीलंका कन्वेंशन ब्यूरो ने कोलकाता में किया रोड शो

कोलकाता : विदेश मंत्रालय, विदेशी रोज़गार और पर्यटन मंत्रालय के तहत काम करने वाला श्रीलंका कन्वेंशन ब्यूरो, मई 2026 के आखिरी हफ़्ते में अहमदाबाद, कोलकाता और चेन्नई में तीन असरदार एमआईसीई (मीटिंग्स, इंसेंटिव्स, कॉन्फ्रेंस और एग्ज़िबिशन) रोडशो और शाम के नेटवर्किंग सेशन ऑर्गनाइज़ किया है। श्रीलंका कन्वेंशन ब्यूरो के चेयरमैन, धीरा हेत्तियाराच्ची ने कहा, भारत के पास होने और मज़बूत कनेक्टिविटी की वजह से श्रीलंका एक आइडियल एमआईसीई डेस्टिनेशन है, जो इसे मीटिंग्स, इंसेंटिव्स, कॉन्फ्रेंस और एग्ज़िबिशन के लिए एक किफ़ायती और आकर्षक ऑप्शन बनाता है।

विधानसभा चुनाव में 40 प्रतिशत विजयी प्रत्याशियों को 50 प्रतिशत से कम वोट मिले : एडीआर

कोलकाता, समाज्ञा

राज्य में इस बार के विधानसभा चुनाव में जीतने वाले लगभग 40 प्रतिशत उम्मीदवारों ने अपने निर्वाचन क्षेत्रों में 50 प्रतिशत से कम वोट प्राप्त करके जीत हासिल की। 'एसोसिएशन फोर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स' (एडीआर) और 'वेस्ट बंगाल इलेक्शन वाच' ने अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में 294 सदस्यीय विधानसभा की फलता सीट को छोड़कर 293 निर्वाचन क्षेत्रों के परिणामों का विश्-लेषण किया गया। इसमें कहा गया है कि चुनाव में मतदान प्रतिशत 93.7 रहा, जो 2021 के विधानसभा चुनाव में दर्ज 82.3 प्रतिशत से काफी अधिक है। निष्कर्षों के अनुसार, विजयी उम्मीदवारों को कुल डाले गए वोटों का औसतन 50.43 प्रतिशत प्राप्त हुआ, जो 2021 के चुनाव में दर्ज किए गए 50.16 प्रतिशत औसत से थोड़ा अधिक है। कुल 175 उम्मीदवारों (60 प्रतिशत) ने अपने निर्वाचन क्षेत्रों में 50 प्रतिशत से अधिक वोट प्राप्त करके जीत हासिल की, जबकि 118 प्रत्याशी (40 प्रतिशत) आधे से कम वोट प्राप्त करके विजयी बने। रिपोर्ट में कहा गया है कि विजेता औसतन कुल पंजीकृत मतदाताओं के 47.20 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं जो 2021 के विधानसभा चुनाव में 41.29 प्रतिशत से अधिक है। एडीआर के विश्लेषण में चुनावी प्रदर्शन और उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि के बीच संबंध का भी अध्ययन किया गया। जिन 191 विजयी उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज थे, उनमें से 121 (63 प्रतिशत) ने 50 प्रतिशत या उससे अधिक मतों के साथ जीत हासिल की और इनमें से 107 उम्मीदवारों ने बेदाग पृष्ठभूमि वाले प्रत्याशियों को हराया।

दूसरी ओर, बेदाग पृष्ठभूमि वाले 102 उम्मीदवारों में से 51 ने ऐसे प्रत्याशियों को हराया जिनके विरूद्ध आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसी प्रकार, 179 करोड़पति विजेताओं में से 62 ने गैर-करोड़पति प्रत्याशियों के खिलाफ जीत हासिल की। रिपोर्ट में महिला उम्मीदवारों के प्रदर्शन का भी विश्लेषण किया गया। अध्ययन में शामिल 293 विजेताओं में से 37 महिलाएं थीं, जिनमें से सभी को 35 प्रतिशत से अधिक वोट मिले। डबग्राम-फुलबारी से भाजपा की शिखा चटर्जी ने महिला विजेताओं में सबसे अधिक 66 प्रतिशत वोट हासिल किए और उनकी जीत का अंतर 39 प्रतिशत रहा।

खड़दह में तृणमूल का ब्लॉक अध्यक्ष गिरफ्तार, अवैध जमीन भराई और वसूली के आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा चुनाव की हलचल थमने से पहले ही पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खड़दह ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और बंदीपुर पंचायत के उपप्रधान प्रसे-नजीत साहा को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। उन पर कल्याणी एक्सप्रेसवे के पास स्थित जलभूमि को अवैध तरीके से भरने, जमीन बिक्री सिंडिकेट चलाने और कई मामलों में अवैध वसूली करने के गंभीर आरोप हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, प्रसे-नजीत साहा के खिलाफ लंबे समय से इलाके में कई अवैध गतिविधियों को लेकर शिकायतें मिल रही थीं। विधानसभा चुनाव के दिन भी केंद्रीय बलों ने उनकी तलाश में अभियान चलाया था। बताया गया है कि केंद्रीय बलों ने उनके घर को घेरकर लंबे समय तक तलाशी ली थी, लेकिन उस समय वह फरार हो गए थे, जिसके कारण उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा सका। आखिरकार, पुलिस की सक्रियता के बाद इस प्रभावशाली तृणमूल नेता को गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आरोपों से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

Change of Name

I Sarathirani Mondal D/o Jayanta Mondal R/o Village Gayadham Dakshin Para, PO biswanathpur, Dist: South 24 Paraganas, West Bengal-743349, have changed my name to Uma Mandal.

पे एंड यूज़ टॉयलेट का नवीनीकरण, परिचालन एवं रखरखाव

लामडिंग मंडल के अंतर्गत लामडिंग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म - 4/5 पर स्थित पे एंड यूज़ टॉयलेट का नवीनीकरण, परिचालन एवं रखरखाव के अनुबंध हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। **कैटलॉग सं.:** PNU-LMG-05-26. **रेट यूनिट :** वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क। **नीलामी शुरू होने की तिथि और समय (सभी लॉट): 09-06-2026** को **10:00** बजे;

क्र.सं.	लॉट नं./श्रेणी	दिन
AA/1	PnU-LMG-LMG-Toi-73-25-2 (पे एंड यूज़ - टॉयलेट)	3653

ई-नीलामी के बंद करने की तिथि और समय: 09-06-2026 को **10:30** बजे। प्रारंभिक शीतलन की अवधि 30 मिनट। क्रमिक लॉट समापन का अंतराल 10 मिनट। **नोट:** संभावित बोलीदाता से अनुरोध किया जाता है कि वे अधिक जानकारी के लिए आईआरईपीएस वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें।

सीनियर डीसीएम, लामडिंग

पूर्वोत्तर सीमा रेल

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सकल जैन समाज देशभर में जैन संतों के लिए न्याय और सुरक्षा की मांग पर कोलकाता में निकालेगी रैली

❑ **कल सुबह 7:30 बजे श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिरजी, 1 बायसैक लेन से निकाली जाएगी साइलेंट रैली**

कोलकाता, समाज्ञा : मध्य प्रदेश के रीवा में हाल ही में एक सड़क हादसे में दो पूजनीय जैन आर्यिका माताजी की हुई दुखद मौत से परेशान कोलकाता का सकल जैन समाज ने इस घटना की कड़ी निंदा की है और देश भर के जैन संतों और तपस्वियों के लिए न्याय, जवाबदेही और लंबे समय तक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत हस्दतक्षेप करने की मांग की है। इस मामले में गुरुवार को कोलकाता प्रेस क्लब में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में विनोद कुमार काला, कमल दुगड़, जितेन्द्र काला, कमल नयन जैन, अजीत सेठी, अमित कोठारी, महेंद्र पाटनी, रतन दुगड़, संजय जैन और कई अन्य सम्मानीय लोग शामिल हुए। जैन समुदाय ने जैन संतों और साध्वियों पर बार-बार होने वाली इस तरह की घटनाओं पर गंभीर चिंता जताई है, जो विहार के दौरान सिर्फ पैदल यात्रा करते हुए शांति, अहिंसा, तपस्या, करुणा और आध्यात्मिक उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित करते हैं। समुदाय का मानना है कि रीवा की घटना ने जैन तपस्वियों की सुरक्षा और सम्मान को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की हैं और इसे सिर्फ एक सड़क हादसा कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। जैन संतों और साध्वियों पर बार-बार हो रही घटनाओं के खिलाफ दुख, एकजुटता और शांतिपूर्ण विरोध जताने के लिए, कोलकाता के सकल जैन समाज ने कल सुबह 7:30 बजे श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिरजी, 1 बायसैक लेन, कोलकाता से एक बड़ी साइलेंट रैली निकालेगा। यह रैली कलाकार स्ट्रीट, महात्मा गांधी रोड, ब्रेबोर्न रोड, टी बोर्ड, इजरा स्ट्रीट, बेंटिंक स्ट्रीट और धर्मतला से होते हुए मेट्रो चैनल, एस्प्लेनेड पर खत्म होगी, जहां समुदाय की तरफ से वरिष्ठ अधिकारी व सदस्य इकट्ठा हुए लोगों को संबोधित करेंगे। इसके बाद एक प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल को तुरंत दखल देने की मांग करते हुए एक रिप्रेजेंटेशन देने के लिए राजभवन जाएगा। सकल जैन समाज के प्रतिनिधियों के अनुसार, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रिपोर्ट, वीडियो और आसपास के हालात ने पूरे भारत में जैन लोगों में बड़े पैमाने पर डर और बेचैनी पैदा कर दी है। इसलिए संगठन ने इस घटना की निष्पक्ष, पारदर्शी और हाई-लेवल जांच की मांग की है, ताकि सच्चाई सामने आए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। कोलकाता में सकल जैन समाज ने केंद्र सरकार और संबंधित राज्य सरकारों से आग्रह किया है कि वे विहार करने वाले जैन संतों और साध्वियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत एक व्यापक संत सुरक्षा प्रोटोकॉल बनाएं और लागू करें, जिसमें पुलिस कोऑर्डिनेशन, ट्रैफिक रेगुलेशन, हाईवे सेफ्टी सपोर्ट, चेतावनी साइनेज और रूट प्रोटेक्शन शामिल हो। इसने एक नेशनल संत सेफ्टी पॉलिसी, पैदल यात्रा करने वाले साधुओं के लिए एक जैसे एसोपी, रीवा घटना से जुड़े सभी सीसीटीवी और डिजिटल सबूतों को सुरक्षित रखने, जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा देने और जैन संगठनों के साथ सलाह करके इमरजेंसी कोऑर्डिनेशन सिस्टम बनाने की भी मांग की है। जैन समुदाय ने अहिंसा, संवैधानिक मूल्यों और शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीकों के प्रति अपनी पक्की प्रतिबद्धता दोहराई, साथ ही मीडिया, सिविल अधिकारियों और नागरिकों से इस मानवीय काम का समर्थन करने और पूरे भारत में जैन संतों और साध्वियों की सुरक्षा, सम्मान और न्याय पक्का करने में मदद करने की अपील की।

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
MATRIMONIAL | EDUCATION | OBITUARY
PROPERTY | NAME CHANGE | REMEMBRANCE
RECRUITMENT | PUBLIC NOTICE | DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | samagya.in
230, C. R. Ave, 3rd Floor, Kolkata-700 006, Contact : 7044444522, 7044444527

सावरकर के आदर्शों से भारत महान और बिहार समृद्ध बनेगा : सम्राट चौधरी

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि विनायक दामोदर सावरकर के राष्ट्रवादी विचारों का अनुसरण कर भारत महान बनेगा और बिहार समृद्धि हासिल करेगा। बिहार विधान परिषद परिसर में सावरकर की 143वीं जयंती पर आयोजित एक कार्यक्रम में उनकी जीवनी पर आधारित पुस्तक 'वीर सावरकर की जीवनी' के विमोचन के अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सावरकर पर शोध को प्रोत्साहित किया जाएगा ताकि युवा उनसे प्रेरणा ले सकें। चौधरी ने कहा कि ब्रिटिश शासकों और कुछ भारतीय इतिहासकारों के प्रयासों के बावजूद आज भारत का हर नागरिक और बच्चा सावरकर के व्यक्तित्व, कार्यों और देशभक्ति से परिचित है। उन्होंने कहा कि सावरकर ने ब्रिटिश शासन के दौरान लगभग 27 वर्ष कारावास में बिताए और भीषण यातनाएं सहीं, जिन्हें इतिहासकारों ने उनके साथियों की तुलना में सबसे अधिक कष्टपूर्ण माना है। चौधरी ने आरोप लगाया कि देश को ब्रिटिश

शासन से छुटकारा मिलने के बाद भी स्वतंत्रता के शुरुआती 20 वर्षों में लोग परेशान रहे, जिसके बाद आपातकाल लागू किया गया। उन्होंने कहा, लोगों ने कांग्रेस और आपातकाल के खिलाफ आवाज उठानी शुरू की। जनसंघ ने पार्टी से पहले राष्ट्र को प्राथमिकता दी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का भी स्पष्ट दृष्टिकोण है कि पहले राष्ट्र की रक्षा होनी चाहिए और उसके बाद पार्टी। सावरकर इसी विचारधारा के प्रतीक थे। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज सावरकर की विचारधारा से प्रेरित होकर राष्ट्र निर्माण के कार्य में लगातार जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रथम की विचारधारा के आधार पर बिहार में औद्योगिकीकरण, शिक्षा और बुनियादी ढांचे के विकास पर कार्य किया जा रहा है, जिससे राज्य समृद्धि की ओर बढ़ेगा। चौधरी ने कहा कि बिहार के सभी 534 प्रखंडों में सरस्वती विद्या निकेतन की तर्ज पर मॉडल स्कूल स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार अपराध और भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति पर काम कर रही है तथा अपराधियों का कोई जाति या धर्म नहीं होता। चौधरी ने घोषणा की कि 50 करोड़ रुपये तक के ठेके बिहार के लोगों के लिए आरक्षित किए जाएंगे ताकि 'बिहार का पैसा बिहार में ही रहे।'

उप्र : एटा में भागवत कथा कार्यक्रम के दौरान हर्ष फायरिंग, दो लोग गिरफ्तार

एटा: उत्तर प्रदेश के एटा जिले में भागवत कथा कार्यक्रम के दौरान 'हर्ष फायरिंग' करने के आरोप में पुलिस ने बृहस्पतिवार को दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके लाइसेंसी हथियार जब्त कर लिए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, बुधवार को भागवत कथा पंडाल में हुई हर्ष फायरिंग का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसके बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रघुराज सिंह (45) और भूरी सिंह (50) के रूप में हुई है, जो कुसवा गांव के निवासी हैं। दोनों के पास से एक लाइसेंसी राइफल और एक लाइसेंसी डबल बैरल बंदूक (डीबीबीएल) बरामद की गई है, जिनका उपयोग कथित तौर पर फायरिंग में किया गया था। पुलिस के अनुसार, रघुराज सिंह के खिलाफ पहले भी मारपीट और आपराधिक धमकी के मामले दर्ज हैं, जबकि भूरी सिंह के खिलाफ वर्तमान मामले में कार्रवाई की जा रही है। अवागढ़ थाना प्रभारी अखिलेश दीक्षित ने कहा कि सार्वजनिक और धार्मिक आयोजनों में हर्ष फायरिंग की घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मथुरा में ईद की नमाज के बाद दो पक्षों में हिंसक झड़प, एक व्यक्ति की मौत

मथुरा: उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में ईद की नमाज के बाद बच्चों के बीच हुए मामूली विवाद ने वयस्कों के दो समूहों के बीच हिंसक झड़प का रूप ले लिया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह घटना कोसीकलां थाना क्षेत्र के नगला मेव गांव में हुई। थाना प्रभारी कमलेश सिंह ने बताया कि आशु और नवाब नामक दो व्यक्तियों के बच्चे मस्जिद में नमाज अदा करने के बाद घर लौट रहे थे, तभी किसी बात को लेकर उनकी इदरिस के बच्चों से कहासुनी हो गई।

झारखंड:रामगढ़ में बांध के जल निकासी मार्ग के पानी में डूबने से एक युवक की मौत

रामगढ़: झारखंड के रामगढ़ जिले में स्थित एक बांध के जल निकासी मार्ग को देखने गए एक युवक की पानी में उतरने के बाद डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राजरप्पा पुलिस थाने के प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि भैरवी बांध के जल निकासी मार्ग (जहां से बांध का पानी छोड़ा जाता है) में एकत्र पानी में यह घटना बुधवार को हुई। मृतक की पहचान हमीद अंसारी (20) के रूप में की गई है। यह जल निकासी मार्ग अपने झरने जैसे स्वरूप के कारण स्थानीय पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों ने अंसारी को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बांध का 'जल निकासी मार्ग' वह महत्वपूर्ण सुरक्षात्मक हिस्सा होता है, जिसे जलाशय में अधिक पानी भर जाने पर अतिरिक्त पानी को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने के लिए डिज़ाइन किया जाता है ताकि बांध की सुरक्षा को खतरा ना उत्पन्न हो।

बिहार में डायल-112 को एआई से अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश, हिंदी प्रयोग पर भी जोर

पटना: बिहार के गृह सचिव कुंदन कुमार ने बृहस्पतिवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि आपातकालीन सहायता प्रणाली (ईआरएसएस) यानी डायल-112 की कार्यप्रणाली को कृत्रिम मेधा (एआई) और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से और अधिक प्रभावी तथा त्वरित बनाया जाए। उन्होंने ईआरएसएस व्यवस्था को अधिक संवेदनशील और उत्तरदायी बनाने के लिए संबंधित कर्मियों के नियमित प्रशिक्षण पर भी विशेष बल दिया। केंद्रीय गृह सचिव के निर्देश पर आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कुंदन कुमार ने कहा कि तकनीक के अधिकतम उपयोग से आपातकालीन सेवाओं की दक्षता बढ़ाई जा सकती है। इस बैठक में अपर पुलिस महानिदेशक (वायरलेस) अमित लोढ़ा, अपर पुलिस महानिदेशक (आधुनिकीकरण) अजिताभ कुमार और अपर पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) पारस नाथ उपस्थित थे। विभाग की ओर से जारी बयान के अनुसार, बैठक में ईआरएसएस योजना, थानों में सीसीटीवी स्थापना, अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क एवं प्रणाली (सीसीटीएनएस) तथा पुलिस मुख्यालय से जुड़े लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। कुंदन कुमार ने अधिकारियों से विभागीय प्रस्तुतियों और आधिकारिक कार्यों में राजभाषा हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने का भी आह्वान किया।

बिहार : नाव पलटने से दो की मौत, पांच लापता

पटना/समस्तीपुर: बिहार के समस्तीपुर जिले में बृहस्पतिवार को 14 लोगों को लेकर जा रही एक नाव के पलट जाने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लापता हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह हादसा समस्तीपुर जिले के सुल्तानपुर दियारा के पास तेज हवा के कारण हुआ। पटना जिला प्रशासन की ओर से जारी बयान के अनुसार, आज सुबह करीब 5:45 बजे बाढ़ अनुमंडल के उमानाथ घाट के पास स्थित बिंद टोली के 14 लोग नाव पर सवार होकर समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीननगर प्रखंड स्थित सुल्तानपुर दियारा गए थे। वापसी में तेज हवा के कारण उनकी नाव पलट गई। बयान में कहा गया है कि लोग कृषि कार्यों के लिए अक्सर सुल्तानपुर दियारा जाते हैं। समस्तीपुर और पटना जिला प्रशासन संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव अभियान चला रहे हैं। पटना जिला प्रशासन ने बताया कि अब तक सात लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि दो शव बरामद किए गए हैं। पांच अन्य लोगों की तलाश जारी है। अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। वरिष्ठ जिला अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और मामले की जांच की जा रही है।

वाराणसी में बकरीद से पहले बेनियाबाग की पुरानी बकरा मंडी बंद, व्यापारियों में नाराजगी

वाराणसी (उप्र), 28 मई (भाषा) बकरीद से ठीक पहले वाराणसी के बेनियाबाग स्थित करीब चार दशक पुरानी बकरा मंडी को नगर निगम ने बंद करा दिया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। नगर निगम के अनुसार, भीड़भाड़ और स्वच्छता की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद यह कार्रवाई की गई। वहीं, व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने त्योहार के समय अचानक मंडी बंद किए जाने पर नाराजगी जताई है। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने बताया, ''स्वच्छता संबंधी शिकायतों के बाद अधिकारियों ने बेनियाबाग बाजार का निरीक्षण किया। निरीक्षण में अव्यवस्था और गंदगी पाए जाने पर मंडी की अनुमति रद्द कर दी गई।'' अधिकारियों के मुताबिक व्यापारियों को तीन दिन के भीतर मंडी खाली करने का निर्देश दिया गया था और निर्देश का पालन नहीं होने पर पुलिस की मदद से मंडी को खाली कराया गया। नगर निगम की इस कार्रवाई से बकरा व्यापारियों में रोष है। व्यापारियों का कहना है कि बेनियाबाग की बकरा मंडी लगभग 40 वर्षों से पूरे उत्तर प्रदेश में प्रसिद्ध रही है। यह मंडी आमतौर पर बकरीद से एक सप्ताह पहले लगती थी, जहां गाजीपुर, मऊ, जौनपुर, गोरखपुर समेत पूर्वांचल के कई जिलों से व्यापारी बकरे बेचने आते थे। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि त्योहार से ठीक पहले मंडी बंद करना गलत है। उनका कहना है कि बिना पूर्व सूचना के हुई इस कार्रवाई से उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और अब उनके सामने बकरों की बिक्री की समस्या खड़ी हो गई है। बेनियाबाग पार्क वाराणसी शहर के मध्य में स्थित है और यह काशी विश्वनाथ मंदिर के दो किलोमीटर परिक्षेत्र के अंतर्गत आता है। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत यहां बच्चों के खेलने के लिए क्षेत्र, ओपन जिम और टहलने के लिए ट्रैक विकसित किए गए हैं। स्मार्ट सिटी के जनसंपर्क अधिकारी शाकंभरी नंदन ने बताया कि पहले बेनियाबाग पार्क में बकरा मंडी लगाने की अनुमति दी गई थी, लेकिन बाद में वहां फैल रही गंदगी को देखते हुए नगर निगम ने इसे बंद करा दिया। कोटवा निवासी अफरोज आलम ने कहा कि वह हर साल बेनियाबाग बकरा मंडी से बकरीद के लिए बकरे खरीदते थे। उन्होंने कहा, इस बार पता चला कि प्रशासन ने मंडी बंद करवा दी है। यहां दूर-दूर से व्यापारी आते थे, जिससे उचित दाम में अच्छे बकरे मिल जाते थे। व्यापारी विकी अली ने बताया कि दूरदराज के गांवों से व्यापारी और किसान, जिनमें हिंदू समुदाय के लोग भी शामिल हैं, अपने बकरे बेचने के लिए यहां आते थे। उन्होंने कहा कि मंडी बंद होने से सभी को परेशानी हुई है। विकी अली ने सवाल उठाया कि आखिर प्रशासन को इस बकरा मंडी से क्या आपत्ति थी।

राजस्थान: लू की चपेट में कई हिस्से, श्रीगंगानगर में पारा 47.1 डिग्री सेल्सियस पर

जयपुर: राजस्थान में बृहस्पतिवार को सीमावर्ती श्रीगंगानगर जिले में अधिकतम तापमान 47.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि राज्य में भीषण गर्मी का दौर अभी जारी रहेगा। जयपुर स्थित मौसम केंद्र के अनुसार, बृहस्पतिवार दिन में राज्य के अधिकांश भाग लू और भीषण गर्मी के चपेट में रहे। विभाग के मुताबिक, श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान सबसे अधिक 47.1 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं चुरू में 46.5 डिग्री, पिलानी व कोटा में 46.4 डिग्री, अलवर, फलोदी व जैसलमेर में 46.0 डिग्री, बीकानेर व फतेहपुर में 45.3 डिग्री,दौसा में 44.8 डिग्री, बाड़मेर में 43.9 डिग्री तथा सीकर में तापमान 43.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमश: 45.4 डिग्री व 32.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

गोरखपुर में भीषण सड़क हादसा, डंपर-ट्रक की टक्कर के कारण दो लोगों की मौत

गोरखपुर: उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में बृहस्पतिवार तड़के करीब पांच बजे कुशीनगर-लखनऊ राजमार्ग पर विपरीत दिशा से आ रहे एक डंपर और मक्का लदे ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसके बाद दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार डंपर में फंसे चालक और क्लीनर की जलकर मौत हो गई, जबकि ट्रक के चालक और हेल्पर वाहन से कूदकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। दोनों घायलों का अस्पताल में उपचार चल रहा है। यह हादसा रामगढ़ ताल थाना क्षेत्र के अजवानिया गांव के पास हुआ। मक्का से लदा ट्रक कुशीनगर से लखनऊ की ओर जा रहा था, तभी सामने से आ रहा धूल से लदा डंपर गलत दिशा में आ गया। तेज रफ्तार दोनों वाहन आमने-सामने टकरा गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक सड़क किनारे पलट गया और उसमें आग लग गई, जो कुछ ही मिनटों में डंपर तक फैल गई। डंपर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे चालक और क्लीनर केबिन में फंस गए और आग की चपेट में आकर उनकी मौत हो गई। मृतकों की पहचान बस्ती जिले के धमौरा गांव निवासी सत्येंद्र कुमार (डंपर चालक) और फतेहपुर जिले के निवासी शिवा (क्लीनर) के रूप में हुई है। हादसे के बाद राजमार्ग पर अफरा-तफरी मच गई और लखनऊ की ओर जाने वाली लेन पर करीब पांच किलोमीटर लंबा जाम लग गया। रामगढ़ ताल पुलिस ने करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद यातायात बहाल कराया। कैंट के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अरुण कुमार एस ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा ट्रक के चालक और हेल्पर का अस्पताल में इलाज जारी है।

उत्तर प्रदेश में प्रचंड गर्मी, बांदा में सीजन का अधिकतम तापमान 47.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के कई हिस्से बृहस्पतिवार को भी भीषण गर्मी की चपेट में रहे। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार बांदा राज्य का सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 47.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी के लखनऊ स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार झांसी में अधिकतम तापमान 46.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि उरई में 44.8 डिग्री सेल्सियस और आगरा में 43.3 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। कानपुर नगर में अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री सेल्सियस और अलीगढ़ में 42.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हमीरपुर और लखीमपुर खीरी में भी भीषण गर्मी जारी रही, जहां क्रमशः 42.2 डिग्री सेल्सियस और 42 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। प्रयागराज में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस और सोनभद्र के चुर्क में 40.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी लखनऊ में अधिकतम तापमान 37.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2.7 डिग्री कम था। वहीं, न्यूनतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान जताते हुए भीषण गर्मी से राहत मिलने की संभावना व्यक्त की है। आईएमडी ने चेतावनी दी है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर आकाशीय बिजली और धूल भरी आंधी के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। इस दौरान हवा की गति 80 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में भी 70 से 90 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। मौसम विभाग ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर भारी बारिश तथा प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में ओलावृष्टि की भी संभावना जताई है। लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों के लिए मौसम विभाग ने आंशिक रूप से बादल छाए रहने और बीच-बीच में बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान व्यक्त किया है। यहां अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 डिग्री सेल्सियस और 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

राजस्थान में साइबर अपराध नियंत्रण को मजबूत करने पर जोर, मुख्य सचिव ने की समीक्षा बैठक

जयपुर: राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बृहस्पतिवार को पुलिस मुख्यालय में साइबर अपराध नियंत्रण को लेकर उच्च स्तरीय बैठक की। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों की रोकथाम और त्वरित कार्रवाई के लिए तकनीकी क्षमता तथा समन्वय को और मजबूत करना आवश्यक है। श्रीनिवास ने साइबर अपराध प्रकोष्ठ की संरचना और कार्यप्रणाली तथा 'साइबर हेल्पलाइन 1930' के संचालन की व्यापक समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्य सचिव ने साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के संचालन और साइबर अपराधों की जांच प्रक्रिया की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हेल्पलाइन को और अधिक सुदृढ़ तथा प्रभावी बनाया जाए तथा इसके लिए अगले 30 दिनों में विस्तृत नीतिगत कार्ययोजना लागू करने का लक्ष्य तय किया जाए।

यूपी में कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्वक अदा की गई बकरीद की नमाज

लखनऊ: उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में बृहस्पतिवार को ईद-उल-अजहा (बकरीद) की नमाज कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्वक अदा की गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक संवेदनशील इलाकों में ड्रोन कैमरों से निगरानी की गई और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी पूरे दिन स्थिति पर नजर रखे रहे। लखनऊ में ईद-उल-अजहा की नमाज शांतिपूर्वक संपन्न हुई। सुन्नी समुदाय के लोगों ने मौलाना खालिद रशीदी फरंगी महली के नेतृत्व में ऐशबाग ईदगाह में नमाज अदा की, जबकि शिया समुदाय के लोग बड़ा इमामबाड़ा परिसर स्थित आसफी मस्जिद में नमाज के लिए एकत्र हुए। टीले वाली मस्जिद में भी बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज पढ़ी। नमाज के दौरान देश में शांति, समृद्धि और भाईचारे के लिए विशेष दुआएं की गईं।

श्रद्धालुओं ने सांप्रदायिक सौहार्द और देश की प्रगति की कामना की। नमाज से पहले धार्मिक नेताओं ने कहा कि ईद-उल-अजहा त्याग, मानवता और भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से त्योहार शांतिपूर्वक मनाने और जरूरतमंदों की मदद करने की अपील की। मस्जिदों और ईदगाहों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा। संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी के लिए ड्रोन कैमरों का इस्तेमाल किया गया। नमाज के बाद लखनऊ में कुर्बानी का सिलसिला शुरू हुआ। लोगों ने घरों में पारंपरिक रस्में निभाईं और विशेष व्यंजन तैयार कर एक-दूसरे को बकरीद की मुबारकबाद दी। संभल में शाही जामा मस्जिद, हयातनगर के कमालपुर सराय स्थित मुख्य ईदगाह तथा अन्य मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज शांतिपूर्वक संपन्न हुई। जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल ने बताया कि जिले की सभी 828 मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज शांतिपूर्वक अदा की गई। उन्होंने कहा कि पुलिस बल, सफाई और पेयजल की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित कर ली गई थी। संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि जिले को पांच जोन और 16 सेक्टर में बांटा गया था तथा सभी प्रमुख स्थानों पर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए थे। उन्होंने कहा कि अवैध कुर्बानी के खिलाफ सख्त निर्देश जारी किए गए हैं और कानून हाथ में लेने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। अमेठी जिले की 154 ईदगाहों में कड़ी सुरक्षा के बीच नमाज अदा की गई। पुलिस ने बताया कि संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी के लिए ड्रोन कैमरों का इस्तेमाल किया गया। पुलिस अधीक्षक सरवनन टी ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के लिए जिले को चार जोन और 17 सेक्टर में विभाजित किया गया था। अमेठी के जिलाधिकारी संजय चौहान और पुलिस अधीक्षक सरवनन टी जायस ने ईदगाह पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। विभिन्न स्थानों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस बल तैनात किए गए थे।

बिहार के समस्तीपुर में नाव पलटने से तीन लोगों की मौत, चार लापता

पटना/समस्तीपुर: बिहार के समस्तीपुर जिले में बृहस्पतिवार सुबह नाव पलटने से उसमें सवार कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लापता हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह हादसा सुबह करीब 5.45 बजे उस समय हुआ, जब लोग जिले के मोहिउद्दीननगर प्रखंड स्थित सुल्तानपुर दियारा से लौट रहे थे। पटना के जिलाधिकारी एस. एम. त्यागराजन ने बताया कि 14 लोगों को लेकर जा रही नाव तेज हवा के कारण पलट गई। उन्होंने कहा कि समस्तीपुर और पटना जिला प्रशासन की टीमें संयुक्त रूप से बचाव अभियान चला रही हैं। बाढ़ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ-1) राम कृष्ण ने बताया कि स्थानीय गोताखोरों, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की संयुक्त टीमों के प्रयास से अब तक तीन शव बरामद किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि शेष चार लापता लोगों की तलाश और शवों की बरामदगी के लिए खोज एवं बचाव अभियान जारी है।

न्यूज अपडेट

बिहार के मधुबनी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के खाली कोच में लगी आग

मधुबनी: बिहार के मधुबनी में एक ट्रेन के खाली कोच में आग लग गई, जिससे वह पूरी तरह जलकर खाक हो गया। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना तड़के करीब 3.40 बजे हुई और इसमें किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। पूर्व मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मधुबनी रेलवे स्टेशन स्थित डिपो में खड़ी एक रैक के खाली कोच में आग लग गई। उन्होंने बताया कि आग लगने के सही कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। चंद्र ने कहा कि इस घटना में किसी के हताहत होने या किसी बड़ी जनहानि की सूचना नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दमकल विभाग की गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया।

बिहार : सर्राफा व्यवसायी को गोली मारकर 40 लाख रुपये के आभूषण और नकदी लूटी

गया जी: बिहार के गया जिले में हथियारबंद अपराधियों ने एक सर्राफा व्यवसायी को कथित तौर पर गोली मारकर उसकी दुकान से करीब 40 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी लूट ली। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह घटना बुधवार देर शाम गुरुआ बाजार में हुई, जहां दो मोटरसाइकिलों पर सवार बदमाशों ने सोने-चांदी के आभूषणों की दुकान के मालिक प्रभाकर कुमार बरनवाल को निशाना बनाया। पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। उन्होंने मगध प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक विकास वैभव को घटनास्थल का दौरा कर पीड़ित परिवार से मिलने और जांच की निगरानी करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों के अनुसार, व्यवसायी को गोली लगी है और उन्हें गया स्थित अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों ने उनकी हालत खतरे से बाहर बताई है। घटना के विरोध में बृहस्पतिवार को गुरुआ बाजार के व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखीं और प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी, लूटी गई नकदी और आभूषणों की बरामदगी की मांग की। साथ ही, 24 घंटे के भीतर कार्रवाई नहीं होने पर बड़ा आंदोलन करने की चेतावनी दी।

झारखंड में अगले पांच दिनों में पारा गिरने की संभावना; 20 जिलों में आंधी-तूफान की चेतावनी

रांची: झारखंड के अधिकतर हिस्सों में अगले पांच दिनों में लू की स्थिति से राहत मिलने की संभावना है, क्योंकि अधिकतम तापमान में चार डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 20 जिलों में 30 मई तक गरज के साथ बारिश की आशंका को लेकर 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। रांची मौसम विज्ञान केंद्र के उप निदेशक अभिषेक आनंद ने कहा, राज्य के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटों में अधिकतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। अगले दो दिनों में इसमें चार डिग्री सेल्सियस तक की और गिरावट आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के उत्तर-पश्चिम से लेकर ओडिशा के दक्षिणी तटीय क्षेत्र तक और दक्षिण बिहार से लेकर आंध्र प्रदेश के उत्तरी तटीय क्षेत्र तक फैली दो निम्न दबाव प्रणालियों के कारण लू की स्थिति में राहत मिलने की उम्मीद है। पिछले कुछ दिनों में झारखंड के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया था। बुधवार को डाल्टनगंज में राज्य का सबसे अधिक तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि मंगलवार को यह 44.8 डिग्री सेल्सियस था।

राजस्थान : बाबा आमटे दिव्यांग विश्वविद्यालय के कुलगुरु को पद से हटाया गया

जयपुर: राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने बाबा आमटे दिव्यांग विश्वविद्यालय के प्रथम कुलगुरु और विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलगुरु प्रो. देवस्वरूप को तत्काल प्रभाव से उनके पद से हटा दिया है। लोकभवन के प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता के अनुसार यह आदेश राज्य सरकार के परामर्श पर जारी किया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, प्रो. देवस्वरूप पर राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर रहते हुए नियुक्तियों में भारी अनियमितताओं और धांधली कर मनपसंद अभ्यर्थियों को लाभ पहुंचाने के आरोप थे।

राजस्थान: 'ब्रेन डेड' युवक के अंगदान से कई मरीजों को मिली नयी जिंदगी

जयपुर: राजस्थान के झुंझुनू जिले के एक 'ब्रेन डेड' घोषित युवा के अंगदान से कई मरीजों को नई जिंदगी मिली है। चिकित्सकों के अनुसार 19 साल के इस युवक के परिजनों ने उसके अंग दान करने पर सहमति जताई थी। रसूलपुर अहीरान गांव के जिज्ञांशु के सिर में 23 मई को सड़क दुर्घटना में गंभीर चोट लग गई थी। उसका यहां जयपुर के संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल हॉस्पिटल (एसडीएमएच) में इलाज हो रहा था। अस्पताल के अनुसार युवक को शुरू में नारनौल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था लेकिन उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जयपुर रेफर कर दिया गया था। डॉक्टरों की कोशिशों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका और मेडिकल प्रोटोकॉल के अनुसार 'ब्रेन डेड' घोषित कर दिया गया। अस्पताल की टीम के सुझाव पर परिवार ने मानवता की मिसाल पेश

करते हुए 27 मई को अंग दान की सहमति दे दी। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि एसडीएमएच, एम्स जोधपुर और एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर की टीमों ने रात भर अंग निकालने की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया। उसके लिवर (यकृत) को प्रतिरोपण के लिए जोधपुर ले जाने के लिए 'ग्रीन कॉरिडोर' बनाया गया वहीं एसडीएमच में ही 'कैडेवर किडनी ट्रांसप्लांट' भी किया गया।

बलात्कार के दोषी आसाराम ने जोधपुर जेल में आत्मसमर्पण कर दिया

जोधपुर: प्रवचनकर्ता आसाराम ने बृहस्पतिवार शाम जोधपुर केंद्रीय कारावास में अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। इससे एक दिन पहले राजस्थान उच्च न्यायालय ने 2013 के नाबालिग से बलात्कार मामले में उनकी आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखते हुए उनकी अंतरिम जमानत रद्द कर दी थी जिसके बाद आसाराम ने यह कदम उठाया। दिन में उनकी आगमन की खबर सुनकर बड़ी संख्या में समर्थक जोधपुर हवाई अड्डे पर जमा हो गए थे। आसाराम ने अपने वाहन के अंदर से अपने अनुयायियों का अभिवादन किया और उन्हें आशीर्वाद दिया और इसके बाद वह पाली गांव स्थित अपने आश्रम की ओर रवाना हुए। जोधपुर में अपने आश्रम में कुछ समय बिताने के बाद वह चिकित्सा परीक्षण के लिए एम्स गए और शाम को उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया। उच्च न्यायालय की जोधपुर पीठ ने बुधवार को आसाराम की अपील खारिज कर दी थी और सात जुलाई तक बढ़ाई गई अंतरिम जमानत रद्द कर दी। फैसले के समय आसाराम उत्तराखंड के हरिद्वार में थे। वह अक्टूबर से जमानत पर थे। उनके वकील ने कहा था कि वह आदेश का अध्ययन कर रहे हैं और उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने के लिए आगे की कार्रवाई करेंगे। न्यायमूर्ति अरुण मोंगा और न्यायमूर्ति योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने इस सनसनीखेज मामले में विस्तृत फैसला सुनाते हुए निचली अदालत द्वारा दी गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा था।

अमृतसर में आम आदमी पार्टी के नेता पर गोली चलाई गई, हालत गंभीर

अमृतसर: पंजाब में बृहस्पतिवार को आम आदमी पार्टी (आप) के एक नेता को अज्ञात लोगों ने कथित रूप से गोली मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि वार्ड नंबर 42 के पार्टी प्रभारी जयपाल सिंह बाऊ पर कुछ महीने पहले कार पार्किंग को लेकर पड़ोसी से हुए विवाद के वजह से कथित तौर पर हमला किया गया। अधिकारी ने बताया कि बाऊ पर जान से मारने की नीयत से दो गोलियां चलाई गईं। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल बाऊ को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी आपात सर्जरी की गई।

म्यांमा के राष्ट्रपति 30 मई से पांच दिन की भारत यात्रा पर रहेंगे

नयी दिल्ली: म्यांमा के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए शनिवार से भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान व्यापार और रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। दिसंबर से जनवरी तक पड़ोसी देश में हुए संसदीय चुनाव के बाद म्यांमा से भारत की यह पहली उच्च-स्तरीय यात्रा है। म्यांमा के राष्ट्रपति को एक जून को 'इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस' शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आना था। शिखर सम्मेलन स्थगित होने के कारण उनकी यात्रा पुन: निर्धारित की गई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि उनके साथ कई कैबिनेट मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और व्यापारिक नेताओं सहित एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा। इसने कहा कि राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग एक जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ दोनों देशों के बीच 'ऐतिहासिक एवं सभ्यतागत' संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। मंत्रालय ने कहा, 'इस यात्रा के तहत राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग 30 मई को बोधगया और 2 जून को मुंबई की यात्रा करेंगे, जहां वह व्यापार और उद्योग जगत से बातचीत करेंगे तथा विभिन्न स्थलों का दौरा करेंगे।'

नासिक टीसीएस मामला: एसआईटी ने दूसरा आरोप-पत्र दाखिल किया

नासिक (महाराष्ट्र): टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) इकाई में कथित यौन उत्पीड़न और जबरन धर्मांतरण मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बृहस्पतिवार को यहां एक अदालत में अपना दूसरा आरोप-पत्र दाखिल किया। अधिकारियों ने बताया कि यह आरोप-पत्र रजा रफीक मेमन, शाहरुख हुसैन शौकत कुरेशी, अश्विनी अशोक चैनानी, तौसीफ बिलाल अत्तर, शफी भीकन शेख, दानिश इजाज शेख, निदा इजाज खान और अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों के तहत यहां मुंबई नाका पुलिस थाने में दर्ज एक प्राथमिकी से संबंधित है। उन्होंने बताया कि आरोप-पत्र यहां अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में दाखिल किया गया। एसआईटी ने 22 मई को दानिश एजाज शेख, तौसीफ बिलाल अत्तर, निदा एजाज खान और मतीन मजीद पटेल के खिलाफ देवलाली कैंप पुलिस थाने में दर्ज एक मामले में सत्र अदालत के समक्ष 1,500 पृष्ठों का आरोप-पत्र दाखिल किया था। आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टीसीएस की नासिक इकाई में कई महिला कर्मचारियों द्वारा शोषण, जबरन धर्मांतरण के प्रयास, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, छेड़छाड़ और मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगाये जाने के बाद एसआईटी का गठन किया गया था।

विजयन के आवास पर छापे के बाद ईडी अधिकारियों पर हमले के मामले में 12 लोग गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम: केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के आवास पर छापेमारी करने पहुंचे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के वाहनों पर हुए हिंसक हमले के सिलसिले में अब तक 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने यह भी कहा कि और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं, क्योंकि स्थानीय माकपा नेता आई. पी. बीनू सहित कुछ अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया है। इससे पहले दिन में राज्य पुलिस प्रमुख रावदा ए. चंद्रशेखर ने गृह मंत्री रमेश चेन्निथला से उनके आवास पर मुलाकात की और हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई का संकल्प लिया। पुलिस प्रमुख ने यह भी कहा कि उन्होंने इस मामले पर गृह मंत्री से चर्चा की थी, जिन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने सुबह बताया, आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और हमने कुछ और लोगों की पहचान कर ली है। शाम तक इस घटना के सिलसिले में चार और लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। राज्य के पुलिस प्रमुख ने बताया कि बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी की सूचना मिलने के बाद विजयन के आवास पर विभिन्न स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था।

जल विवादों का समाधान सहयोग के जरिये किया जाए: प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यों से कहा

नयी दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यों से सहयोग, समय पर मंजूरी और प्रौद्योगिकी आधारित निगरानी के माध्यम से अंतरराज्यीय जल विवादों का समाधान करने की अपील करते हुए कहा है कि केन-बेतवा परियोजना को एक आदर्श के रूप में काम करना चाहिए। बुधवार शाम को आयोजित 51वीं 'प्रगति' बैठक की अध्यक्षता करते हुए, प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि सार्वजनिक परियोजनाओं को लागू करने में देरी से न केवल लागत बढ़ती है, बल्कि नागरिकों को जरूरी सुविधाओं और विकास के लाभ भी समय पर नहीं मिल पाते। उन्होंने कहा कि हर देरी का लोगों के जीवन, क्षेत्रीय विकास और सार्वजनिक संसाधनों पर सीधा असर पड़ता है। बैठक में नौ राज्यों में रेलवे, बिजली और सड़क क्षेत्र की लगभग 30,000 करोड़ रुपये की सात महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं की समीक्षा की गई। मोदी ने बृहस्पतिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कल के 'प्रगति' सत्र के दौरान, 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की समीक्षा की गई। इनमें रेलवे, बिजली और सड़क संपर्क जैसे क्षेत्र शामिल हैं। बंदरगाहों, स्वच्छ भारत मिशन के दूसरे संस्करण और सामाजिक क्षेत्र की अन्य योजनाओं से संबंधित पहलुओं पर भी चर्चा की गई।'' एक आधिकारिक बयान के अनुसार, केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की समीक्षा करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि इसे अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श के रूप में काम करना चाहिए, ताकि वे भी आपसी सहयोग, समय पर मंजूरी, प्रौद्योगिकी-आधारित निगरानी और 'मिशन-मोड' में काम करके राज्यों के बीच जल-संबंधी विवादों को सुलझा सकें। बयान में कहा गया है कि राज्यों को ऐसे ही अन्य अवसरों की पहचान करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, जहां नदी जोड़ो, जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और कुशल सिंचाई जैसे कार्यों को एकीकृत तरीके से अपनाया जा सके, ताकि भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। 'प्रगति' सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) सक्षम, मल्टी-मॉडल प्लेटफॉर्म है। इसका उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों को सुचारू रूप से एकीकृत करके सक्रिय शासन और समय पर कार्यान्वयन को बढ़ावा देना है। ये सात महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाएं आर्थिक विकास और जन कल्याण के लिए महत्वपूर्ण हैं और इनकी समीक्षा समयसीमा, अंतर-एजेंसी समन्वय और समय पर मुद्दों के समाधान पर ध्यान केंद्रित करते हुए की गई। प्रधानमंत्री ने केन-बेतवा लिंक परियोजना के अलावा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के दूसरे संस्करण की भी समीक्षा की। मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि बिजली की लागत को कम करने, ऊर्जा सुरक्षा में सुधार करने तथा घरेलू और सामुदायिक स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए छतों पर सोलर पैनल को 'मिशन मोड' में अपनाया जाना चाहिए। सड़क और बंदरगाह कनेक्टिविटी परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए, इस बात पर जोर दिया गया कि वधावन बंदरगाह को 'बंदरगाह-आधारित, बहु-माध्यम विकास' के एक मॉडल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए, जिसमें भविष्य को ध्यान में रखते हुए परिवहन के हर प्रमुख माध्यम को जोड़ा जाए। इस परियोजना को केवल एक बंदरगाह के रूप में नहीं, बल्कि एक 'राष्ट्रीय प्रवेश द्वार' के रूप में देखा जाना चाहिए, जो तटीय नौवहन, अंतर्देशीय जलमार्गों, समर्पित माल ढुलाई गलियारों, हाई-स्पीड रेल कनेक्टिविटी, राजमार्गों और हवाई अड्डों से जुड़ा हो।

प्रधानमंत्री मोदी ने सावरकर की 143वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

नयी दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को विनायक दामोदर सावरकर की 143वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनका साहस और देशभक्ति हमेशा लोगों को प्रेरित करती रहेगी। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'वीर सावरकर को उनकी जयंती पर नमन। उनका साहस और राष्ट्रभक्ति हमेशा लोगों को प्रेरित करेगी। उनकी बुद्धिमत्ता और सामाजिक सुधारों पर दिया गया जोर भी उल्लेखनीय है।' प्रधानमंत्री ने सावरकर को 'महान क्रांतिकारी और प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक' बताते हुए कहा कि वीरता और बुद्धिमत्ता से भरा उनका व्यक्तित्व देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सिक्किम पुलिस को 'राष्ट्रपति पुलिस ध्वज' से सम्मानित किया

गंगटोक: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को गंगटोक के पालजोर स्टेडियम में आयोजित एक समारोह में सिक्किम पुलिस को प्रतिष्ठित 'राष्ट्रपति पुलिस ध्वज' प्रदान किया। सिक्किम अब यह पुरस्कार प्राप्त करने वाला देश का 15वां राज्य और पूर्वोत्तर का तीसरा राज्य बन गया है। 'राष्ट्रपति पुलिस ध्वज' को 'निशान' के नाम से भी जाना जाता है। यह भारत में किसी राज्य या केंद्रीय पुलिस बल को असाधारण सेवा, वीरता और व्यावसायिकता के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च औपचारिक सम्मान है। 'राष्ट्रपति पुलिस ध्वज' से सम्मानित राज्य पुलिस के अधिकारियों को वर्दी पर एक विशेष प्रतीक चिन्ह धारण करने का अधिकार प्राप्त होता है। इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा, मुझे सिक्किम पुलिस को 'विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक' प्रदान करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह सम्मान सिक्किम पुलिस के सभी सदस्यों के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के प्रति समर्पित रहने के लिए सिक्किम पुलिस की प्रशंसा की। सिक्किम पुलिस की स्थापना 1897 में हुई थी। राष्ट्रपति ने कहा कि पुलिस का स्वरूप औपनिवेशिक रहा है क्योंकि इसे लोगों की सेवा करने के बजाय उन्हें नियंत्रित करने के लिए बनाया गया था। उन्होंने कहा कि इस मानसिकता में बदलाव आना चाहिए और पुलिस को नागरिकों का सहयोगी और मार्गदर्शक बनना चाहिए। मुर्मू ने कहा, अब साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी, 'हैकिंग और डीपफेक' जैसी नयी चुनौतियां सामने आ रही हैं। इन नयी चुनौतियों से निपटने के लिए पुलिस को नवीनतम तकनीक, साइबर सुरक्षा और डिजिटल जांच में निपुण होना होगा। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने सिक्किम पुलिस को राष्ट्रपति पुलिस ध्वज से सम्मानित किए जाने की सराहना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, सिक्किम और उसकी पुलिस के लिए यह अत्यंत गौरव और सम्मान की बात है कि हमें प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुलिस ध्वज प्राप्त हुआ है। तमांग ने कहा कि यह विशिष्ट सम्मान राज्य भर में शांति, सद्भाव और सुरक्षा की रक्षा में बल के समर्पण, अनुशासन, व्यावसायिकता, साहस और निस्वार्थ सेवा को दर्शाता है।

भोजशाला परिसर विवाद: उच्चतम न्यायालय में एक और याचिका दाखिल

नयी दिल्ली: उच्चतम न्यायालय में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देते हुए एक नई याचिका दायर की गई है, जिसमें कहा गया है कि धार जिले का विवादित भोजशाला परिसर देवी सरस्वती का मंदिर है। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा था कि भोजशाला परिसर के प्रशासन और प्रबंधन पर केंद्र और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) निर्णय ले सकते हैं। हिंदू समुदाय भोजशाला को देवी सरस्वती का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम समुदाय 11वीं शताब्दी के इस स्मारक को कमाल मौला मस्जिद कहता है। मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित विवादित परिसर एएसआई द्वारा संरक्षित है। जेब्रान अंसारी नामक एक व्यक्ति ने उच्च न्यायालय के 15 मई के आदेश को चुनौती दी है। इससे पहले, मस्जिद के कार्यवाहक काजी मोइनुद्दीन ने उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी। हिंदू पक्ष ने पहले ही उच्चतम न्यायालय में एक कैविएट दायर कर कहा है कि भोजशाला परिसर विवाद मामले में उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ किसी भी अपील पर बिना उसका पक्ष सुने कोई आदेश पारित न किया जाए। जितेंद्र सिंह 'विशेन' द्वारा अधिवक्ता बरुण कुमार सिन्हा के माध्यम से दायर कैविएट में कहा गया, 'उक्त मामले में मुझे सूचना दिए बिना कोई आदेश न दिया जाए।' विशन इस मामले में छठे याचिकाकर्ता थे, जिस पर इंदौर उच्च न्यायालय की एक पीठ ने फैसला सुनाया। उच्च न्यायालय ने एएसआई के सात अप्रैल, 2003 के उस आदेश को भी रद्द कर दिया है, जिसमें मुसलमानों को भोजशाला परिसर के अंदर हर शुक्रवार को नमाज अदा करने की अनुमति दी गई थी। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि मुस्लिम समुदाय मस्जिद के निर्माण के लिए जिले में अलग से भूमि आवंटन के लिए मध्य प्रदेश सरकार से संपर्क कर सकता है। अपने बहुप्रतीक्षित फैसले में उच्च न्यायालय ने कहा कि भोजशाला परिसर में संस्कृत शिक्षण केंद्र और देवी सरस्वती के मंदिर के अस्तित्व के संकेत मिले हैं। उच्च न्यायालय ने इस मामले से संबंधित पांच याचिकाओं और एक रिट अपील पर फैसला सुनाया।

भाजपा ने पंजाब इकाई के अध्यक्ष पद के लिए मालवा से सिख चेहरे पर लगाया दांव

चंडीगढ़: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब इकाई के अध्यक्ष पद के लिए सिख चेहरे के रूप में केवल सिंह ढिल्लों को बृहस्पतिवार को चुना। ढिल्लों राज्य के राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माने जाने मालवा क्षेत्र से आते हैं, जहां पंजाब विधानसभा की 117 में से 69 सीटें आती हैं। राज्य में अगले वर्ष की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। उद्योगपति-नेता ढिल्लों को 1980 के दशक में उग्रवाद के दौर में पंजाब में पेप्सिको को लाने का श्रेय दिया जाता है, जब राज्य में कोई भी निवेश करने को तैयार नहीं था। भाजपा द्वारा पार्टी की पंजाब इकाई के अध्यक्ष के रूप में नाम की घोषणा के बाद पूर्व विधायक ढिल्लों (76) ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों के बाद राज्य में भाजपा सरकार बनाएगी। वह पार्टी की प्रदेश इकाई का नेतृत्व करने वाले पहले जाट सिख नेता होंगे। उन्होंने कहा, 'पंजाब में सरकार बनाने के बाद हम इसे सभी क्षेत्रों में नंबर एक राज्य बना देंगे। पश्चिम बंगाल के बाद अब पंजाब में भी कमल खिलेगा।'' ढिल्लों बरनाला से दो बार विधायक रह चुके हैं। वह 2007 और 2012 में कांग्रेस के टिकट पर विधायक निर्वाचित हुए थे। हालांकि, 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने उन्हें टिकट नहीं दिया था। ढिल्लों 2022 में भाजपा में शामिल हुए और बाद में पार्टी की प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए। ढिल्लों ने सुनील जाखड़ का स्थान लिया है, जिन्हें जुलाई 2023 में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। सूत्रों के अनुसार, पंजाब भाजपा के कुछ नेता लंबे समय से पार्टी की प्रदेश इकाई की कमान किसी सिख चेहरे को सौंपने की मांग कर रहे थे।

मुस्लिम संगठनों ने सांप्रदायिक सौहार्द की अपील की, ईद पर गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने की मांग

नयी दिल्ली: सांप्रदायिक सौहार्द और आपसी सम्मान की अपील करते हुए, मुस्लिम संगठनों ने बृहस्पतिवार को ईद-उल-अज़हा की नमाज के बाद दिल्ली के सीलमपुर इलाके में प्रदर्शन किया और गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने की मांग की। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने 'गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करो' लिखी तख्तियां और पोस्टर हाथों में लेकर न्यू सीलमपुर की संकरी गलियों में मार्च निकाला। यह प्रदर्शन ईद-उल-अज़हा से पहले जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी द्वारा उठाई गई मांग के समर्थन में किया गया। उत्तर प्रदेश और राजस्थान सहित कई राज्यों में कुछ मुस्लिम संगठनों द्वारा इस मांग को लेकर व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। प्रदर्शन में शामिल एक व्यक्ति ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''यह पहल देश में भाईचारे को मजबूत करने और शांति एवं सौहार्द का संदेश देने के उद्देश्य से की गई है।'' एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि गाय ''भारतीय संस्कृति और आस्था का एक महत्वपूर्ण प्रतीक'' है और उसे राष्ट्रीय पशु का दर्जा दिया जाना चाहिए। अन्य लोगों ने कहा कि यह पहल समुदायों के बीच सम्मान को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से भी की गई। यह प्रदर्शन इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि ऐसी मांगें हिंदू संगठन करते रहे हैं। कई राज्यों में कई मुस्लिम संगठनों ने मदनी की इस अपील का समर्थन किया है और उम्मीद जताई है कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने से गो-हत्या को लेकर राजनीतिक तनाव कम होगा तथा इस मुद्दे से जुड़ी भीड़ हिंसा की घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी।

नितिन नवीन ने 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए जमीनी स्तर पर काम शुरू किया

नयी दिल्ली: भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने बृहस्पतिवार को उत्तराखंड के तीन दिवसीय दौरे की शुरुआत करते हुए अगले साल सात राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की तैयारियों को तेज करने हेतु जमीनी स्तर पर काम शुरू कर दिया है। उत्तराखंड में अपने प्रवास के दौरान, नवीन भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ कई बैठकें करेंगे तथा राज्य में पार्टी की चुनावी तैयारियों पर उनकी प्रतिक्रिया जानेंगे। सूत्रों के अनुसार, भाजपा अध्यक्ष अपने दौरे के दौरान उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात करेंगे और चुनाव तैयारियों पर चर्चा करने एवं प्रतिक्रिया जानने के लिए राज्य के मंत्रियों के साथ भी बैठक करेंगे। इस संबंध में पार्टी के एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का उत्तराखंड दौरा इसकी शुरुआत है। वह उन सभी राज्यों का एक-एक करके दौरा करेंगे, जहां अगले साल चुनाव होना है।' सूत्र ने कहा, 'इनमें से प्रत्येक राज्य में वह लगभग तीन दिन रुकेंगे और विधायकों सहित पार्टी कार्यकर्ताओं तथा नेताओं के साथ बैठकें करेंगे और उनकी प्रतिक्रिया प्राप्त करेंगे। यह सिलसिला अब जारी रहेगा।' अगले साल गोवा, गुजरात, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव होना है। पंजाब को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में भाजपा सत्ता में है।

रूस भारत के साथ शिक्षा सहयोग के नए रास्ते तलाशने के लिए उत्सुक : राजदूत

नयी दिल्ली: रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि रूस शिक्षा के क्षेत्र में भारत के साथ सहयोग के नए रास्ते तलाशने एवं मौजूदा ढांचे का विस्तार करने के लिए 'अत्यधिक उत्सुक' है। उन्होंने दूसरे रूस-भारत शिक्षा शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन में कहा, 'हमारा सहयोग विश्वविद्यालयों से परे भी विस्तारित होना चाहिए।' रूसी राजदूत ने कहा, 'इसे स्कूलों, भाषा और संस्कृति कार्यक्रमों, युवाओं की आकांक्षाओं और उन उद्योगों तथा व्यवसायों तक पहुंचना चाहिए जो हमारे राष्ट्रों के भविष्य को आकार देंगे।' उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण कदम पहले ही उठाए जा चुके हैं क्योंकि रूसी विश्वविद्यालय ओलंपियाड, ऑनलाइन पाठ्यक्रम और शैक्षिक पहलों के माध्यम से भारतीय स्कूलों के साथ सीधे जुड़ रहे हैं जो प्रतिभाशाली युवाओं को शुरुआती चरण से ही रूस में अवसरों की खोज करने में मदद करते हैं। अलीपोव ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा शिखर सम्मेलन दोनों देशों के बीच शैक्षिक संबंधों की बढ़ती मजबूती को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि रूस में लगभग तीन लाख अंतरराष्ट्रीय छात्र पढ़ते हैं, जिनमें से लगभग 40 हजार भारत से हैं।

जम्मू-कश्मीर: आतंक-रोधी अभियान के छठे दिन आतंकवादी ठिकानों पर नये सिरे से हमले किये गये

जम्मू: जम्मू-कश्मीर में राजौरी जिले के घने जंगलों में आतंक-रोधी अभियान बृहस्पतिवार को लगातार छठे दिन भी जारी रहा और सुरक्षा बलों ने संदिग्ध आतंकवादी ठिकानों पर नये सिरे से गोलीबारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, एक स्वघोषित कमांडर समेत दो से तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों के इस क्षेत्र में छिपे होने की आशंका है। यह कार्रवाई उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा द्वारा इलाके का दौरा करने और घने जंगलों में जारी आतंकवाद-रोधी अभियान की समीक्षा करने के एक दिन बाद की गई। अधिकारियों ने बताया कि मांजकोट क्षेत्र के डोरिमल-गंभीर मुगला इलाके में संदिग्ध ठिकानों पर गोलीबारी शुरू की गई। उन्होंने बताया कि गोलीबारी और 'मल्टीपल ग्रेनेड लॉन्चर' (एमजीएल) के जरिये किये गये हमलों के कारण वन क्षेत्रों से धुएं का गुबार दिखाई दिया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बल आतंकवादियों की संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रहे हैं। सुरक्षा बलों ने सोमवार को गोलीबारी के बाद एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया था। अधिकारियों ने बताया कि हेलीकॉप्टर, ड्रोन और खोजी कुत्तों की मदद से सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अर्धसैनिक बलों की संयुक्त टीम आसपास के इलाकों में व्यापक तलाशी अभियान चला रही हैं।

किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी: धर्मेंद्र प्रधान

नयी दिल्ली: केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बृहस्पतिवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि छात्रों के सामने आने वाली समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी तरीके से समाधान सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के मुख्यालय में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रधान ने कहा कि किसी भी प्रकार की चूक या लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। 'ऑन-स्क्रीन मार्किंग' प्रणाली को लेकर उठे विवाद के बीच सीबीएसई ने कहा है कि यह एक 'सुरक्षित और मजबूत सूचना प्रौद्योगिकी मंच' है और वास्तविक मूल्यांकन पोर्टल में किसी भी तरह की सेंध या चूक की कोई सूचना नहीं है। सीबीएसई ने यह भी कहा कि इस मंच का, पैनल में शामिल एजेंसियों से सुरक्षा ऑडिट कर परीक्षण और प्रमाणन कराया गया है। बोर्ड के अनुसार, यह प्रणाली मजबूत डिजिटल ढांचे से लैस है, जिसमें उत्तर पुस्तिकाओं की सुरक्षित स्कैनिंग और प्रसंस्करण के लिए कई स्तर की गुणवत्ता जांच और सुरक्षा उपाय शामिल हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि द्वारका स्थित बोर्ड मुख्यालय में आयोजित इस बैठक में स्कूल शिक्षा सचिव संजय कुमार, सीबीएसई अध्यक्ष राहुल सिंह, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास और आईआईटी, कानपुर के निदेशक तथा शिक्षा मंत्रालय, केंद्रीय विद्यालय संगठन, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और सीबीएसई के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

तेलंगाना के काजिपेट स्थित रेल निर्माण इकाई जल्द शुरू होगी: वैष्णव

नयी दिल्ली: रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को तेलंगाना की काजिपेट रेल निर्माण इकाई की प्रगति की समीक्षा की और कहा कि यह जल्द ही शुरू होगी। वैष्णव ने कहा, 'शुरुआत में, काजिपेट अगले पांच वर्षों में 200 अंतर-शहरी रेलगाड़ियों का निर्माण करेगा।' अधिकारियों ने बताया कि इन रेलगाड़ियों को देशभर में 300 किलोमीटर तक की छोटी दूरी की यात्रा के लिए चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक यात्रा में कई पड़ाव होंगे, जिससे नागरिकों को कस्बों और शहरों के बीच सुविधाजनक रूप से यात्रा करने में मदद मिलेगी। मंत्रालय ने कहा, 'चाहे उच्च शिक्षा के लिए पास के शहरों की यात्रा करने वाले छात्र हों या स्वास्थ्य सेवा और काम से संबंधित जरूरतों के लिए आने-जाने वाले आम लोग हों, ये रेलगाड़ियां अंतर-शहरी यात्रा के लिए एक नया किफायती विकल्प प्रदान करेंगी।'

प्रतिबंध के बावजूद भी बाजार में 'वेप' उपलब्ध, संसद में उठाया जाएगा यह मुद्दा : स्वाति मालीवाल

नयी दिल्ली: राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने बृहस्पतिवार को 'वेपिंग' को नशे की लत का एक नया जरिया बताते हुए कहा कि वह इस मुद्दे को संसद में उठाएंगी। उन्होंने आगाह किया कि देशव्यापी प्रतिबंध के बावजूद 12 साल की उम्र के बच्चों में भी ई-सिगरेट के इस्तेमाल का चलन तेजी से बढ़ रहा है। विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2026 से पहले 'मदर्स अगेंस्ट वेपिंग' (एमएवी) द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में, मालीवाल ने 'वेपिंग' को एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरा बताया जो बच्चों के बीच तेजी से नशे का एक आम जरिया बन गया है। बच्चों और युवाओं के बीच नये जमाने के निकोटीन उत्पादों के सेवन के खिलाफ काम करने वाले समूह, 'मदर्स अगेंस्ट वेपिंग' ने कहा कि ऐसे उत्पाद निकोटीन की लत और मादक पदार्थों पर व्यापक निर्भरता की ओर ले जाने वाले प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करते हैं। मालीवाल ने कहा, 'बतौर संसद सदस्य, मैं इस मुद्दे का पूरी तरह से समर्थन करती हूं और संसद में इस मुद्दे को उठाने की पूरी कोशिश करूंगी।'' उन्होंने कहा, 'इनमें किसी भी प्रकार के खतरे का कोई संकेत नहीं है, और यही असल समस्या है।' उन्होंने कहा, 'वेप रासायनिक तरल पदार्थ को गर्म करके एरोसोल बनाता है जो सीधे फेफड़ों में जाता है। यह वाष्प या हानिरहित धुआं नहीं है। यह निकोटीन, डायएसिटाइल, फॉर्मेल्डिहाइड और कई भारी धातुओं का एक जहरीला मिश्रण है।' इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम, 2019 का हवाला देते हुए, मालीवाल ने कहा कि भारत ने ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगाकर 'बहुत मजबूत और निर्णायक कदम' उठाया है, लेकिन दावा किया कि 'वेपिंग' उपकरण अभी भी अनधिकृत बाजार में, विशेष रूप से महानगरों में, उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, '12 साल के बच्चे भी इन उपकरणों का इस्तेमाल करने लगे हैं।' उन्होंने कहा कि 'वेपिंग' के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव बेहद गंभीर हैं। मालीवाल ने किशोरों के मस्तिष्क विकास, फेफड़ों की क्षति, हृदय संबंधी समस्याओं, कैंसरकारी पदार्थों के संपर्क में आने तथा मानसिक स्वास्थ्य पर ई-सिगरेट और 'वेपिंग' के प्रभाव से जुड़ी प्रमुख चिंताओं को भी रेखांकित किया।

त्विषा मौत मामला: सीबीआई ने सास एवं पूर्व न्यायाधीश गिरिबाला सिंह को गिरफ्तार किया

भोपाल: मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा पूर्व जिला न्यायाधीश गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत रद्द किए जाने के एक दिन बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बृहस्पतिवार को सिंह को उनकी बहू त्विषा शर्मा की मौत के मामले में गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई की एक टीम ने सिंह को हिरासत में लेने से पहले भोपाल के बाग मुगलिया एक्सटेंशन इलाके में उनके आवास पर उनसे पूछताछ की। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी पूर्व न्यायाधीश को औपचारिक तौर पर हिरासत में लेने के लिए उन्हें शुक्रवार को सक्षम अदालत के समक्ष पेश कर सकती है। सिंह के बेटे और त्विषा के पति समर्थ सिंह पहले से ही केंद्रीय एजेंसी की हिरासत में हैं। समर्थ पेशे से वकील हैं। अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई की योजना 33 वर्षीय पूर्व मॉडल-अभिनेता की मौत की परिस्थितियों की जांच के लिए मां-बेटे का आमना-सामना कराना है ताकि उनके बयानों से तथ्य सामने लाया जाए।

कनाडा के साथ व्यापार समझौते में संवेदनशील क्षेत्रों को अलग रखने पर सहमति: गोयल

नयी दिल्ली : भारत और कनाडा ने प्रस्तावित 'व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते' (सीईपीए) पर जारी वार्ता में जल्दी सहमति बन सकने वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है जबकि संवेदनशील क्षेत्रों को फिलहाल अलग रखा जाएगा। कनाडा की आधिकारिक यात्रा पर गए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि दोनों देशों ने बातचीत को व्यावहारिक बनाए रखने पर सहमति जताई है। सीईपीए पर तीसरे दौर की वार्ता इस समय ओटावा में जारी है। गोयल ने एक कार्यक्रम में कहा कि जिन मुद्दों को लेकर किसी भी पक्ष को संवेदनशीलता है, उन्हें समझौते में शामिल करने पर जोर नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा, हमने तय किया है कि बेहतर के चक्कर में

अच्छे अवसर नहीं गंवाए जाएंगे। आसान और जल्द परिणाम देने वाले क्षेत्रों पर पहले सहमति बनाई जाएगी। भारत आम तौर पर ऐसे व्यापार समझौतों में कृषि और डेयरी जैसे क्षेत्रों में अपने बाजार तक पहुंच देने से परहेज करता रहा है। दोनों देश इस साल के अंत तक समझौते को अंतिम रूप देने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। साथ ही, द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 17 अरब डॉलर से बढ़ाकर 2030 तक 50 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। गोयल ने कहा कि अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने सरकारी प्रतिनिधियों, उद्योग, निवेश कंपनियों, पेंशन कोष और बीमा क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें कीं। उन्होंने कनाडा की कंपनियों से निवेश का आह्वान करते हुए कहा कि भारत बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप परिवेश है, जहां करीब 2.3 लाख पंजीकृत स्टार्टअप हैं। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को देश की प्रमुख ताकत बताते हुए उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमता दिखाई है।

मुकेश अंबानी ने लगातार छठे साल नहीं लिया कोई वेतन

नयी दिल्ली : एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी ने लगातार छठे वर्ष अपनी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) से कोई वेतन नहीं लिया है। उनके लिए लाभांश ही कमाई का मुख्य जरिया बना हुआ है। कंपनी की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, 69 वर्षीय अंबानी ने वित्त वर्ष 2025-26 में वेतन, भत्ते, सुविधाओं और सेवानिवृत्ति लाभ के रूप में कोई राशि नहीं ली। अंबानी ने वित्त वर्ष 2008-09 से 2019-20 तक अपने वार्षिक पारिश्रमिक को 15 करोड़ रुपये पर सीमित रखा था। इसके बाद वित्त वर्ष 2020-21 से उन्होंने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर स्वेच्छा से अपना वेतन छोड़ दिया था। उन्होंने तब यह निर्णय लिया था कि जब तक कंपनी और उसके सभी व्यवसाय अपनी पूर्ण कमाई क्षमता पर वापस नहीं आ जाते, वह वेतन नहीं लेंगे। उन्होंने पूरी तरह स्वैच्छिक रूप से अपने इस फैसले को वित्त वर्ष 2021-22, 2022-23, 2023-24, 2024-25 और अब 2025-26 में भी जारी रखा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वित्त वर्ष 2025-26 में 95,754 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे ज्यादा मुनाफा कमाया और कंपनी का बाजार मूल्य 18.19 लाख करोड़ रुपये रहा। करीब 100 अरब डॉलर के नेटवर्थ के साथ दुनिया के 21वें सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी की कमाई का मुख्य स्रोत लाभांश आय है। रिलायंस में उनकी सीधे तौर पर 1.61 करोड़ शेयर की हिस्सेदारी है, जिससे उन्हें वित्त वर्ष 2024-25 के लिए घोषित छह रुपये प्रति शेयर के लाभांश के आधार पर 9.66 करोड़ रुपये की लाभांश आय हुई।

पेप्सिको की नई पैकेजिंग पर स्पष्ट रूप से नजर आएगा 'कोई कृत्रिम स्वाद या रंग नहीं' का लेबल

नयी दिल्ली : पेप्सिको ने अपने खाद्य उत्पादों की नई पैकेजिंग पर ''कोई कृत्रिम स्वाद या रंग नहीं'' का 'लेबल' स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किए जाने की घोषणा की है। कंपनी के पास लेज, कुरकुरे और डोरिटोस जैसे लोकप्रिय स्नैक ब्रांड का स्वामित्व है। पेप्सिको ने बयान में कहा कि यह कदम उपभोक्ताओं को खरीद के समय अधिक सूचित निर्णय लेने में मदद करने के उद्देश्य से उठाया गया है, क्योंकि खाद्य लेबल पर ''सामग्री की पारदर्शिता'' पर जोर देने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। कंपनी की

मुख्य विपणन अधिकारी साक्षी वर्मा मेनन ने कहा कि उपभोक्ता-केंद्रित दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए पेप्सिको इंडिया ने विज्ञान एवं नवाचार पर आधारित जिम्मेदार और सूचित विकल्पों को प्राथमिकता दी है, क्योंकि वह अपने खाद्य खंड का विस्तार कर रही है। उन्होंने कहा, '' हम अपनी सामग्री से जुड़ी जानकारी को प्रमुखता से सामने ला रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं के लिए उन उत्पादों के भीतर मौजूद चीजों को पहचानना और उन पर भरोसा करना आसान हो सके। यह इस व्यापक बदलाव को भी दर्शाता है कि आज ब्रांड किस तरह केवल पारदर्शिता दावा मात्र नहीं कर रहे हैं बल्कि इसे स्पष्ट तौर पर प्रदर्शित कर रहे हैं। साथ ही उपभोक्ताओं के भरोसे को मजबूत किया जा रहा है।''

रुपये को अभी और गिरने दे आरबीआई, तरलता प्रबंधन को मिले प्राथमिकता: पूर्व गवर्नर सुब्बाराव

मुंबई : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने कहा है कि बाहरी दबावों को झेलने के लिए केंद्रीय बैंक को रुपये में कुछ और गिरावट आने देनी चाहिए और महंगाई का जोखिम बढ़ने पर ब्याज दर बढ़ाने के बजाय तरलता प्रबंधन जैसे उपायों को प्राथमिकता देनी चाहिए। सुब्बाराव ने पीटीआई-भाषा के साथ खास बातचीत में कहा कि विनिमय दर को संभालने के लिए मौद्रिक नीति का सहारा केवल 'अंतिम उपाय' के तौर पर लिया जाना चाहिए। वर्ष 2008 से लेकर 2013 तक आरबीआई के गवर्नर रह चुके सुब्बाराव ने कहा, ''रुपये के स्तर को बचाने के बजाय उसे परिस्थितियों के अनुरूप समायोजित होने देना चाहिए, क्योंकि कमजोर रुपया बाहरी झटकों को झेलने में मदद करता है।'' इसके साथ ही उन्होंने कहा, ''यदि आरबीआई को ऐसा लगता है कि महंगाई की स्थिति इसकी मांग करती है, तो वह मौद्रिक नीति को सख्त कर सकता है।'' भू-राजनीतिक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया संकट के कारण रुपया दबाव में है और इस महीने की शुरुआत में यह डॉलर के मुकाबले 97.15 के रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया। पश्चिम एशिया संकट की शुरुआत से रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अब तक करीब पांच प्रतिशत गिर चुका है जबकि इस वर्ष की शुरुआत से इसमें 6.1 प्रतिशत और एक साल के भीतर 10 प्रतिशत से अधिक गिरावट आई है। सुब्बाराव ने कहा कि आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सामने संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि दरों में कटौती से महंगाई और विनिमय दर पर दबाव बढ़ सकता है, जबकि आक्रामक दर बढ़ोतरी से आर्थिक वृद्धि प्रभावित हो सकती है।

सरकार खरीफ फसल पर अल नीनो के संभावित प्रभाव से निपटने को तैयार है: चौहान

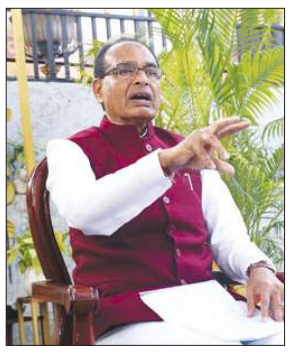

नयी दिल्ली : केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार इस वर्ष की खरीफ फसल पर अल नीनो के संभावित प्रभाव से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने साथ ही एकीकृत खेती और दालों तथा तिलहनों में आत्मनिर्भरता बढ़ाने पर जोर दिया। मंत्री ने यहां दो दिवसीय राष्ट्रीय खरीफ सम्मेलन के दौरान संवाददाताओं से कहा, '' चिंता करने के बजाय तैयारी जरूरी है। प्रभावित जिलों के लिए आकस्मिक योजनाएं बनाई जाएंगी और जहां आवश्यक होगा, वहां फसलों में बदलाव पर विचार किया जाएगा।'' उन्होंने बताया कि मंत्रालय अल नीनो के प्रभाव की स्थिति में वैकल्पिक फसलों के लिए जिलों की पहचान करने और बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने की प्रक्रिया में है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 13 अप्रैल को जारी अपने प्रथम चरण के पूर्वानुमान में 2026 के लिए सामान्य से कम दक्षिण-पश्चिम मानसून का अनुमान लगाया है जिसमें वर्षा दीर्घकालिक औसत का लगभग 92 प्रतिशत रहने की संभावना है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने मई-जुलाई के बीच अल नीनो जैसी परिस्थितियों की वापसी की संभावना जताई है। वहीं अमेरिका स्थित राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन (एनओएए) ने 11 मई के अपने 'ईएनएसओ अपडेट' में कहा कि मई-जून के दौरान अल नीनो परिस्थितियां विकसित हो सकती हैं और वर्ष के अंत तक बनी रह सकती हैं। अल नीनो स्थिति, प्रशांत महासागर के पूर्वी उष्णकटिबंधीय क्षेत्र के सतही जल के असामान्य रूप से गर्म होने से जुड़ी है। यह आमतौर पर भारत में अधिक गर्म और शुष्क मौसम से संबंधित रहता है। देश के कुछ हिस्सों में खरीफ की बुआई शुरू हो चुकी है, हालांकि यह अभी प्रारंभिक चरण में है।

वोडाफोन आइडिया का एयरटेल की 'प्रायोरिटी पोस्टपेड' सेवा पर तंज, किया नेटवर्क समानता का वादा

नयी दिल्ली : दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया ने सोशल मीडिया पर भारती एयरटेल की 'प्रायोरिटी पोस्टपेड' सेवा पर परोक्ष रूप से तंज कसा है और उपभोक्ताओं से अपने नेटवर्क पर आने की अपील की है। एयरटेल ने 19 मई को 'प्रायोरिटी पोस्टपेड' सेवा शुरू की थी, जिसमें पोस्टपेड ग्राहकों को भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भी बेहतर और स्थिर स्पीड देने का दावा किया गया है। इस सेवा को लेकर 'सबके लिए समान इंटरनेट' के नियमों के संभावित उल्लंघन पर बहस भी शुरू हो गई है। वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ना किसी को कम, ना ज्यादा। सबको समान नेटवर्क का वादा। मजबूत नेटवर्क सबका हक। वीआई को अपनाएं। एयरटेल के पास जहां देशभर में 5जी नेटवर्क मौजूद है, वहीं वीआई ने 110 से अधिक शहरों में 5जी सेवाएं शुरू की हैं। वीआई ने कहा कि वह अपने नेटवर्क को मजबूत करने के लिए लगातार निवेश कर रही है और उसने 2.2 लाख से अधिक नए टावर जोड़े हैं। कंपनी ने यह भी बताया कि वह नेटवर्क विस्तार के लिए 45,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की योजना पर काम कर रही है। उधर, संसद की एक समिति ने इस मुद्दे पर चिंता जताते हुए कहा है कि कुछ दूरसंचार कंपनियों की 'प्रायोरिटी पोस्टपेड' योजना सबके लिए समान इंटरनेट के सिद्धांतों को प्रभावित कर सकती है। एयरटेल ने समिति के समक्ष दलील दी है कि उसकी यह सेवा समान इंटरनेट के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करती और इससे प्रीपेड ग्राहकों की सेवा गुणवत्ता पर कोई असर नहीं पड़ता। वहीं देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो ने कहा है कि इस तरह की सेवाओं की पेशकश के पहले दूरसंचार विभाग और संबंधित प्राधिकरणों की समीक्षा जरूरी है।

रॉयल्स का 'वंडर किड' सूर्यवंशी गुजरात के गेंदबाजों के लिये सबसे बड़ी चुनौती

मुल्लांपुर : राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के दूसरे क्वालीफायर में गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों के सामने सबसे बड़ी चुनौती 'वंडर किड' वैभव सूर्यवंशी के बल्ले पर अंकुश लगाने की होगी जबकि उनके शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को भी आक्रामक खेल दिखाना होगा। दोनों टीमों के बीच पिछले मुकाबले में मोहम्मद सिराज ने शॉर्ट गेंद पर सूर्यवंशी को आउट किया था लेकिन इससे पहले उनकी गेंद पर शानदार छक्का पड़ा था। तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा को भी सूर्यवंशी ने नहीं बख्शा। पंद्रह बरस के इस बल्लेबाज ने एलिमिनेटर में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 29 गेंद में 97 रन बनाये थे। बल्लेबाजों की मददगार इस पिच पर सूर्यवंशी एक बार फिर

हर गेंद को पीटना चाहेंगे और गेंदबाज के रसूख की वह परवाह नहीं करते। इसलिये जसप्रीत बुमराह से लेकर पैट कमिंस तक सभी की गेंदों पर उन्होंने छक्के लगाये हैं। कुछ मैचों में सूर्यवंशी शॉर्ट गेंद पर विकेट गंवा बैठे हैं और गुजरात के गेंदबाज इसी पर फोकस करना चाहेंगे। रॉयल्स की सफलता की कुंजी सूर्यवंशी और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर साबित हुए हैं। सूर्यवंशी के शानदार फॉर्म के आगे यशस्वी जायसवाल छिप से गए हैं। ध्रुव जुरेल ने तीसरे नंबर पर अच्छी बल्लेबाजी की है। कप्तान रियान पराग ने कहा था कि रॉयल्स को बुधवार को 260 रन बनाने चाहिये थे लेकिन डैथ ओवरों में विकेट लगातार गिरते गए। उन्हें अपनी फिनिशिंग पर काम करना होगा। दूसरी ओर गुजरात के पास एक और आईपीएल फाइनल में पहुंचने का मौका है जिसे पिछली बार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने हराया था। गुजरात की टीम बल्लेबाजी में शीर्ष तीन शुभमन गिल, साइ सुदर्शन और जोस बटलर पर निर्भर है। अगर ये नहीं चले तो बड़ा स्कोर बनना मुश्किल है। अगर रॉयल्स ने 250 से अधिक रन बना लिये तो गिल और सुदर्शन पर दबाव आ जायेगा।

विनेश को चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति देने के फैसले के खिलाफ डब्ल्यूएफआई उच्चतम न्यायालय में

नयी दिल्ली : पहलवान विनेश फोगाट को एशियाई खेल 2026 के चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति देने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की है। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और आलोक अराधे की पीठ शुक्रवार को महासंघ की याचिका पर सुनवाई करेगी। 22 मई को उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने विनेश को एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति देते हुए कहा था कि डब्ल्यूएफआई की चयन नीति भेदभावपूर्ण थी क्योंकि मातृत्व अवकाश के बाद वापसी करने वाली उनके जैसी दिग्गज खिलाड़ी पर विचार करने का उसमें कोई अधिकारी नहीं था। उच्च न्यायालय ने आदेश दिया था कि 30 और 31 मई को होने वाले चयन ट्रायल की महासंघ द्वारा वीडियो रिकॉर्डिंग की जायेगी। इस दौरान भारतीय खेल प्राधिकरण और भारतीय ओलंपिक संघ का एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक भी मौजूद होगा।

अगर आप टी20 अंतरराष्ट्रीय में वैभव को अभी नहीं खिलाते, तो उसे कब मौका देंगे?: गावस्कर

नयी दिल्ली : महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट के लिए भगवान का उपहार हैं और उन्हें इंग्लैंड के आगामी सफेद गेंद के दौरे के लिए टीम में चुना जाना चाहिए, भले ही इसके लिए अंतिम एकादश में शीर्ष क्रम के किसी स्थापित बल्लेबाज को बाहर करना पड़े। गावस्कर ने आईपीएल एलिमिनेटर में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सूर्यवंशी की 29 गेंद में 97 रनों की शानदार पारी देखी थी और वह इस किशोर खिलाड़ी के निडर स्ट्रोकप्ले से बेहद प्रभावित हैं, खासकर जिस तरह से उन्होंने पैट कमिंस की गेंद पर सीधा छक्का जड़ा। गावस्कर ने यूट्यूब शो 'स्पोर्ट्स तक' पर कहा, ''2026 को वैभव सूर्यवंशी के साल के तौर पर याद किया जाएगा। वह (सूर्यवंशी) टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए तैयार हैं। '' उन्होंने कहा, ''इंग्लैंड के दौरे पर होने वाली टी20 सीरीज के लिए उन्हें चुना जाएगा। मेरा मतलब है कि इस शानदार प्रदर्शन के बाद वह टीम में चुने जाने के हकदार हैं। अगर आप इस प्रदर्शन के बाद उन्हें मौका नहीं देते, तो उन्हें मौका कब देंगे? '' भारत के पूर्व कप्तान को पूरा यकीन है कि उम्र कोई मायने नहीं रखनी चाहिए क्योंकि वह महज 15 साल की उम्र में ही हर तरह के गेंदबाजों की धुनाई कर रहे हैं।

होर्मुज पर निर्भरता घटाने के लिए आईएमईसी, हिंद-प्रशांत मार्ग अहम: ईवाई

नयी दिल्ली : देश को होर्मुज जलडमरूमध्य पर निर्भरता कम करने के लिए अपने व्यापार मार्गों में विविधता लाने और भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) तथा मलक्का जलडमरूमध्य के जरिये हिंद-प्रशांत मार्ग जैसे वैकल्पिक संपर्क गलियारों के विकास में तेजी लाने की जरूरत है। वित्तीय परामर्श कंपनी ईवाई की एक रिपोर्ट में यह कहा गया। ईवाई की 'इकॉनमी वॉच' की मई रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम एशिया संकट और बदलती वैश्विक व्यापार एवं आर्थिक व्यवस्था से उत्पन्न दबावों को देखते हुए भारत को अपनी वृद्धि रणनीति में बदलाव करना पड़ सकता है, ताकि मध्यम और दीर्घकालिक वृद्धि पथ को नुकसान से बचाया जा सके। इस महीने की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोने के आयात में कमी, विदेशी यात्राओं में कटौती और घरेलू ईंधन खपत घटाने जैसे मितव्ययिता उपायों का आह्वान किया था। रिपोर्ट में कहा गया कि भविष्य में भारत को अप्रत्याशित आर्थिक झटकों और कमजोरियों से निपटने की तैयारी करनी होगी। इसके तहत सरकार कच्चे तेल, एलपीजी, उर्वरक, प्रसंस्कृत एवं अप्रसंस्कृत दुर्लभ खनिज पदार्थों, दवाओं और महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरणों के रणनीतिक भंडार तैयार करने पर विचार कर सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, अप्रत्याशित परमाणु और जैविक खतरों के प्रभाव को कम करने के लिए दोहरे उपयोग वाले बुनियादी ढांचे के निर्माण तथा चालू खाते और राजकोषीय घाटे को टिकाऊ स्तर पर बनाए रखने की रणनीति पर भी नए सिरे से काम करने की जरूरत है। इसमें कहा गया कि हरित और परमाणु ऊर्जा, विशेष रूप से थोरियम आधारित उत्पादन की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाने, स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास और इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर तेज बदलाव की भी आवश्यकता हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया कि पेट्रोलियम स्रोतों में हालिया विविधीकरण से भारत की होर्मुज जलडमरूमध्य पर निर्भरता कुछ कम हुई है।

एफएसएसएआई ने ट्रेन शौचालय में बर्तन धोने के वायरल वीडियो पर आईआरसीटीसी को नोटिस जारी किया

नयी दिल्ली : खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने बृहस्पतिवार को सरकारी कंपनी भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) को नोटिस जारी किया है। सूत्रों के अनुसार, भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो का स्वतः संज्ञान लेते हुए यह कदम उठाया है। इस वीडियो में ट्रेन के एक डिब्बे के शौचालय वाले हिस्से में बर्तन धोए जाते हुए दिखाया गया है। उन्होंने बताया कि भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने इस हरकत को (यदि यह सही है) आपत्तिजनक करार दिया है क्योंकि इससे भोजन दूषित हो सकता है। एक सूत्र ने बताया कि एफएसएसएआई ने इंडियन आईआरसीटीसी को इस सोशल मीडिया वीडियो का हवाला देते हुए नोटिस भेजा है। इस वीडियो में कथित तौर पर ट्रेन के शौचालय परिसर के अंदर बर्तन धोए जा रहे हैं।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे मैच में बेहतर प्रदर्शन करने उतरेगा भारतीय महिला हॉकी टीम

पर्थ : अपने प्रदर्शन में सुधार की कोशिशों में जुटी भारतीय महिला हॉकी टीम आस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की श्रृंखला के तीसरे मैच में शुक्रवार को उतरेगी तो उसका लक्ष्य अपनी स्थिति और मजबूत करना होगा। भारतीय टीम ने पहले मैच में नवनीत कौर के गोल पर बढत बना ली थी लेकिन एबी विल्सन के दो गोल के दम पर आस्ट्रेलिया ने 2-1 से जीत दर्ज की। भारत ने दूसरा मैच शूटआउट में 4-2 से जीता जबकि निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 से बराबर था। कोच शोर्ड मारिन की टीम ने जबर्दस्त जुझारूपन दिखाते हुए चानू पुखरामबम के गोल के दम पर वापसी की थी।

किसी की जगह लेने की कोशिश नहीं कर रहा: ऑलराउंडर दुबे ने पहली बार भारतीय टीम में चुने जाने पर कहा

नागपुर : युवा स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर हर्ष दुबे भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी खुद की पहचान बनाना चाहते हैं और किसी अनुभवी सीनियर क्रिकेटर के 'विकल्प' के तौर पर नहीं पहचाने जाना चाहते। बाएं हाथ के स्पिनरों और बाएं हाथ के बल्लेबाजों की सूची में सबसे होनहार ऑलराउंडरों में से एक विदर्भ के 23 वर्षीय क्रिकेटर दुबे को अगले महीने अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट और तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए पहली बार भारतीय टीम में जगह मिली है। राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने संकेत दिया कि वे दुबे को भविष्य की संभावना के तौर पर देख रहे हैं।

हालांकि उन्होंने यह भी साफ किया कि अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा को अफगानिस्तान के खिलाफ इस टेस्ट मैच के लिए सिर्फ आराम दिया गया है। सनराइजर्स हैदराबाद के साथ आईपीएल सत्र पूरा करने के बाद नागपुर पहुंचने पर दुबे ने पीटीआई से कहा, ''इस मौके ने मुझे एक खिलाड़ी के तौर पर काफी आगे बढ़ने में मदद की है। मैं किसी की जगह लेने की कोशिश नहीं कर रहा हूं। मैंने इस मौके के लिए कड़ी मेहनत की है और मेरी यही मेहनत आज मुझे यहां तक लाई है। भविष्य के बारे में बहुत अधिक सोचने की जगह मेरा पूरा ध्यान इस बात पर है कि मुझे जब भी मौका मिले तो मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं।'' तीनों प्रारूप में 95 मुकाबलों में अब तक 198 विकेट ले चुके दुबे खुद पर बेवजह का दबाव नहीं डालना चाहते, विशेषकर अगर उन्हें छह जून से मुल्लांपुर में होने होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच की एकादश में जगह मिलती है तो।

ओलंपिक में जगह बनाने की कोशिश में जुटा योगासन

नयी दिल्ली : मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए प्राचीन भारतीय अभ्यास 'योग' को सदियों से आध्यात्मिक गुरुओं द्वारा प्रचारित किया जाता रहा है, लेकिन अब यह अगले एक दशक में एक आकर्षक वैश्विक खेल 'योगासन' बनने की उम्मीद कर रहा है। इस बड़ी योजना में 2036 के ओलंपिक में इसे पदक जीतने वाला खेल बनाने लायक करना शामिल है क्योंकि भारत अहमदाबाद में इन खेलों की मेजबानी की उम्मीद का सपना संजोए है। जहां ओलंपिक का आदर्श नारा है 'तेज, ऊंचा और मजबूत' 'योग' इस आंदोलन में थोड़ा 'ठहराव और संतुलन' जोड़ने की उम्मीद लगाए है। विश्व योगासन के उपाध्यक्ष उदित शेठ ने पीटीआई से कहा, '' हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि 2036 में योगासन एक पदक दिलाने वाला खेल बन जाए, भले ही ओलंपिक खेलों का आयोजन टिम्बकटू में ही क्यों नहीं हो। '' उन्होंने मजाक में माली के पांचवीं सदी के शहर 'टिम्बकटू' का जिक्र किया जो एक 'यूनेस्को विश्व हेरिटेज साइट' भी है। योगासन की एक खेल के तौर पर वैश्विक पहचान धीरे धीरे बढ़ रही है और इसे इस साल के एशियाई खेलों में 'प्रदर्शनी खेल' के तौर शामिल किया गया है। शेठ ने कहा कि 2032 ओलंपिक में इसका 'प्रदर्शनी खेल' के तौर पर शामिल कराना अगला लक्ष्य है। इस खेल के हितधारकों में भारत सरकार भी शामिल है और अहमदाबाद में चार से आठ जून तक 75 देशों की पहली योगासन विश्व चैंपियनशिप के साथ इसकी रफ्तार में तेजी आने की उम्मीद कर रहे हैं।

फर्राटा धाविका निपम का यादगार पदार्पण, हांगकांग में 100 मीटर में कांस्य पदक जीता

हांगकांग : निपम ने बृहस्पतिवार को यहां अंडर-20 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पहले दिन 100 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण को यादगार बनाया। अंडर-20 महिला 100 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक 18 वर्षीय निपम ने धीमी शुरुआत के बाद अपनी गति बढ़ाते हुए 11.62 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक जीत लिया। उत्तर प्रदेश की इस फर्राटा धाविका का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 11.53 सेकेंड है जो राष्ट्रीय अंडर-20 रिकॉर्ड भी है। उन्होंने अप्रैल में एक घरेलू प्रतियोगिता के दौरान यह रिकॉर्ड बनाया था। निपम ने कहा, ''मैं टीम के लिए कांस्य पदक जीतकर बहुत खुश हूं।'' निपम राष्ट्रीय चार गुणा 100 मीटर रिले टीम की भी सदस्य हैं और उन्हें चार दिवसीय इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में एक और पदक जीतने का पूरा भरोसा था। कतर की 16 वर्षीय दाना नूर सलेम ने 11.47 सेकेंड

के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि चीन की 16 वर्षीय शिनशुआन चेन ने 11.54 सेकेंड के समय के साथ रजत पदक अपने नाम किया। भारत के विकास कुमार पदक जीतने से चूक गए। वह पुरुषों की 3,000 मीटर दौड़ में चौथे स्थान पर रहे। उन्होंने आठ मिनट 24.88 सेकेंड का समय निकाला जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। महिलाओं की 400 मीटर हीट (शुरुआती दौर की रेस) में भारत की नीरू पाठक 54.42 सेकेंड के समय के साथ आसानी से विजेता रहीं।

वर्ष 2047 तक भारत आने वाले विदेशी सैलानियों की संख्या 10 करोड़ होगी : शेखावत

नयी दिल्ली : भारत के पर्यटन क्षेत्र के लिए एक व्यापक दृष्टि पेश करते हुए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि वर्ष 2030 तक देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इस क्षेत्र का योगदान सात प्रतिशत से अधिक हो जाएगा और 2047 तक विदेशी पर्यटकों की संख्या एक करोड़ से बढ़कर 10 करोड़ हो जाएगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री शेखावत ने बुधवार को 'पीटीआई वीडियो' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि आर्थिक वृद्धि, बेहतर बुनियादी ढांचे और पर्यटन विकास के विकेंद्रीकरण के दम पर भारत अंतरराष्ट्रीय पर्यटन में कमजोर स्तर से निकलकर वैश्विक स्तर पर अग्रणी स्थान हासिल करेगा। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2024 में भारत को पर्यटन से लगभग 35 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा आय हुई, जो देश के जीडीपी का करीब एक प्रतिशत

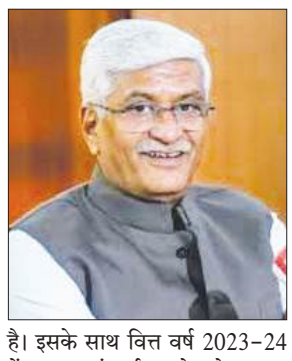

है। इसके साथ वित्त वर्ष 2023-24 में यात्रा एवं पर्यटन क्षेत्र ने प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से लगभग 8.4 करोड़ लोगों को रोजगार दिया था। इस सवाल पर कि क्या वर्ष 2047 तक पर्यटन रोजगार देने और विदेशी मुद्रा कमाने वाले शीर्ष तीन क्षेत्रों में शामिल हो सकता है, शेखावत ने कहा, मैं 'सकता है' शब्द हटाना चाहता हूं। ऐसा जरूर होगा। उन्होंने कहा कि जहां विदेशी मुद्रा आय जीडीपी में एक प्रतिशत का योगदान देती है, वहीं समग्र पर्यटन उद्योग का योगदान छह प्रतिशत से थोड़ा कम है। हालांकि, यह वैश्विक औसत 10 प्रतिशत के मुकाबले उतना प्रभावशाली नहीं है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने हमें लक्ष्य दिया है कि 2047 तक पर्यटन का योगदान 10 प्रतिशत तक पहुंचाया जाए। पर्यटन मंत्री ने कहा, वर्ष 2030 तक हमें हर हाल में सात प्रतिशत तक पहुंचना है। भारत की अर्थव्यवस्था जिस तरह बढ़ रही है और पर्यटन की मांग बढ़ रही है, उससे मुझे पूरा विश्वास है कि 2030 तक हम सात प्रतिशत का स्तर पार कर जाएंगे। शेखावत ने कहा कि जिस दिन पर्यटन क्षेत्र का योगदान अर्थव्यवस्था में 10 प्रतिशत हो जाएगा, उस दिन यह रोजगार सृजन के मामले में कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र बन जाएगा और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को पीछे छोड़ देगा।

वर्ष 11, पूर्णांक 3606 अंक 072 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in